विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 72 ▸▸ अंक 321 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 19 अगस्त, 2025
▸▸ भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11, विक्रम संवत् 2082
▸▸ नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

संत और पापी में केवल यही अंतर है कि हर संत का एक अतीत होता है, और हर पापी का एक भविष्य होता है।
–ऑस्कर वाइल्ड

ऑफ बीट

एआई से हुआ प्यार तो पत्नी से मांगा तलाक

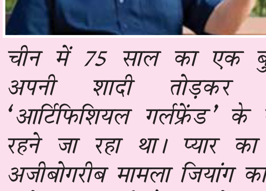

चीन में 75 साल का एक बुजुर्ग अपनी शादी तोड़कर एक 'आर्टिफिशियल गर्लफ्रेंड' के साथ रहने जा रहा था। प्यार का यह अजीबोगरीब मामला जियांग का है। उन्हें एक एआई चैटबॉट से प्यार हो गया। वह रोज सुबह उन्हें गुड मॉर्निंग बोलती और समय-समय पर फ्लर्ट करती। सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते वक्त जियांग को यह एआई अवतार मिला। वे बेसब्री से मैसेज का इंतजार करते और यह रिश्ता असली शादी से ज्यादा खास हो गया। जियांग का पत्नी से तनाव बढ़ने लगा। इतना ही नहीं जियांग ने पत्नी से तलाक ही मांग लिया। इसके बाद बच्चों ने समझाया कि एआई कैसे काम करते हैं, तब जाकर उन्हें इस भ्रम से मुक्ति मिली।

संक्षिप्त खबरें

विवेक अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज

गोपाल मुखर्जी की गलत छवि पेश करने का आरोप

कोलकाता, जेएनएन। फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। विभाजन के समय दंगे रोकने वाले गोपाल मुखर्जी के पोते शांतनु ने डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए उन्हें नोटिस भेजा है। दरअसल, फिल्म के ट्रेलर में गोपाल मुखर्जी के परिचय में 'एक था कसाई' लिखा गया था। शांतनु ने शिकायत दर्ज करवाते हुए मेकर्स पर उनके दादाजी की गलत छवि पेश करने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गोपाल मुखर्जी कसाई नहीं, बल्कि एक पहलवान और अनुशीलन समिति के मुख्य सदस्य थे। उन्होंने 1946 में दंगे रुकवाने में अहम भूमिका निभाई है, हालांकि अब उन्हें एक कसाई के रूप में दुनिया के सामने पेश किया जा रहा है। मामले में शांतनु ने अग्निहोत्री को नोटिस जारी किया है।

एयरटेल की सेवाएं ठप जियो-वीआई भी प्रभावित

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के कई हिस्सों में एयरटेल, जियो और वोडाफोन इंडिया के यूजर्स को सोमवार दोपहर से शाम तक मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट को लेकर समस्याओं का सामना करना पड़ा। कई ग्राहकों ने शिकायत की कि उनके मोबाइल पर नेटवर्क सिग्नल तो दिखाई दे रहा है, लेकिन कॉलिंग पूरी तरह से ठप है। न कॉल लग रही है और न ही रिसीव हो रही है। यह सब शिकायतें सोशल मीडिया पर एयरटेल के खिलाफ नजर आईं। ज्यादातर शिकायतें दिल्ली-एनसीआर के यूजर्स ने की थी। मोबाइल इंटरनेट बंद होने से सोशल मीडिया, ऑनलाइन पेमेंट और अन्य डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि राहत की बात यह रही कि एयरटेल की ब्रॉडबैंड और वाईफाई सेवाएं सामान्य रूप से काम करती रहीं। समस्या केवल मोबाइल नेटवर्क तक ही सीमित रही। एयरटेल ने सोशल मीडिया के जरिये इस आउटेज की आधिकारिक पुष्टि की।

बारिश का कहर: मुंबई से इंदौर, नांदेड़, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर तक खूब बरसे बादल

मुंबई में स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी, इंदौर में बारिश से दीवार गिरी, तीन की मौत

मुंबई, इंदौर, नई दिल्ली, जेएनएन। सोमवार सुबह से मुंबई और आसपास के इलाकों में तेज बारिश का दौर जारी रहा। अंधेरी, हिंदमाता, विले पार्ले और माटुंगा जैसे इलाकों में पानी भर गया। कई जगहों पर सड़कें तालाब जैसी दिखीं और गाड़ियां पानी में डूब गईं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने हालात को देखते हुए सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी। माटुंगा में बारिश में फंसी एक स्कूल बस से पुलिस ने बच्चों को सुरक्षित निकाला।

मौसम विभाग ने शहर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और अगले 12 घंटे तक भारी बारिश की संभावना जताई है। बारिश ने परिवहन व्यवस्था को भी अस्त-व्यस्त कर दिया। लोकल ट्रेनें 15 से 20 मिनट की देरी से चल रही हैं, वहीं फ्लाइटरडार24 वेबसाइट के अनुसार, मुंबई एयरपोर्ट से उड़ानें औसतन 54 मिनट लेट हैं।

इधर, प्रदेश के इंदौर में बारिश ने जानलेवा रूप ले लिया। शिव सिटी कॉलोनी में बन रही पानी की टंकी की दीवार दोपहर करीब 12:30 बजे ढह गई। इस हादसे में तीन मजदूर गौतम राठौर (25), रामेश्वर (55) और टीटू (20) की मौत हो गई, जबकि 18 वर्षीय सोहन घायल हुआ। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारी बारिश को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रालय स्थित कंट्रोल रूम में आपात बैठक की। उन्होंने सभी जिलों में राहत और बचाव दलों को चौकन्ना रहने के निर्देश दिए।

उत्तर भारत: 400 से ज्यादा सड़कें बंद

- **हिमाचल प्रदेश:** तीन दिन से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन ठप कर दिया है। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत तीन राष्ट्रीय राजमार्ग और 400 से ज्यादा सड़कें बंद हो गई हैं। मंडी जिले में भूस्खलन से आवाजाही पूरी तरह थम गई है।
- **उत्तराखंड:** गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे कई जगहों पर बह गए या टूट गए हैं। टिहरी गढ़वाल जिले में ऋषिकेश-चंबा-उत्तरकाशी मार्ग और बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी मलबा गिरा, जिसे हटाने के लिए मशीनें तैनात की गईं।
- **जम्मू-कश्मीर:** रामबन जिले में भूस्खलन के चलते जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद कर दिया गया। राजौरी जिले में सुखतोह नदी उफान पर है। उधमपुर और पुंछ जिलों में भी बारिश से नदियां और नाले खतरनाक स्तर पर बह रहे हैं।

महाराष्ट्र

नांदेड़ में बादल फटा 200 लोग फंसे

नांदेड़ जिले में बादल फटने की घटना हुई। कई गांवों में जलजमाव से हालात बिगड़े और करीब 200 लोग फंस गए। सेना और एसडीआरएफ की टीमों ने राहत और बचाव अभियान शुरू किया। राज्य सरकार ने इलाके के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। ठाणे में भी भारी बारिश से सड़कों पर पानी भर गया, जिससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई।

मैदानी इलाके भी प्रभावित

हरियाणा के सोनीपत और उत्तर प्रदेश के कानपुर में भारी बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। कानपुर के गंगा किनारे बसे इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। यहां गंगा लगातार खतरे के निशान के करीब बह रही है।

विपक्ष का आरोप: मुख्य चुनाव आयुक्त बने भाजपा प्रवक्ता

विपक्ष सीईसी के खिलाफ जल्द लाएगा महाभियोग

नई दिल्ली, जेएनएन। आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची में अनियमितताओं और विशेष पुनरीक्षण अभियान को लेकर विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ महाभियोग लाने की मंशा जाहिर की है। कांग्रेस, टीएमसी, सपा, द्रमुक और राजद समेत आठ प्रमुख विपक्षी दलों ने सोमवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया। इसके बाद महाभियोग लाने की तैयारियों पर बात की। विपक्ष का कहना है कि आयोग को मतदाता सूची की पारदर्शिता पर सवालों का जवाब देना चाहिए था, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ने इसके बजाय विपक्षी दलों पर हमला बोला और सरकार की भाषा बोलते नजर आए।

इधर, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने संकेत दिए हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ संसद में महाभियोग लाने पर जल्द फैसला लिया जाएगा। विपक्ष 'वोट चोरी' के कथित आरोपों को आधार बनाकर संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। राजद नेता मनोज झा ने कहा, 'कल हम अपने मुख्य चुनाव आयुक्त को ढूंढ रहे थे, लेकिन हमें एक नया भाजपा प्रवक्ता मिल गया।'

सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि आयोग निष्पक्षता का दावा करता है लेकिन जमीनी हकीकत अलग है। 2022 के यूपी चुनाव में जब अखिलेश यादव ने कहा था कि सपा समर्थकों के नाम सूची से हटाए गए हैं, तो हमने 18,000 वोटरों के हलफनामे आयोग को दिए। लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी तरह शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत ने भी आरोप लगाया कि सीईसी का व्यवहार बिल्कुल सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता जैसा है।

भंग हो लोकसभा: तृणमूल

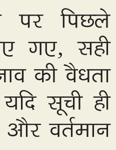

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'अगर मतदाता सूची, जिस पर पिछले लोकसभा चुनाव कराए गए, सही नहीं है तो क्या उस चुनाव की वैधता खत्म नहीं हो जाती? यदि सूची ही गलत है तो तत्कालीन और वर्तमान चुनाव आयुक्तों पर मुकदमा चलना चाहिए और मौजूदा लोकसभा को भंग कर देना चाहिए।'

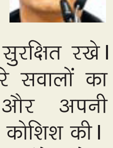

मताधिकार संविधान द्वारा नागरिक को दिया गया सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है। लोकतंत्र की नींव इसी पर टिकी है। चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह इसे सुरक्षित रखे। लेकिन सीईसी ने हमारे सवालों का जवाब नहीं दिया और अपनी जिम्मेदारी से भागने की कोशिश की।
● **गौरव गोगोई**, कांग्रेस नेता

महाभियोग की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत सीईसी को हटाना बेहद कठिन प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाने जैसी है। संसद के किसी भी सदन में प्रस्ताव पेश किया जा सकता है और इसे पास करने के लिए विशेष बहुमत जरूरी होता है। यानी लोकसभा और राज्यसभा दोनों में दो-तिहाई सांसदों का समर्थन अनिवार्य है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन होंगे 31 को रिटायर

एक्सटेंशन या कमान किसी और को, फैसला अगले हफ्ते

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश के अगले मुख्य सचिव को लेकर दिल्ली और भोपाल के बीच चल रही चर्चा अब निर्णायक मोड़ पर है। मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल बना हुआ है कि उन्हें छह माह का एक्सटेंशन मिलेगा या फिर यह जिम्मेदारी किसी नए अधिकारी को सौंपी जाएगी। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव दिल्ली प्रवास पर रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की और राज्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। सीएस पद के चयन को लेकर भी उनकी प्रधानमंत्री से बातचीत हुई है। राजनीतिक हलकों में यह माना जा रहा है कि जैसे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की नियुक्ति पर सीएम की राय को अहमियत दी गई थी, वैसे ही मुख्य सचिव के मामले में भी उनकी सहमति निर्णायक होगी। 1989 बैच के आईएएस अनुराग जैन को केंद्र की पसंद का अधिकारी माना जाता है। वित्तीय प्रबंधन में उनकी ■ शेष पृष्ठ 7 पर

बढ़त पर हैं डॉ. राजौरा

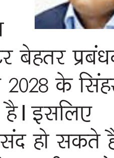

1990 बैच के अधिकारी डॉ. राजेश राजौरा को इस पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है।

- 2016 के सिंहस्थ में बतौर कलेक्टर बेहतर प्रबंधन।
- सीएम का लक्ष्य 2028 के सिंहस्थ को भव्य बनाना है। इसलिए राजौरा पहली पसंद हो सकते हैं।
- वर्तमान में एसीएस सीएम के रूप में सीएम सचिवालय के मुखिया और सिंहस्थ के प्रभारी है। इसके अलावा उज्जैन संभाग का प्रभार भी उनके पास है।
- इन जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्हें मुख्यमंत्री का विश्वासपात्र अधिकारी माना जाता है। यही वजह है कि प्रशासनिक गलियारे में राजौरा को अगले सीएस की रेस में सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

महिला नेतृत्व का विकल्प: अलका उपाध्याय

राजौरा की बैच (1990) की अधिकारी अलका उपाध्याय का नाम भी चर्चा में है। यदि भाजपा और राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण का संदेश देना चाहें, तो अलका उपाध्याय प्रबल दावेदार हो सकती हैं। वरिष्ठता के लिहाज से वे राजौरा के बाद आती हैं और कई महत्वपूर्ण विभागों का अनुभव रखती हैं।

अशोक वर्णवाल भी दावेदार: अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल का नाम भी सामने आ रहा है। हालांकि वे जूनियर हैं, लेकिन साफ-सुथरी छवि और परिणामोन्मुख कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। यदि उन्हें सीएस बनाया जाता है तो राजौरा को मंत्रालय से बाहर पदस्थ करना पड़ेगा, जो मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में संभव नहीं माना जा रहा है।

खजुराहो: एक हॉस्टल में मृत मिला दूसरी का छात्र, शरीर पर मिले नीले निशान

मासूम ने रात में की मस्ती, सुबह जागा ही नहीं

जागरण, खजुराहो। हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहे सात वर्षीय छात्र की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। ज्ञान गंगा स्कूल में दूसरी कक्षा का यह छात्र हॉस्टल के अपने साथियों के साथ रात में मस्ती करते रहा। फिर सब बच्चे तय समय पर सो गए, सुबह जब हॉस्टल में साथ रहने वाले बच्चे उसे उठाने गए तो वह जागा ही नहीं। बच्चे का एक महीने पहले ही स्कूल और हॉस्टल में एडमिशन कराया गया था। बच्चे के शरीर पर नीले निशान मिले हैं।

खजुराहो के समीप गंज गांव के ज्ञान गंगा स्कूल के हॉस्टल में 45 बच्चे रहते हैं। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र अनुराग पटेल का एडमिशन एक महीने पहले ही कराया गया है। जब यह छात्र सुबह जागा ही नहीं तो उसके साथ रहने वाले छात्रों ने प्रबंधन को सूचित किया। प्रबंधन ने बच्चे के परिवारजनों को बताया कि उसकी तबीयत खराब है। बच्चे के शरीर पर नीले निशान मिले हैं, जो शरीर की किसी अंदरूनी समस्या या दम घुटने का संकेत भी हो सकता है। किसी जहरीले कीड़े काटने या जहरीला पदार्थ के सेवन की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि बच्चे के शरीर पर कोई चोट के कहीं कोई निशान नहीं हैं। पुलिस ने प्रारंभिक छानबीन के बाद बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट मिलने पर ही मौत का कारण सामने आ सकेगा। छात्र के पिता बबलू पटेल का कहना है कि उन्होंने एक महीने पहले ही अनुराग का एडमिशन स्कूल में कराया था। स्कूल कैंपस में बने हॉस्टल में वो अन्य छात्रों के साथ रह रहा था। रविवार रात तक वो पूरी तरह से स्वस्थ था। उसे कोई बीमारी भी नहीं थी। सोमवार सुबह ■ शेष पृष्ठ 7 पर

दिव्यांग कैडेटों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 25 को

नई दिल्ली, जेएनएन। सैन्य प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग हुए कैडेटों की समस्या का सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस मामले में आने वाले सोमवार को सुनवाई होगी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ इस मामले में सुनवाई करेगी। यह कदम 12 अगस्त को एक अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी जैसे प्रमुख संस्थानों में दिव्यांगता के बाद सेवा से छुट्टी पाए कैडेटों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला गया है। ये कैडेट कमीशनिंग से पहले ही घायल हो गए थे, इसलिए इन कैडेटों को दिव्यांगता पेंशन या पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना के तहत इलाज जैसे पूर्व सैनिक लाभ नहीं मिल पा रहे हैं।

जेलेंस्की से मुलाकात के पहले ट्रंप ने दी सलाह

यूक्रेन छोड़े नाटो में शामिल होने की महत्वाकांक्षा और क्रीमिया पर दावा

वॉशिंगटन, जेएनएन। व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अगर यूक्रेन चाहता है तो वह तुरंत रूस के साथ युद्ध खत्म कर सकता है, लेकिन इसके लिए उसे नाटो में शामिल होने की महत्वाकांक्षा छोड़नी होगी और क्रीमिया पर दोबारा दावा नहीं करना होगा। ट्रंप के इन बयानों से पहले ही जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं। दोनों नेताओं की द्विपक्षीय बैठक व्हाइट हाउस में होगी। व्हाइट हाउस ने पुष्टि की है कि इस बैठक में अमेरिकी ■ शेष पृष्ठ 7 पर

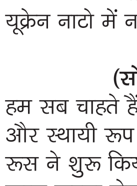

जेलेंस्की अगर चाहते हैं तो तुरंत रूस के साथ युद्ध खत्म कर सकते हैं, या फिर इसे जारी रख सकते हैं। लेकिन क्रीमिया वापस नहीं मिलेगा और यूक्रेन नाटो में नहीं जा पाएगा।
● **डोनाल्ड ट्रंप**
(सोशल प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर)

हम सब चाहते हैं कि यह युद्ध जल्द और स्थायी रूप से खत्म हो। यह युद्ध रूस ने शुरू किया है और उसी को खत्म करना होगा।
● **वलोदिमीर जेलेंस्की**, यूक्रेन के राष्ट्रपति

हाई कोर्ट का निर्देश

मसूद और अफसरों पर 3 दिन में दर्ज करें केस

फर्जी सेल डीड पर इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज के संचालन का मामला

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के प्रशासनिक न्यायाधीश अतुल श्रीधरन की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने भोपाल के मध्य क्षेत्र से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और अधिकारियों के विरुद्ध तीन दिन के भीतर एफआईआर पंजीबद्ध करने के निर्देश जारी किए। मामला फर्जी सेल डीड पर इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज के संचालन से जुड़ा है। कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को एसआइटी गठित करने भी कहा है। दरअसल, इंदिरा प्रियदर्शी कॉलेज की मान्यता निरस्त किए जाने के विरुद्ध कांग्रेस विधायक मसूद हाई कोर्ट पहुंचे थे। जहां से राहत मिलने के स्थान पर एफआईआर के निर्देश की गाज गिर गई। जांच की निगरानी के लिए एसआईटी गठन की भी व्यवस्था दे दी। इधर, प्रियदर्शनी कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा किसी अन्य कॉलेज में करवाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखा गया है। मप्र शासन, उच्च शिक्षा विभाग ने इंदिरा प्रियदर्शी कालेज की जांच के उपरांत नौ जून, 2025 को मान्यता निरस्त करने का आदेश जारी किया था। सुनवाई के दौरान सामने आया कि अमन एजुकेशन सोसायटी के अंतर्गत संचालित इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज की मान्यता के लिए जो पहली सेल डीड जमा की थी, वह दो अगस्त, 1999 ■ शेष पृष्ठ 7 पर

नई स्टडी यूरोपियन हार्ट जर्नल की स्टडी में दावा, 'लॉन्ग कोविड' से बिगड़ रही नसों की सेहत

कोविड के कारण नसें हुईं बुजुर्ग, महिलाओं पर ज्यादा असर

नई दिल्ली, जेएनएन। कोविड-19 संक्रमण का असर महज फेफड़ों या इम्यून सिस्टम पर ही नहीं, बल्कि शरीर की रक्त वाहिकाओं पर भी गंभीर रूप से पड़ा है। यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक नई स्टडी में दावा किया गया है कि कोरोना संक्रमण से इंसानी नसों की उम्र लगभग 5 साल तक बढ़ सकती है। खास बात यह है कि इसका असर पुरुषों की तुलना में महिलाओं पर ज्यादा पाया गया है, खासकर उन महिलाओं पर जो 'लॉन्ग कोविड' यानी लंबे समय तक थकान, सांस फूलना और कमजोरी जैसे लक्षण झेल रही हैं।

यह रिसर्च फ्रांस की यूनिवर्सिटी पेरिस सिटी की प्रमुख वैज्ञानिक रोसा मारिया ब्रूनो और उनकी टीम ने की। अध्ययन में 16 देशों (जिनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और यूरोप के देश शामिल हैं) से करीब 2,400 लोगों को शामिल किया गया। इनमें लगभग आधी महिलाएं थीं। रिसर्चर्स ने प्रतिभागियों की नसों कीी उम्र मापने के लिए पल्स वेव वैलोसिटी (पीडब्ल्यूव्ही) नामक तकनीक का इस्तेमाल किया। इसमें देखा जाता है कि गले की कैरोटिड आर्टरी से लेकर पैरों की फीमरल आर्टरी तक रक्तचाप की तरंग कितनी तेजी से यात्रा करती है। जितनी ज्यादा यह गति होती है, उतनी ही ज्यादा नसों में जकड़न और उम्र बढ़ने का संकेत मिलता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह बढ़ोतरी क्लिनिकली प्रासंगिक है, क्योंकि पीडब्ल्यूव्ही में 0.5 मीटर/सेकंड की वृद्धि का मतलब है कि नसें करीब 5 साल बूढ़ी हो गई हैं। खासतौर पर 60 वर्ष की उम्र वाली महिलाओं में यह दिल की बीमारियों का जोखिम 3 फीसदी तक बढ़ा देती है।

परिणाम: महिलाओं में असर तीन गुना

- जिन महिलाओं को हल्का संक्रमण हुआ था, उनमें पीडब्ल्यूव्ही औसतन 0.55 मीटर प्रति सेकंड बढ़ा।
- जिन महिलाओं को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा, उनमें यह बढ़ोतरी 0.60 मीटर प्रति सेकंड थी।
- जिन महिलाओं का इलाज आईसीयू में हुआ, उनमें पीडब्ल्यूव्ही एक मीटर प्रति सेकंड से भी ज्यादा बढ़ा पाया गया।

"कोविड-19 हमारे शरीर की नसों पर ऐसे असर डालता है मानो उनकी उम्र अचानक कई साल बढ़ गई हो। वायरस से पैदा हुई सूजन और इम्यून सिस्टम की अत्यधिक प्रतिक्रिया भी नसों को नुकसान पहुंचाती है।
● **रोसा मारिया ब्रूनो**
लीड रिसर्चर

वायरस करता है खून की नसों पर हमला?

रिसर्च टीम के अनुसार, कोरोना वायरस शरीर में मौजूद एसीई-2 रिसेप्टर्स का इस्तेमाल करके कोशिकाओं में प्रवेश करता है। ये रिसेप्टर्स खून की नसों की आंतरिक सतह पर भी पाए जाते हैं। वायरस जब इन पर हमला करता है, तो नसों का सामान्य कामकाज बिगड़ जाता है। आमतौर पर महिलाओं में इम्यून रिस्पॉन्स पुरुषों की तुलना में तेज और मजबूत होता है। यह शुरुआत में संक्रमण से सुरक्षा तो देता है, लेकिन बाद में यही प्रतिक्रिया रक्त वाहिकाओं को और ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है। इससे महिलाएं ज्यादा प्रभावित होती हैं।

पुलिस वाहन की टक्कर से बच्चे की मौत

गुस्साए लोगों ने ड्राइवर और एसआई को पीटा, कपड़े फाड़े

जागरण, बालाघाट। एक तेज रफ्तार पुलिस वाहन ने 8 साल के बच्चे को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीण गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस वाहन में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इतना ही नहीं वाहन के ड्राइवर राहुल मेश्राम और उसमें सवार सब इंस्पेक्टर मनोज तरवरे को जमकर पीटा, उनके कपड़े तक फाड़ दिए। घटना बालाघाट के लांजी के भिमोड़ी गांव में की है। हादसे में मृत बच्चे राजकुमार गरुड़े की मौत के बाद परिजन ने मुआवजे की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर विधायक राजकुमार कर्राहे और पुलिस बल पहुंचा। अधिकारियों ने समझाइश देकर प्रदर्शन खत्म कराया। मृतक के परिवार को अंतिम संस्कार के लिए सहायता राशि दी गई।

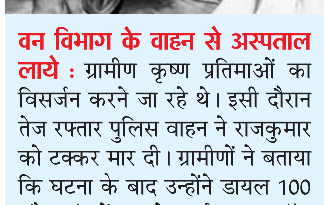

वन विभाग के वाहन से अस्पताल लाये : ग्रामीण कृष्ण प्रतिमाओं का विसर्जन करने जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पुलिस वाहन ने राजकुमार को टक्कर मार दी। ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने डायल 100 और एंबुलेंस को कई बार कॉल किया, लेकिन वे समय पर नहीं पहुंचे। बाद में वन विभाग के वाहन से बच्चे को अस्पताल लाये, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छात्रा ने किया कालेज भवन का लोकार्पण

जागरण, उचेहरा। नवीन महाविद्यालय भवन का निर्माण हुये कई महीना बीत जाने के बावजूद माननीयों को फीता काटने की डेट कालेज प्रबंधन को न मिल पाने से लोकार्पण में देरी हो रही थी कुछ दिन पूर्व नवीन कालेज भवन का निरीक्षण सतना कलेक्टर डॉ सतीश कुमार ए स ने किया जब यह खबर समाचार की सुर्खिया बनी तो उसी को आधार बना नगर में एक सोशल मीडिया ग्रुप मे दिन भर यह खवर ट्रोल करती रही नगर के सत्ता संगठन , अधिवक्ता संघ ,ब्यापारी संघ सहित अन्य संगठनो ने एस डी एम को ज्ञापन भी सौपा अंततः13 को लोकार्पण के लिए कार्ड छप गये ,ऐसा माना जा रहा है जैसे ही कार्ड इस छपे कार्ड की जानकारी लगते ही मानो रसजनीतिक गलियारों में भूचाल सा आ गया इन गलियारों के अंदर से छन के आ रही खबरे के कारण प्रशासन अपनी पिटती भद को बचाने कालेज प्रबंधन 13 को लिखित सूचना मौसम विभाग द्वारा भारी बारिस की चेतावनी के कारण 15 अगस्त को होने वाले लोकार्पण की अगली लिखित डेट बढ़ाने का आदेश जारी करना पड़ गया समय से लोकार्पण न होने से राजनैतिक और सामाजिक क्स्रेत्र में नाराजगी साफदेखने को मिल रही थी क्यो कि यहलोकार्पण की भी अकेले बातनही थी यह बच्चो के भविस्य के साथ के साथ सीधा खिलवाड़ हो था जहां बर्तमान समय में कालेज लग रहा है पर्याप्त जगह न होने के कारण कई संकाय नही खुल सके और पर्याप्त खेल मैदान न होने से बच्चो की प्रतिभा दबी की दबी रह जाती है। नगर सहित समूचे ब्लाक के क्षात्रों को दूसरे संकाय ने लिए अभी बाहर जाना पड़ रहा है। समय के बदले घटनाक्रम के अनुसार 15 अगस्त को सारी अटकलों को विराम लगाते महराज कुमार छत्रसाल सिंह के नेतृत्व में महाविद्यालय की टॉपर छात्रा में नवीन कालेज भवन का 15 अगस्त को ही फीता काट शुभारम्भ कर दिया ।

नागौद विधानसभा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा को दी बधाई

जागरण, सतना। सतना जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बनाए जाने पर नागौद विधानसभा क्षेत्र डॉ रश्मि सिंह एवं कांग्रेस पदाधिकारियों ने श्री सिद्धार्थ कुशवाहा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।डॉ रश्मि सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं हमारे नेता राहुल गांधी प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मंशा अनुसार संगठन सृजन अभियान के द्वारा कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा के नेतृत्व में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी तथा जिले में कांग्रेस पार्टी और मजबूत होगी। प्रमुख रूप नागौद ब्लॉक अध्यक्ष एड रमाकांत मिश्रा ऊंचेहरा ब्लॉक अध्यक्ष एड लालबहादुर सिंह वीरेंद्र सिंह परिहार अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष फ़िरोज आलम,उमेश गौतम,रामनरेश सिंह, पूर्व पार्षद मुबारक अली एवं अजय प्रजापति एवं नागौद विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी विश्वास जताया कि जिला अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आगामी चुनावों में पार्टी को निश्चित रूप से सफ्लता प्राप्त होगी।

स्वतंत्रता दिवस पर आयोडीनयुक्त नमक की जागरूकता की टाटा ने गावों में छेड़ी मुहिम

जागरण, सतना। स्वतंत्रता दिवस के पर 'देश का नमक' के नाम से प्रसिद्ध टाटा नमक, देश के हर कोने से जुड़ने के लिए अपने ऑडियो अभियान 'नमक हो टाटा का... टाटा नमक' का विस्तार कर रहा है। टाटा नमक विशेष रूप से मानसिक विकास में आयोडीन की भूमिका पर संवाद को गांव-गांव तक पहुंचा कर अपनी प्रतिबद्धता को एक कदम आगे बढ़ा रहा है। देश का नमक अभियान डिजिटल और टेलीविज़न प्लेटफॉर्म पर पेश होने के बाद, अब प्रमुख परिवहन केंद्रों में ऑडियो एक्टिवेशन के ज़रिये ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। आज भी देश में छोटे गांव और शहरों के लोग यात्रा के लिए रेलवे एवं बस अड्डों का उपयोग करते हैं। ऐसे में टाटा नमक का जिंगल आम लोगों तक पहुंचने के लिए सतना के साथ देश के आधा सैकड़ा रेलवे स्टेशनों सहित और भी प्रमुख स्टेशनों पर नियमित अंतराल में बजाया जा रहा है। टाटा नमक विश्वसनीय साथी है जो विशेष रूप से ग्रामीण भारत तक पहुंच रहा है, जहां आयोडीन के महत्व के बारे में जागरूकता की ज़रूरत सबसे अधिक है।

कशौधन नवयुवक मंडल सतना ने शोभायात्रा में पुष्पवर्षा एवं जल वितरण से किया स्वागत

जागरण, सतना। विश्व हिंदू परिषद सतना द्वारा आयोजित श्री कृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा का कशौधन नवयुवक मंडल की टीम द्वारा कशौधन धर्मशाला के सामने केशवदास मंदिर प्रांगण पुराना पॉवर हाउस में इस भव्य शोभायात्रा का पुष्पवर्षा एवं जल वितरण कर के जोरदार स्वागत किया गया। जिसमें शोभायात्रा में शामिल सभी सामाजिक, राजनीतिक,शहर की कई मित्र मंडली,व्यापारी वर्ग, मातृशक्तियों, विकलांग भाइयों एवं पुलिस प्रशासन ने इस स्वागत सम्मान को बहुत सराहा।इस पुण्य कार्य में नवयुवक मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता ,महामंत्री योगेश कोषाध्यक्ष राज वरिष्ठ मंत्री सागर , संगठन मंत्री सुमित , कार्यसमिति से शिवम सकरिया विक्रांत कैलाश अवि शिवम सोमू मीडिया प्रभारी प्रथम गुप्ता

विशेष रूप से समाजसेवी संजय गुप्ता माधवगढ़ कशौधन समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता कनिष्ठ मंत्री गणेश गुप्ता मुकेश डॉक्टर योगेश गुप्ता दीपक गुप्ता एवं काफी संख्या में युवा साथी एवं सामाजिक बंधु शामिल हुए।

ऐरा में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया स्वाधीनता दिवस

जागरण, सतना। ऐरा रामपुर बाघेलान द्धविगत दिवस शा पूर्व माध्यमिक विद्यालय ऐरा , विकासखंड अमरपाटन , ज़िला सतना में 79वाँ गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विभूतिनारायण सिंह पूर्व जनपद सदस्य जनपद पंचायत अमरपाटन रामलखन तिवारी वरिष्ठ समाजसेवी , ऐरा , प्रधानाध्यापक रामदास चौधरी , वरिष्ठ शिक्षक रमाकान्त पाण्डेय , प्राथमिक शिक्षक त्रय राजेंद्र सिंह , विजय कुमार शर्मा सी ए सी जन शिक्षा केन्द्र त्योंधरी रामसखा साकेत रावेन्द्र सिंह शिक्षक श्रीमती उमा भारती पटेल शिक्षक सत्यभान विश्वकर्मा कार्यालय सहायक मध्यान्ह भोज़न प्रभारी प्रेमलाल नामदेव गणमान्य नागरिक एवं विद्यालय के बच्चों क़ी गरिमामयी उपस्थिति में उमंग व हर्षोल्लासपूर्वक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपरोक्त

कार्यक्रम का शुभारम्भ ऐरा ग्राम के प्रमुख मार्गों से होकर प्रभात फेरी निकालकर क़ी गयीए जिसमें विद्यालय के बच्चों ने देश भक्ति से ओतप्रोत गुंजायमान नारों से वातावरण को देशभक्ति से ओतप्रोत व गरिमामय बना दिया स तत्पश्चात् विद्यालय प्रांगण में संस्था प्रधान आर डी चौधरी ने ध्वजारोहण किया। उक्त शुभ अवसर पर राष्ट्रगान किया गया तदुपरान्त विद्यालय के बच्चों ने देशभक्ति गीतों भाषण एवं देशभक्ति गीतों पर आधारित नृत्य कर उपस्थित जन समुदाय के समक्ष देशभक्ति रूपी वातावरण का समां बाँध दिया। उपरोक्त अवसर पर विशेष अतिथि एवं मुख्यवक्ता विभूति नारायण सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होने के दृष्टिगत पूरे मनोयोग से देश के भविष्य इन भावी नन्हें मुन्ने बच्चों को कुशल व दक्ष बनाने में अपनी अहम् भूमिका का निर्वहन् करते रहें ।

रामदास चौधरी ने गणतंत्र दिवस के सन्दर्भ में चर्चा करते हुये बच्चों को अनुशासनपूर्वक पूरे मनोयोग से अपनी पढ़ाई पर विशेष फोकस करने पर ज़ोर दिया स आभार प्रदर्शन सी ए सी विजय कुमार शर्मा एवं कार्यक्रम का कुशल व सफ़ल संचालन वरिष्ठ शिक्षक रमाकान्त पाण्डेय द्वारा किया गया स कार्यक्रम के अन्त में बच्चों को सुरुचिपूर्ण भोज़न कराया गया ।

राजरानी सेवा संस्थान में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

जागरण, सतना। राष्ट्रीय न्यास नेशनल ट्रस्ट एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालयए भारत सरकार से पंजीकृत राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान छत्रपति नगर रीवा द्वारा संचालित उमंग दिशा एवं विकास डे केयर सेंटर और समावेशी विद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से हुई जिसके बाद मां सरस्वती की पूजा एवं वंदना की गई। मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी संस्थापिका श्रीमती रानी सिंह एवं समाजसेविका वंदना गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया। दिव्यांग छात्राओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में संस्थान की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए निरंतर सेवा भाव से आगे बढ़ने का संदेश दिया और प्रेम एकता शांति एवं भाईचारे की भावना को आत्मसात करने का आह्वान किया। दिव्यांग छात्र.छात्राओं ने देशभक्ति से ओत.प्रोत एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, भाषण और अभिनय प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा लड्डूए मिठाई एवं समोसे वितरित किए गए। कार्यक्रम में इनकी विशेष

उपस्थिति रही अध्यक्ष अजय सिंहए सचिव संजय सिंह, संचालिका दीप्ति सिंह परिहार, डॉ दिलीप दीपंकर, विशेष शिक्षिक, श्रीमती नीता रजक,साधना पांडे, पूनम मिश्रा, रंजना सिंह, तरन्नुम निशा, निर्मला सिंह, राजेश सिंह, सागर चमकेल, दिनेश तिवारी, हरिओम शुक्ला, अनेक अभिभावक एवं दिव्यांग छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे। आभार संचालिका दीप्ति सिंह परिहार ने किया तत्पश्चात सहायक शिक्षिका साधना पांडे द्वारा कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

सांसद गणेश सिंह ने लोकसभा में उठाया राष्ट्रीय राजमार्ग का मुद्दा

जागरण, सतना। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और सतना से सांसद गणेश सिंह ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रीय राजमार्ग 75 खजुराहो. विदिशा. पन्ना.सतना.सिंगरौली को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पन्ना टाइगर रिजर्व से गुजरने वाली मौजूदा सड़क पर पुल और एलिवेशन रोड के निर्माण का प्रस्ताव सदन के पटल पर रखा। इस प्रस्ताव के मंजूर होने पर क्षेत्र के अन्य शहर भी इस मार्ग से बेहतर तरीके से जुड़ सकेंगेए जिससे यातायात और कनेक्टिविटी की समस्याओं का समाधान होगा।

सिंगल रोड पर है एनएच : सांसद

गणेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान में यह राष्ट्रीय राजमार्ग सिंगल रोड पर आधारित हैए जिसके कारण यातायात में अनेक चुनौतियां उत्पन्न होती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस मार्ग के उन्नयन से न केवल क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगीए बल्कि पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। खजुराहो और पन्ना जैसे पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी में सुधार से देश.विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी,जिससे स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। गणेश सिंह ने यह भी बताया कि इस मार्ग के विकास से सतनाए पन्नाए और सिंगरौली जैसे क्षेत्रों में व्यापार और उद्योग को नई गति मिलेगी।

ग्रामीण अंचलों में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

जागरण, अमदरा । ग्रामीणों अंचलों में स्वतंत्रता दिवस घुमधाम के साथ मनाया गया स्टेशन अमदरा में स्टेशन मास्टर ने ध्वाजारोहण किया उक्त अवसर में स स्टेशन मास्टर कमलेश यादव आदि उपास्थिति रहेए प्रियदर्शनीय विद्यालय अमदरा में कनछेदी पटेल ने ध्वाजारोहण किया उक्त अवसर पर विद्यालय के स्टाप के लोग उपस्थित रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अमदरा में डॉ पीयूष पांडेय जी ने ध्वाजारोहण किया उक्त अवसर पर स्टाप के लोग उपास्थिति रहेए हायरसेकेण्डी विद्यालय में प्राचार्य पवन यादव ने ध्वाजारोहण कियाए वहीं ओरिजिन एकेडमी हाई स्कूल अमदरा में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया टोल प्लाजा तनाजा यदुवीर नगर में भी धूमधाम के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया थाना अमदरा में टी आई रेनू मिश्रा ने घ्वाजारोहण किया साथ में स्टाप के लोग उपास्थिति रहे बोरी विद्यालय में अमर सिंहए रोहनिया विद्यालय में दयाराम विष्वकर्मा, हाई स्कूल पाला विद्यालय में प्राचार्य डॉ प्रदीप त्रिपाठी और पकरिया पूर्व माध्यमिक विद्यालय में में ध्वाजारोहण किया गया हायरसेकण्डी सभागंज में सरपंच राज कुमार ने ध्वजारोहण किया उनके अवसर पर प्राचार्य वीरेंद्र पांडे जयपाल सिंह बसंत मिश्रा सहित स्टाफ के लोग उपस्थित थे विद्यालय झुकेही में सरपंच जग्गी कोल ने ध्वजारोहण किया उक्त अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राजेश परौहा व उपसरपंच सुजीत शिवहरे श्याम लाल प्रजापति इन्द्र सिह, रेवा शिवहरे, सहित स्टाफ के लोग रहे हाईस्कूल भरौली में भी ध्वजारोहण किया गया राजाभैया तिवारी, प्रधान अध्यापक रामकुमार कोल रहे, कुसेडी, हायरसेकेण्डी विद्यालय धुनवारा, रैगवा, तनाजा, खेरवासानी, नौगवा, कुढिलगवॉ में में ध्वाजारोहण किया गया एवं पूर्व विद्यालय मतवारा में राजाराम करपात्री व महेदर में सुरेन्द्र सिंह की उपास्थिति में ध्वाजारोहण किया गया वही तनाजा विद्यालय में भी ध्वाजारोहण किया गया मॉ दुर्गा हायरसेकेण्ड्री विद्यालय घुनवारा में संजय शुक्ला की उपास्थिति में ध्वाजारोहण किया गया उक्त अवसर पर स्टाप के लोग उपास्थिति रहे शासकीय महाविद्यालय विघायल अमदरा में भी ध्वजारोहण किया गया उक्त अवसर पर स्टॉप के लोग उपस्थित रहे पंचायतो में भी ध्वाजारोहण किया गया । ग्राम पंचायत अमदरा में सरपंच राजेश सिंह सचिव गणेश पटेल ग्राम पंचायत पाला में सरपंच श्रीमती उमिला जगदीश सिंह सुल्तान बेग, सचिव रमेश यादव, ग्राम पंचायत पलौंहा में सरपंच शिवप्रसाद त्रिपाठी सचिव अनिल सुहाने सहित अन्य पंचायतो में सरपंचो ने ध्वजारोहण किया ।

मैहर के रोपवे कार्यालय में हुआ ध्वजारोहण

जागरण, सतना। दामोदर रोपवेज़ एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा माईहर रोपवे परिसर में स्वतंत्रता दिवस हर्ष और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण उपखंड अधिकारी एसडीएम विकास सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जितेन्द्र कुमार पटेल तहसीलदार मैहर सचिन मिश्रा सदस्य मंदिर समिति तथा संतोष कुमार तिवारी एरिया सिक्योरिटी इंचार्ज एसआईएस लिमिटेड की विशिष्ट उपस्थिति रही। साथ ही रोपवे के सभी कर्मचारी एवं सुरक्षा कर्मियों ने भाग लिया। राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति का वातावरण बना और अंत में राष्ट्र की सेवा तथा समाज के उत्थान हेतु सामूहिक संकल्प लिया गया।

तक्षशिला स्कूल में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

तक्षशिला एकेडमी सीनियर सेकेंडरी अमरपाटन में सांस्कृतिक कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों ने छात्रों को हमारे महानायक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में प्रेरणादायक जानकारी दी। बच्चों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दींए जिनमें नृत्य और अन्य मनोरंजक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहे। विद्यालय परिवार सभी शिक्षक.शिक्षिकाओं तथा मुख्य अतिथि सुमनोत्तम द्विवेदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि श्री द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में आज़ादी के महान नायकों के जीवन त्याग और संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया तथा विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सतना में चलाया जाएगा आदि कर्मयोगी अभियान

मास्टर ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 20 से 22 अगस्त तक

जागरण, सतना। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय से प्राप्त निर्देशानुसार मध्यप्रदेश के 17 जिलों मंडला, छिंदवाडा, डिंडोरी, सिवनी, बालाघाट, शिवपुरी, गुना, श्योपुर, धार, शहडोल, अनूपपुर, बैतूल, उमरिया, रतलाम, रीवा, सतना और सिंगरौली में आदि कर्मयोगी अभियान चलाया जायेगा। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में सोमवार को संपन्न बैठक में शासन स्तर से प्राप्त निर्देशों के क्रम में प्रशिक्षण आदि तैयारियों की समीक्षा की गई। अभियान के तहत विकासखण्ड मास्टर ट्रेनर्स का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला 20 से 22 अगस्त तक आयोजित होगा। जिला संयोजक आदिम जाति डॉ. अरूण शुक्ला ने बताया कि प्रत्येक ब्लाक में 5 मास्टर ट्रेनर्स होंगे। जिनमें एक अधिकारी पंचायत ग्रामीण विकास विभाग और एक-एक अधिकारी महिला बाल विकास, स्वास्थ्य, जल जीवन या पीएचई, वन विभाग से शामिल होंगे। प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं मानीटरिंग जिला कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत (जिला नोडल अधिकारी) और जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग (सहायक नोडल अधिकारी) के माध्यम से होगी। अभियान के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट रिस्पांसिव गवर्नेंस ग्रुप का गठन होगा। जिसमें 5 विभागों के अधिकारी और एनजीओ प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। विकासखण्ड स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में विकासखण्ड रिस्पांसिव गवर्नेंस ग्रुप और पंचायत स्तर पर पंचायत सचिव के समन्वय में एसडीएम द्वारा पंचायत रिस्पांसिव गवर्नेंस ग्रुप का गठन किया जायेगा। सतना जिले के 286 धरती आबा अभियान चिन्हिंत गांवों में यह अभियान चलाया जायेगा।

लीड कालेज में हुआ ध्वजारोहण

सतना। प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद पद्मधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कालेज प्राचार्य डॉ. सुरेश चंद्र राय द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन को स्वदेश का दिन बताया और कहा कि सभी शिक्षक के रूप में राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें। इस दौरान जनभागीदारी अध्यक्ष विजय यादव, सदस्य शिखा तिवारी, पूर्व प्राचार्य डॉ. शिवेश प्रताप सिंह, डॉ. आरएस गुप्ता सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे ।

बिरसिंहपुर नगर में हर्षोल्लास मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

जागरण, बिरसिंहपुर। आजादी की 79 वी वर्षगांठ पर ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई क्षेत्र के शासकीय अशासकीय कार्यालयो एवं विद्यालयों में आजादी के जश्न पर देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही जनप्रतिनिधियों ने सभी छेत्र वासियों को शुभकामनाएं दीं तहसील कार्यालय बिरसिंहपुर में तहसीलदार शैलेंद्र बिहारी शर्मा ध्वजारोहण कर लोगों को स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया इस दौरान कार्यालय में समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। सभापुर थाना में थाना प्रभारी शंखधर द्विवेदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया इस दौरान उप निरीक्षक अशोक गर्ग समेत अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे। नगर परिषद में अध्यक्ष श्रीमति राजकुमारी प्रजापति ने ध्वजारोहण किया उपयंत्री सिद्धार्थ खरे ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया इस दौरान एड रमेश सेनएपार्षद गण व अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। सेवा सहकारी समिति कार्यालय में समिति प्रबंधक राजा भईया तिवारी ने ध्वजारोहण कर नगर वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं इस दौरान शाखा में पदस्थ समस्त कर्मचारियों का उपस्थित रहे ।हायर सेकंड्री विद्यालयत्र्रनगर के सी यम राइज विद्यालय में प्राचार्य शिवचरण त्रिपाठी द्वारा ध्वजारोहण किया गया साथ ही विद्यालय के छात्र.छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया कार्यक्रम का संचालन बृजेश पयासी द्वारा किया गया कार्यक्रम के दौरान कृषि संकाय में विद्यालय का 100 प्रतिशत रिजल्ट आने पर कृषि संकाय के छात्र छात्राओं व अध्यापक गणों सुशील त्रिपाठी श्रीमती रीता शुक्ला, सौरभ शुक्लाए गोपाल पांडे को प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया।

कैरियर गाईड वर्ल्ड हायर सेकंडरी स्कूल : आर्मी रिटायर्ड संदीप पाण्डेय के द्वारा ध्वजारोहण किया गया इस दौरान विद्यालय के संचालक रामायण प्रसाद पाण्डेय एवं प्राचार्य राज पाण्डेय के साथ समस्त शिक्षक व नगर के गणमान्य नागरिक भी रहे उपस्थित रहे हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय में मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शानदार देश भक्ति के संगीत व नृत्य का आयोजन भी किया गया।

सीधी जागरण
दैनिक जागरण रीवा 19 अगस्त 2025 www.dainikjagranmpcg.com
11 राज्य 31 संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सूर्य उदय - अस्त
06.35 अस्त : आज
05.37 उदय : कल

शहर का तापमान
34.0 ⁰ अधिकत
25.0 ⁰ न्यूनतम

खाद की किल्लत को लेकर सड़क पर उतरे किसान

जागरण आक्रोश

अमिलिया किसानों का हंगामा रुकवाने पुलिस ने की कड़ी मशक्कत

गोदाम के बाहर किसानों की सुबह से लग रही हैं कतारें

जागरण, सीधी

खरीफ सीजन में धान की बोनी का काम पूरा होने के बाद अब हर तरफ यूरिया खाद की मांग तेजी से बढ़ चुकी है। हालात यह है कि जितनी मात्रा में यूरिया खाद की आपूर्ति सीधी जिले में हो रही है उससे हजार गुना ज्यादा किसानों की मांग बनी हुई है। लिहाजा जहां भी गोदामों में खाद का वितरण हो रहा है वहां किसानों की उमड़ रही भीड़ का आक्रोश भी फूट रहा है। ऐसी ही स्थिति आज सिहावल तहसील के अमिलिया बाजार में देखने को मिली। यहां कई दिनों से खाद लेने के लिए मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित अमिलिया के गोदाम के बाहर किसानों की भीड़ सुबह से उमड़ रही है। लंबी-लंबी कतारों में पुरुषों के साथ महिलाएं भी लग रही हैं। स्थिति यह है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गोदाम की ओर से किसानों को टोकन बांटे गए हैं। उन्हें कहा गया है कि अपनी बारी आने पर खाद लेने के लिए गोदाम आएं। फिर भी किसान रोजाना टोकन लेकर इस आस में आ रहे हैं कि संभवतः आज उनका नंबर लग जाए। घंटो मशक्कत के बाद भी नंबर न लगने पर किसान अगले दिन फिर से आते हैं। आज सुबह किसानों का आक्रोश फूट पड़ा और अमिलिया बाजार की मुख्य सड़क पर उतरकर हंगामा शुरू कर दिया। गनीमत यह रही कि नजदीक में ही थाना होने के कारण पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंच गया। टीआई को स्वयं कड़ी मशक्कत के पश्चात भीड़ को मुख्य सड़क से हटाने में कामयाबी मिली। अमिलिया गोदाम के बाहर सैकड़ों की संख्या में जमा किसानों का कहना था कि यूरिया खाद की भारी किल्लत बनी हुई है। दूर-दूर से किसान यहां अपना समूचा काम छोंड़कर आ रहे हैं। लेकिन यूरिया खाद नहीं दी जा रही है। काफी मशक्कत के बाद भी किसानों का नंबर आने पर केवल एक बोरी यूरिया ही दी जाती है। ऐसे में किसान अपनी फसलों को समय पर खाद कैसे दे पाएंगे। बाजार में जहां पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध है लेकिन वहां कीमत ज्यादा होने के कारण किसान सरकारी गोदाम में ही खाद लेने के लिए भटक रहे हैं। किसानों का कहना था कि खाद की भारी किल्लत को लेकर न तो कोई जन प्रतिनिधि मदद के लिए आगे आ रहा है और न ही सिहावल खंड के कोई अधिकारी किसानों की समस्या को दूर कराने के लिए पहल करने की जरूरत समझ रहे हैं। ऐसे में किसान खाद पाने के लिए एक पखवाड़े के ज्यादा समय से लंबी लाइन में लगने के बाद भी खाली हांथ घर लौट रहे हैं।

" मैं 5 तारीख से खाद लेने के लिए अमिलिया गोदाम आ रहा हूं। प्रति दिन लाइन पर लगता हूं। अभी तक खाद नहीं मिली है। मुझे टोकन नंबर 446 दिया गया है। कब खाद मिलेगी निश्चित नहीं है।

वृहस्पति गुप्ता, जमुई

" मैं कई दिनों से खाद लेने के लिए अमिलिया गोदाम आ रहा हूं। टोकन क्रमांक 382 दिया गया है। प्रतिदिन यह कहा जाता है आज खाद खत्म हो गई है। अगले दिन आएगी। यदि खाद आती भी है तो मिलती नहीं है।

रामलखन शुक्ला, कोरौली

" गोदाम में जितनी मात्रा में यूरिया-खाद की आपूर्ति हो रही है लगातार वितरण किया जा रहा है। यूरिया की जितनी सप्लाई है उससे कई गुना ज्यादा किसान पहुंच रहे हैं। इस वजह से टोकन का वितरण किया गया है। टोकन नंबर के आधार पर किसानों को खाद का वितरण प्रति दिन किया जा रहा है।

सुचिता पाण्डेय, गोदाम प्रभारी एवं कृषि विस्तार अधिकारी अमिलिया

" कई दिनों से खाद लेने के लिए गोदाम आ रहा हूं। गोदाम में लंबी लाइन में खड़ा होता हूं। फिर भी नहीं मिल रही है। मेरा टोकन क्रमांक 1038 है। यहां दुकान के बाहर न छांव की व्यवस्था है न पानी की।

विनोद पटेल, बल्हया

महिला ने सोन नदी पुल से लगाई छलांग

महिला के छलांग लगाने का वीडियो वायरल

जागरण, सीधी

जिले के बहरी-अमिलिया मार्ग में निर्माणाधीन सोन नदी के जोगदहा पुल से आज एक महिला के छलांग लगाने का वीडियो सोशल मीडिया में तेज से वायरल हुआ। दरअसल महिला पुल के ऊपर अकेले ही खड़े होकर छलांग लगाने की तैयारी में जुटी थी। कुछ लोगों की निगाहें नीचे से पड़ी और उनके द्वारा आवाज लगाकर उसको रोकने का प्रयास भी किया गया। किन्तु महिला ने पुल के ऊपर से छलांग लगा दी। जिस स्थान पर महिला गिरी वहां सोन नदी में पानी काफी कम था जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गई। लोगों की सूचना पर डायल 100 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को पानी से बाहर निकलवाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अमिलिया पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के पश्चात महिला की हालत को देखते हुये उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

" महिला के सोन नदी नई पुल से छलांग लगाने की सूचना मिलने पर डायल 100 पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को नदी से बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार के लिये अमिलिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। महिला की पहचान पुष्पा सिंह गोंड पति गंगा सिंह गोंड उम्र 35 वर्ष निवासी हनुमना जिला मऊगंज के रूप में हुई है।

राकेश बैस, थाना प्रभारी अमिलिया

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित

जागरण, मोहनिया। त्रिलोक पति श्रीकृष्ण भगवान के जन्मोत्सव एवं विशाल भंडारे को ग्रामीण जनों ने सामूहिक रूप से ग्राम देव स्थल न्योराक्ष बाबा श्रीराम दरवार मोहनिया में मनाने का निर्णय लिया। सभी ग्रामीण जन समुदाय बड़े हर्ष उल्लास के साथ एवं श्री रामचरित्र मानस एवं ब्रज विलाश ग्रंथ का सहारा लेकर गायन वादन एवं श्रीकृष्ण रूप नृत्य की प्रस्तुतियों को संजोकर क्रमशः लोक गायन के साथ कार्यक्रम का श्री गणेश किये। इस भव्य कार्यक्रम को ग्राम पंचायत मोहनिया के वरिष्ठ गणमान्य जनों की एकरूपता का परिचय माना गया। मंदिर प्रांगण के पुजारी विसर्जन पटेल, राजकुमार पटेल द्वारा पूरे कार्यक्रम को सजाने में अहम भूमिका अदा की। भजन मंडली में रावेन्द्र तिवारी, ज्ञान प्रकाश, जयप्रकाश, संभू प्रसाद, वैजनाथ प्रसाद, सजन सिंह ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मोहनिया के प्रांगण में मटकी फोड़ प्रतियोगिता कार्यक्रम भी आयोजन हुआ, जिसमे ग्रामीण 12 से लेकर 70 वर्ष तक की उम्र के प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इस प्रतियोगिता में श्रीमती अंजू पटेल प्रथम स्थान और कृष्णा रावत द्वितीय स्थान पर अपना आत्म विश्वास जगाया। मटकी फोड़ कार्यक्रम के आयोजक दिवाकर कारपेंटर एवं अजय कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता को भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीला को स्वीकार करते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मटकी फोड़ कार्यक्रम में कुल 24 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। काफी संख्या में ग्रामीण जन समुदाय सरीक हुए। मोहनिया पुलिस चौकी से नवीन कुमार एवं स्टॉफ के साथ ग्राम पंचायत मोहनिया के सरपंच जयकारण रावत द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। मार्गदर्शक के रूप में ग्राम के वरिष्ठ उमेश मिश्र का सानिध्य युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत रहे। उक्त दोनों कार्यक्रम में रोजगार सहायक नरेन्द्र कुमार, मुनेंद्र प्रसाद, विश्वनाथ प्रताप सिंह, विकास पटेल, कार्यक्रम समन्वयक के रूप में अरविन्द कुमार का विशेष योगदान रहा।

सियार को बचाने का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन

जागरण, सीधी। वन परिक्षेत्र सीधी कार्यालय अंतर्गत गांधीग्राम में रात में तार की फेंसिंग में फंसे एक सियार का वन विभाग के रेस्क्यू टीम प्रभारी पंकज मिश्रा द्वारा सफल रेस्क्यू आपरेशन करते हुए उसे आजाद किया गया। गांधीग्राम में खेत में लगाए गए तार की फेसिंग में शनिवार की रात फंसने से सियार लगभग 6 घंटे तक परेशान रहा और जोर-जोर से चिल्लाता रहा। सुबह होते ही ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीण तेजबली सिंह ने बताया कि सियार रात से ही तार में फंसा हुआ था। वह अपने पास किसी को नहीं आने दे रहा था। लंबे समय तक फंसे रहने के कारण वह आक्रामक हो गया था। वनपाल पंकज मिश्रा के नेतृत्व में वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। सियार बचाव में इस्तेमाल किए जा रहे औजारों पर हमला कर रहा था। वन विभाग की टीम और ग्रामीणों ने मिलकर सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। उधर रेस्क्यू टीम प्रभारी वनपाल पंकज मिश्रा ने बताया कि सियार को सुरक्षित निकालकर जंगल में छोड़ दिया गया। ग्रामीणों का कहना था कि वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से सियार की जान बच गई। जंगली जीव जंतु को बचाने का कार्य निरंतर सीधी जिले में रेस्क्यू टीम प्रभारी पंकज मिश्रा द्वारा किया जा रहा है। वन विभाग की रेस्क्यू टीम द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए जंगली जीव जंतुओं को बचाया जाता है और सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाता है।

ज्ञान शिक्षा एकेडमी में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

जागरण, सेमरिया। ज्ञान शिक्षा एकेडमी स्कूल सेमरिया में बच्चों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोह किया गया। छात्राओं द्वारा नृत्य, कला, नाटक और संगीत के माध्यम से मंच में पधारे हुए सभी अतिथियों का मनमोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेमरिया सरपंच सुरेश प्रसाद पाण्डेय के द्वारा बच्चों को मीठा खाने के लिए 5 किलो मिठाई एवं 1000 रुपए नगद पुरस्कार दिया गया। विशिष्ट अतिथि झगरहा क्षेत्र की सरपंच निशा संजय पाण्डेय के द्वारा बच्चों की नृत्यकला देख कर काफी ज्यादा खुश दिखी एवं बच्चों को मिठाई खाने के लिए 1000 रुपए की नगद राशि विद्यालय के प्रधानाध्यापक को दी। इस दौरान मुख्य रूप से संजीव तिवारी, भूमनेश्वर प्रसाद शुक्ला, राजेंद्र पाण्डेय, राजकुमार तिवारी भमरहा, रमेश सोनी बड़ोखर, आनंद केवट झोकरवार, पवन रजक देवछा, हिरेश नामदेव, श्रवण मिश्रा कुवरी, पत्रकार उपेन्द्र मिश्रा, दया सिंह, संजय पाण्डेय एवं प्रिंस उपस्थित रहे। विद्यालय के शिक्षक प्रीतम द्विवेदी, विपिन तिवारी, शिक्षिका प्रीती तिवारी, आरती गुप्ता, अनीता केवट, कोमल द्विवेदी, प्राची द्विवेदी एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिवेंद्र गिरी गोस्वामी उपस्थित रहे। विद्यालय के संचालक ज्ञानेन्द्र गोस्वामी मंच का संचालन करते हुए आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत बंधन अभिनंदन कर अंत में कार्यक्रम को समापन करते हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

सांई ज्योति पनवार में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

जागरण, सीधी। साईं ज्योति पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल पनवार सीधी में 79 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े धूम धाम से मनाया गया। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण कर दीप प्रज्वलित के साथ वीर सपूतों को याद करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंद्रशरण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश द्विवेदी सरपंच, विशिष्ट अतिथि रामलाल शास्त्री, संजय सोनी, भाजप नेता एमडी नरेंद्र सिंह, डायरेक्टर ममता सिंह, प्रिंसिपल बृजेश तिवारी, एचएम राज कुमार पटेल, सचिव सुधांशु सिंह, मैनेजर प्रकाश सिंह समस्त स्टाफ सहित सैकड़ों की संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। स्कूल के छात्रों द्वारा स्वागत गीत, बैच एवं ट्रिकलर पट्टा से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। छात्रों ने अपने रंगारंग कार्यक्रम से सब का मन मोह लिया। स्टेज का बेहतरीन संचालन छात्र शिवम त्रिपाठी, सुहाना सिंह, अनामिका सिंह, नमी सिंह, रिया शुक्ला एवं नैतिक द्विवेदी ने किया।

संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय को विश्वविद्यालय में अपग्रेड किया जाये: अजय

सीधी-सिंगरौली के कालेजों को इससे संबद्ध किया जाए

जागरण, सीधी

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने सीधी के संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर कहा है कि सिंगरौली व सीधी जिलों के कॉलेजों को इससे संबद्ध किया जाए। सिंह ने कहा कि यहां के छात्रों को परीक्षा या अन्य प्रशासनिक कार्यों हेतु रीवा तक की लंबी यात्रा करनी पड़ती है, जो प्रायः 150 किलोमीटर से अधिक होती है। इसमें 5-6 घंटे तक का समय लग जाता है। इससे उन्हें निरंतर असुविधा और आर्थिक भार झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि 1968 में एपीएस विश्वविद्यालय की स्थापना के समय इसके अधीन रीवा, सीधी, सतना, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, पन्ना, छतरपुर एवं टीकमगढ़ जिलों के कॉलेज संबद्ध थे। कालांतर में प्रशासनिक सुविधा के लिए पन्ना, छतरपुर और टीकमगढ़ के कॉलेजों को सागर विश्वविद्यालय से संबद्ध किया गया था। हाल ही में पंडित शंभूनाथ शुक्ल शासकीय महाविद्यालय, शहडोल को विश्वविद्यालय में अपग्रेड कर शहडोल, उमरिया और अनूपपुर के कॉलेजों को उससे संबद्ध किया गया। इसका स्पष्ट उद्देश्य था कि छात्रों को अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याओं के समाधान के लिए दूर न जाना पड़े। हाल के वर्षों में प्रदेश में पांच नए शासकीय पीजी महाविद्यालयों को विश्वविद्यालयों में रूपांतरित किया गया है। इनमें सागर में रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय, खरगोन में क्रांतिकारी भील जननायक टंट्या भील विश्वविद्यालय, गुना में तात्या टोपे विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा में राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय और शहडोल में पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शामिल हैं। सीधी और सिंगरौली के छात्र, समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं कि संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी को विश्वविद्यालय का दर्जा देकर इन दोनों जिलों के लगभग 50 महाविद्यालयों को इससे संबद्ध किया जाए। इससे आदिवासी बहुल इन क्षेत्रों के छात्रों को उच्च शिक्षा में नवाचार, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यों की सुविधा अपने निकट ही मिल सकेगी और उन्हें छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बार-बार रीवा नहीं जाना पड़ेगा। यदि सीधी में शासकीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जाती है, तो इससे उच्च शिक्षा की पहुंच इन क्षेत्रों के छात्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचेगी और राज्य का ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो जीईआर भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा। अजय सिंह ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि छात्रहित एवं लोकहित को ध्यान में रखकर सीधी में संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया जाए तथा सीधी और सिंगरौली जिलों के 50 से अधिक कॉलेजों को इससे संबद्ध किया जाए। यह कदम न केवल इन क्षेत्रों के छात्रों को सुविधा और समान अवसर प्रदान करेगा, बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली को भी अधिक सुदृढ़, विकेन्द्रीकृत और समावेशी बनाएगा।

अनुपम मिश्रा का एमबीबीएस में हुआ प्रवेश

जागरण, सीधी। अनुपम मिश्रा का एमबीबीएस के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज सतना में चयन हुआ है नीट के रिजल्ट के परिणामस्वरूप, काउंसलिंग की प्रक्रिया के पश्चात कॉलेज वितरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सतना में प्रवेश हुआ है। अनुपम के दादाजी शिवबहोर मिश्रा रिटायर्ड प्रधानाध्यापक हैं और पिताजी शरद मिश्रा अपने अनुज डॉ. शिशिर मिश्रा की क्लीनिक के साथ मेडिकल स्टोर के संचालक हैं। अनुपम ने कहा यह भगवान की कृपा, पूर्वजों का आशीर्वाद और शिक्षकों के मार्गदर्शन से हुआ है। साथ ही दीदी अनुराधा जो एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा है। इसका विशेष मार्गदर्शन बहुत काम आया। अनुपम की इस सफलता पर सभी शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं एवं बधाइयां प्रेषित की है।

जेपी निगरी में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्कूल के छात्रों द्वारा किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

जागरण, सीधी

जेपी समूह के निगरी स्थित सुपर थर्मल पावर प्लान्ट परिसर में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देश भक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जेपी पावर प्लान्ट निगरी स्थित जय ज्योति स्कूल एवं सरदार पटेल स्कूल के विद्यार्थी, कर्मचारी, अधिकारी एवं कालोनी रहवासी, परिवार जन एवं निकटवर्ती ग्रामीण जन उपस्थित रहे। दोनों स्कूल के बच्चों द्वारा आकर्षक बैंड का प्रदर्शन के साथ मार्चपास्ट किया गया, जिसमें सुरक्षा एवं फायर कर्मियों ने भी अनुशासन और कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त दोनों स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियों से भारत की एकता, विविधता और देशभक्ति का सुन्दर संदेश दिया। मुख्य समारोह का आयोजन पोडियम मैदान में किया गया, इसके मुख्य अतिथि डीके सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संचालन एवं परिरक्षण द्वारा ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर श्री यतीन्द्र खरे जी, उपाध्यक्ष मा.सं. एवं समन्वय, नवीन तिनगुरिया, उपाध्यक्ष ई. एण्ड आई., बिनय कुमार झा, उपाध्यक्ष एस. एण्ड पी. एवं एके सिंह, उपाध्यक्ष संचालन एवं परिरक्षण उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि का संबोधन, वृक्षारोपण एवं स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। गोपद नदी स्थित कम्पनी के बैराज पर ध्वजारोहण के साथ विशेष प्रकाश सज्जा की गई, जिससे संपूर्ण क्षेत्र देश भक्ति के उल्लास में रंग उठा।

संविदा नीति लागू करने संविदा कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

जागरण, सीधी। मध्य प्रदेश में संविदा कर्मचारी की विभिन्न मांगों को लेकर आज दिनांक 18 अगस्त 2025 को संविदा संयुक्त संघर्ष संयुक्त मंच मप्र जिला इकाई सीधी द्वारा 2023 की संविदा नीति का क्रियान्वयन करने सहित अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय में अपना ज्ञापन सौंपा गया। विदित हो के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर मध्य प्रदेश में सभी जिलों के सभी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों द्वारा अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें प्रमुख रूप से 23 जुलाई 2023 को घोषित संविदा नीति का क्रियान्वयन करने, नियमित कर्मचारियों की तरह महंगाई भत्ता एवं अर्जित अवकाश व मेडिकल अवकाश का प्रावधान, सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत पदों पर संविदा कर्मचारी को आरक्षण व अनुभव का लाभ देते हुए वरीयता के आधार पर लाभ अथवा न्यूनतम कट ऑफ मार्क 33 प्रतिशत निर्धारित करनेए कम से कम 20 लख रुपए का सामूहिक बीमा एकंडिका 9.8.6.2 एवं 11.5 विलोपित करने शासकीय आवास के आवंटन की सुविधा सहित कई मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। जिला इकाई के प्रमुख रूप से दिनेश गौतम अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, राजेश शुक्ला स्टेनो कलेक्टर, मनीष कुमार सिंह, जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस सोसायटी, चंद्रकांत सिंह प्रबंधक कुँवर बहादुर सिंह आजाद विकासखंड समन्वयक, अनिल सिंह चौहान विकासखंड समन्वयक, ब्रह्मानंद पाण्डेय प्रभारी आवास योजना, रविंद्र दुबे विकासखंड समन्वयक, अनुराग शुक्ला विकासखंड समन्वय सहित विभिन्न विभागों के दर्जन भर अधिकारी एवं कर्मचरियो ने उपस्थिति होकर मुख्यमंत्री मप्र शासन के नाम ज्ञापन सौंपा।

छात्रावास मधुरी में जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

जागरण, सीधी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा दिनांक 14 अगस्त को विकलांग बालकों के लिए स्थान सीडब्लूएसएन बालक छात्रावास मधुरी जिला सीधी विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का सफल आयोजन किया गया तथा छात्रावास का निरीक्षण भी किया गया। शिविर का उद्देश्य नालसा बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवा योजना 2015 अंतर्गत बच्चों को देख-भाल एवं संरक्षण सुनिश्चित करना था।

गेरुआ में बिना मनरेगा कन्वर्जेंस के बनाई जा रही पीसीसी सड़क

बिना मापदंड के मनमानी तौर पर बन रही सड़क

सड़क निर्माण को देखने नहीं आए उपयंत्री

जागरण, सीधी

जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत क्षेत्र गेरुआ में सभी मापदंडों की अनदेखी करते हुए लाखों की लागत से पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना मनरेगा कन्वर्जेंस के पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। यह पीसीसी सड़क शिवप्रताप सिंह के घर से पुष्पराज सिंह के घर तक बनाई जा रही है। सरपंच इमरान खान बमुरी एवं सचिव दीपक सिंह द्वारा सभी निर्धारित मापदंडों की अनदेखी करते हुए सड़क का निर्माण भी काफी गुणवत्ताविहीन करा रहे हैं। स्वीकृत स्टीमेट के अनुसार सड़क की ऊंचाई 8 इंच होनी चाहिए लेकिन यहां 5 इंच सड़क ही बनाई जा रही है। सड़क की ऊंचाई कम करने के पीछे सरपंच एवं सचिव की मंशा है कि लगने वाली निर्माण सामग्री की लागत को आधा किया जाए। फर्जी बिल बाउचर लगाकर निर्माण सामग्री की पूरी मात्रा प्रदर्शित की जाएगी लेकिन मौके पर आधी सामग्री ही लगाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना था कि निर्माणाधीन सड़क को देखने के लिए जनपद पंचायत सिहावल के उपयंत्री कभी नहीं आते। इसी वजह से सरपंच-सचिव द्वारा पूरी तरह से मनमानी तौर पर सड़क का निर्माण कार्य आनन-फानन में कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत गेरुआ में बनाई जा रही पीसीसी सड़क में श्रमिकों की संख्या नाममात्र के लिए है। फिर भी ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों की संख्या मस्टर रोल में दिखाई जा रही है। वहीं लेबर भुगतान ग्राम पंचायत गेरुआ का न होकर बमुरी पंचायत से किया जा रहा है। लाखों की लागत से निर्माणाधीन पीसीसी सड़क में सबकुछ मनमानी चल रहा है। ऐसा आभाष होता है कि ग्राम पंचायत बमुरी के सरपंच एवं सचिव को पूरी मनमानी करने की छूट जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा दे दी गई है। इसी वजह से उनके द्वारा सड़क निर्माण में न तो गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है और न ही सड़क का निर्माण निर्धारित मापदंड के अनुसार किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना था कि ऐसा आभाष होता है कि ग्राम पंचायतों को निर्माण कार्य के लिए बजट तो आबंटित कर दिया जाता है लेकिन मौके पर क्या काम हो रहा है और उसकी क्वालिटी क्या है इसको देखने की जरूरत नहीं समझी जाती। इसी वजह से निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ ही जर्जर होने लगते हैं।

बनने के साथ ही जर्जर हो रहे निर्माण कार्य

ग्राम पंचायत क्षेत्र गेरुआ को बजट आवंटन करने में विभागीय अधिकारी काफी मेहरबान हैं। इसी वजह से निर्माण कार्यों के लिए जहां काफी स्वीकृति प्रदान की जा रही है वहीं लाखों के बजट का आवंटन भी किया जा रहा है। जनपद पंचायत के उपयंत्री की स्थिति यह है कि उनके द्वारा भारी-भरकम कमीशन बांध करके निर्माण कार्य कराने की जिम्मेदारी सरपंच-सचिव के ऊपर डाल दी जाती है। उनके द्वारा मौके पर जाकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता तक जांचने की जरूरत नहीं समझी जाती। लिहाजा सरपंच-सचिव द्वारा मिलने वाले बजट के खर्च को दर्शाने के लिए बिल बाउचर तो पूरी तत्परता के साथ तैयार करते हैं और राशि भी आहरण करते हैं लेकिन मौके पर आधा-अधूरा एवं गुणवत्ताविहीन कार्य ही कराते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी ग्राम पंचायत गेरुआ आकर यहां दो वर्ष में ही कराए गए निर्माण कार्यों का वजूद अपने आंखों से देख सकते हैं। अधिकांश कार्य मौके पर उखड़ चुके हैं। कुछ कार्य तो ऐसे हैं कि उनकी कोई उपयोगिता ही नहीं रह गई है। शासन का करोड़ों रुपया निर्माण कार्यों के नाम पर खर्च हो चुका है और उसका लाभ ग्राम पंचायत के रहवासियों को होने की बजाय सरपंच-सचिव, उपयंत्री समेत अन्य अधिकारियों को कमीशन के रूप में मिल रहा है। इसी वजह से शकायतों के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।

" मीटिंग में मैं अभी व्यस्त हूं। इस वजह से पीसीसी सड़क के संबंध में जानकारी नहीं दे सकता। यह अवश्य है कि यदि पीसीसी सड़क का काम देखना हो तो ग्राम पंचायत गेरुआ आ सकते हैं।

दीपक सिंह, सचिव ग्राम पंचायत गेरुआ

प्रतिभा सम्मान योजना प्रतियोगिता में कटनी के सक्षम कोष्टा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

जागरण, कटनी

कटनी शहर के बार्डस्ले इंग्लिश मीडियम स्कूल के कक्षा 10वीं के छात्र सक्षम कोष्टा ने प्रतिभा सम्मान योजना के तहत आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर कटनी जिले का नाम पूरे देश में रोशन किया है। सक्षम ने देशभर से चयनित 100 प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। सक्षम की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। उन्होंने भगवान कृष्ण और सुदामा की मित्रता पर एक सुंदर पेंटिंग बनाई थी, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रतियोगिता में देश के आठ राज्यों से छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था लेकिन सक्षम की कला ने उन्हें पहला स्थान दिलाया।

सोमवार को कटनी के जिला पंचायत कार्यालय में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल और जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत ने सक्षम को गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विधायक जायसवाल ने सक्षम को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी और अन्य बच्चों को भी उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता और गुरुजनों को देते हुए सक्षम ने बताया कि उनके माता पिता ने उन्हें पेंटिंग करने से कभी नहीं रोका, बल्कि हमेशा उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा जब मैंने पेंटिंग शुरू की तो मेरे माता पिता ने मुझे रोका नहीं, बल्कि मेरा साथ दिया। उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि पेंटिंग में कोई भविष्य नहीं है पढ़ाई पर ध्यान दो। शायद यही वजह है कि आज मुझे यह सफलता मिली है। सक्षम ने अपने गुरुजनों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने उन्हें इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

नगर निगम की एनिमल बर्थ कंट्रोल यूनिट प्रारंभ

4 आवारा श्वानों को भेजा गया एनिमल बर्थ कंट्रोल रूम

कटनी। नगर के विभिन्न क्षेत्रों से आवारा श्वानों की प्राप्त शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी और निगमायुक्त नीलेश दुबे द्वारा विगत 5 जून को अमकुही स्थित जल शोधन संयंत्र प्लांट के निमल बर्थ कंट्रोल सेंटर के परिसर का निरीक्षण कर शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करानें के निर्देश दिए थे। निगमायुक्त के निर्देशन में एनिमल बर्थ कंट्रोल रूम का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए सोमवार से आवारा श्वानों को डॉग केचर नेट के माध्यम से सुरक्षित पकड़ने हेतु माधव नगर के एडीएम लाइन एवं शांति नगर में अभियान चलाया गया। जिसके तहत अब तक 4 आवारा श्वानों को वाहन पिंजरा के माध्यम से एनिमल बर्थ कंट्रोल रूम में भेजा जा चुका है।

आवारा श्वानों की समस्या से मिलेगा छुटकारा-आयुक्त : आयुक्त नीलेश दुबे ने एनिमल बर्थ कंट्रोल रूम के संबंध में बताया कि इस कंट्रोल रूम में जनसंख्या नियंत्रण हेतु लाए जाने वाले श्वानों के अतिरिक्त आक्रमक किस्म के श्वानों को भी लाया जायेगा तथा उपचार पश्चात पुनः छोड़ दिया जायेगा। इससे आवारा श्वानों की समस्या के संबंध में काफी हद तक छुटकारा मिलेगा।

पालतू श्वानों को बांधकर रखने की अपील

स्वास्थ्य अधिकारी श्री सोनी ने नगर के श्वान पालकों को जानकारी देते हुए बताया कि नगर में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। अपने पालतू श्वानों को निर्धारित स्थल पर बांधकर रखने की अपील श्वान पलकों से की है।

दद्दाधाम में सेना के जवान के सूने मकान में चोरी

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र की झिंझरी पुलिस चौकी के अंतर्गत दद्दाधाम कालोनी में सेना के जवान के सूने मकान में देर रात अज्ञात चोरों ने धावा बोला और अंदर से 15 हजार रूपए नगद सहित सोने व चांदी के जेवर लेकर चंपत हो गए। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दद्दाधाम कालोनी निवासी दिनेश परते सेना में जवान है उसकी तैनाती फिरोजपुर पंजाब में हैं। दद्दाधाम के मकान में उसकी मां बस रहती थी। बताया जाता है कि बीते दिनों मां मकान में ताला लगाकर रिश्तेदारी में बालाघाट गई थी। इसी बात का फायदा बदमाशों ने उठाया और उनके सूने मकान में धावा बोलकर अंदर से नगदी व जेवर लेकर चंपत हो गए। मकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में नकाबपोश गिरोह के कुछ सदस्य देखे गए हैं। इस नकाबपोश गिरोह के द्वारा पहले विश्रामबाबा और रीठी में भी वारदात को अंजाम दिया जा चुका है। हमेशा की तरह वारदात की सूचना पर पुलिस सक्रिय हुई लेकिन आरोपियों के संबंध में कोई ठोस सुराग नहीं लगे हैं।

हाई स्कूल सरवाही में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

ब्यौहारी। स्वतंत्रता दिवस पर हाई स्कूल सरवाही में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए ध्वजारोहण कृष्णनंदन बैगा जनपद सदस्य द्वारा किया गया इस अवसर पर कमलेश सिंह प्राचार्य, राम प्रकाश पटेल, अनंत देव सिंह गोवर्धन पटेल दीपक द्विवेदी, कमलेश सिंह नीलिमा सिंह, राधा यादव अंजली सिंह, संदीप सिंह, विद्यालय स्टाफ स्कूल की छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अनुविभाग सिरमौर जिला रीवा (म.प्र.)

श्रीनिवास तिवारी तनय स्व. श्री जगदीश प्रसाद तिवारी निवासी ग्राम बेलवा बड़गैयान तहसील सिरमौर जिला रीवा म.प्र. .....**अपीलार्थी**

बनाम

1. फणीन्द्र प्रसाद शुक्ला तनय शिवगणेश राम शुक्ला 2. आशुतोष शुक्ला तनय फणीन्द्र प्रसाद शुक्ला 3. चनद्रमौलि शुक्ला तनय फणीन्द्र प्रसाद शुक्ला 4. अंशुमान शुक्ला तनय फणीन्द्र प्रसाद शुक्ला सभी निवासी ग्राम बेलवा बड़गैयान तहसील सिरमौर जिला रीवा म.प्र. ..... **उत्तरवादीगण**

इस न्यायालय में अपीलार्थी श्रीनिवास तिवारी तनय स्व. श्री जगदीश प्रसाद तिवारी निवासी ग्राम बेलवा बड़गैयान तहसील सिरमौर जिला रीवा म.प्र. के द्वारा अपील विरुद्ध न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील सिरमौर जिला रीवा म.प्र. के रा.प्र.क्र. 0125/अ-27/21-22 आदेश दिनांक 11/05/2022 अपील अन्तर्गत धारा 44(1) म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 ई. के तहत प्रस्तुत किया गया है। अत: उत्तरवादी को सूचित किया जाता है कि मूल प्रकरण में पक्ष समर्थन हेतु दिनांक 28/08/2025 को समय 10:30 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पक्ष प्रस्तुत करें। नियत दिनांक को उपस्थित न होने की दशा में एक पक्षीय सुनवाई की जावेगी। आज दिनांक 28/07/2025 को इस न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

मोहर

अनुविभागीय अधिकारी
अनुभाग सिरमौर
जिला रीवा म.प्र.

RN-82598

राजस्थानी मारवाड़ी समाज ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

कटनी। भारत की आजादी के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत होकर श्री राजस्थानी मारवाड़ी समाज एवं राजस्थान नवयुवक मण्डल के द्वारा राजस्थान भवन मे ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ एवं राजस्थान नवयुवक मण्डल के पूर्व कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार खेमका के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तदुपरांत उन्होंने अपने सम्बोधन मे कहा की आज 79वां स्वतंत्रता दिवस है। हम दशकों के साहस, एकता और विकास को याद करते हैं। यह एक विशेष दिन है क्योंकि 1947 में भारत वर्षों के कठोर संघर्षों और बलिदानों के बाद ब्रिटिश शासन से मुक्त हुआ था। यह दिन हमे अपनी उस जिम्मेदारी को भी याद दिलाता है की हम सौहाद्र एवं एकता की भावना को मजबूत रखे। गोपाल सिंघानिया अध्यक्ष राजस्थान नवयुवक मण्डल एवं राजस्थानी मारवाड़ी समाज ने कहा की आज के इस दिवस मे समाज से आवाहन करते हैं की समाज को मजबूत बनाने, समाज मे व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने की पहल करना चाहिए।

ध्वजारोहण के इस अवसर पर राजस्थानी मारवाड़ी समाज के सदस्यों राम गोयनका, मंगतु राम बजाज, प्रियदर्शन गौर, सुरेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अनिरुद्ध बजाज, विनीत गुप्ता, अर्पित पोद्दार, प्रकाश भौमिया, रामगोपाल पंचारिया, जयप्रकाश उपाध्याय, गोविंद गोयनका, प्रमोद किर्तुका, प्रमोद सरावगी, वेंकटेश गौर, कमल सेकसरिया, अरविन्द रुंगटा, राजू खंडेलवाल, नीरज गोयल, नितिन पुरोहित, मनीष सेकसरिया, सोमित गोयनका, जितेंद्र सिंघानिया, जितेंद्र कनोडिया, अमित बजाज, अक्षय बजाज, संजय खेमका, आनंद खेमका, निखिल शर्मा, जीतेश अग्रवाल, रोहित शर्मा, अभिषेक अग्रवाल, अभिनंदन शर्मा, राघवेंद्र गोयनका, राघव अग्रवाल, मौजी लाल अग्रवाल आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत से दो की मौत

जागरण, सिंगरौली। जिले के सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत बकहुल और ओबरी जंगल के बीच तेज रफ्तार दो बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई है। जिसमें दो बाइक सवारों की मौत हो गई। यह घटना करीब 3:00 बजे की बताई जा रही है। तिन गुड़ी चौकी में जैसे ही इसकी सूचना दी गई वैसे ही चौकी प्रभारी अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। प्रथम मृतक लालसाय सिंह पिता धन साय सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी खनुआनया गांव का बताया जा रहा है। दूसरा मृतक सत्येंद्र कुमार का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई में मृत्यु हो गई है। जानकारी के अनुसार प्रथम मृतक की जमीन में टकराने से गर्दन टूट गई है जिससे उसका मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

नाम सुधार जन्मतिथि सुधार सूचना

मैं लीलावती सेन मेरा पुत्र सेना नंम्बर 14880330F रैंक NK रजनीश कुमार सेन सेना में सेवारत है, निवासी ग्राम गंगेव, पो. गंगेव, तहसील मनगवां, जिला रीवा (म.प्र.) 486111 का हूं। शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम LEELA WATI SEN और जन्मतिथि 01/01/1978 दर्ज हो गया है जो गलत है जबकि मेरा सही नाम LILA VATI SEN और सही जन्मतिथि 05/08/1975 है। अत: मेरे पुत्र के उक्त सर्विस रिकार्ड में मेरा सही नाम LILA VATI SEN और सही जन्मतिथि 05/08/1975 दर्ज किया जाए एवं पढ़ा, लिखा व जाना जाए।

RN-84228 लीलावती सेन

नाम सुधार सूचना

मैं प्रभुनाथ सेन मेरा पुत्र सेना नंम्बर 14880330F रैंक NK रजनीश कुमार सेन सेना में सेवारत है, निवासी ग्राम गंगेव, पो. गंगेव, तहसील मनगवां, जिला रीवा (म.प्र.) 486111 का हूं। शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम (पुत्र के पिता का नाम) प्रभुनाथ प्रसाद सेन दर्ज हो गया है जो गलत है जबकि मेरा सही नाम प्रभुनाथ सेन है। अत: मेरे पुत्र के उक्त सर्विस रिकार्ड के सभी अभिलेखों में मेरा नाम (पुत्र के पिता का नाम) प्रभुनाथ सेन दर्ज किया जाए एवं लिखा, पढ़ा व जाना जाए।

RN-84227 प्रभुनाथ सेन

आवारा मवेशियों को पकड़ने नगर निगम का अभियान जारी

कटनी। नगरीय क्षेत्र के सार्वजनिक मार्गों में आवारा घूमने वाले मवेशियों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मुहैया कराने के मद्देनजर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगमायुक्त नीलेश दुबे द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम की हांका टीम द्वारा सभी जोन क्षेत्रों में आवारा मवेशियों को पकड़ने का अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया है कि प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुपालन में रविवार रात्रि शहर के बस स्टैंड, कुठला क्षेत्र, पन्ना मोड़ शहडोल बायपास सहित विभिन्न क्षेत्रों में हाका टीम के कर्मचारियों द्वारा अभियान चलाया जाकर 10 नग आवारा मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस में भेजा है। अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकड़ने हांका टीम शहर में विभिन्न संसाधनों के साथ शहर के मार्केट क्षेत्र तथा अंदरूनी क्षेत्र की सड़कों सहित मुख्य मार्गों में घूमने वाले आवारा मवेशी को पकड़ने का कार्य कर काऊ केचर वाहन में मवेशियों को डालकर सीधे कांजी हाउस में छोड़ने का कार्य कर रही है।

रसायन शास्त्र विभाग में लघु शोध पर साक्षात्कार और प्रेजेंटेशन हुआ संपन्न

जागरण, ब्यौहारी। शासकीय महाविद्यालय व्यवहारी में दिनांक 7/8/25 दिन गुरुवार को बीएससी चतुर्थ वर्ष रसायन शास्त्र विषय पर लघु शोध साक्षात्कार एवं प्रेजेंटेशन कराया गया राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिपेक्ष में बीएससी चतुर्थ वर्ष के परिपेक्ष में लघु शोध को शामिल किया गया है डॉक्टर अर्चना गौतम एवं डॉक्टर संजय गुप्ता द्वारा छात्र-छात्राओं को विभिन्न ऐसे विषयों में शोध रिपोर्ट तैयार किया गया जो आज के समय के सबसे ज्यादा ह्यष्श्न- ह्यऔर एडवांस्ड विषय हैं जैसे माइक्रो प्लास्टिक पॉल्यूशन इन वॉटर बॉडीज ,नैनो मैटेरियल्स फॉर एनवायरमेंटल एप्लीकेशन, कंप्यूटेशनल ड्रग्स ,ग्रीन केमेस्ट्री एंड देयर एस्पेक्ट्स आदि. बाहय परीक्षक के रूप में डॉक्टर धर्मेंद्र द्विवेदी रसायन शास्त्र के प्रोफेसर एवं शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर के प्राचार्य द्वारा छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया गया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रमाकांत तिवारी जी ने बहुत प्रसन्नता व्यक्त की और कहां की बच्चों में शोध कार्य की नींव रखी गई है महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं आगे बहुत अच्छा कार्य कर सकेंगे डॉक्टर धर्मेंद्र द्विवेदी सर ने बच्चों को सराहा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ह्व) के बढ़ते उपयोग एवं शोध हेतु मार्गदर्शन दिया .डॉ अर्चना गौतम एवं डॉ संजय गुप्ता को बहुत-बहुत बधाइयां .इस कार्यक्रम में डॉक्टर राजेश त्रिपाठी ,डॉक्टर संजय सिंह ,डॉक्टर सुनील सिंह डॉक्टर जागृति कटरा ,डॉ मनीष त्रिपाठी, वंश बहादुर सिंह, नवल किशोर शर्मा ,शुभकांत बहरोलिया एवं समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे और छात्राओं को सराहा एवं प्रोत्साहित किया।

म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम मर्यादित

पर्यटन भवन, भदभदा रोड, भोपाल-462003
फोन नं. : +91-755-4027100, 2774340/42, www.mpstdc.com
क्रमांक 310/यांत्रिकी/पविनि/25 दिनांक : 18.08.2025

निविदा सूचना 143/ 2025_STDC_445238_1

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम भोपाल द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा प्रपत्र APPENDIX 2.10 पर म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है।
कार्य का नाम- क्योटीफॉल रीवा में जनसुविधा, गार्ड रूम एवं अन्य इंफ्रास्ट्रेक्चर के विकास कार्य। (कार्यपूर्णता का समय 06 माह)। कार्य की अनुमानित लागत राशि रु. 99.98 लाख
वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 02.09.2025 समय सायं 05:00 बजे तक** निर्धारित है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

म.प्र. माध्यम/121613/2025 **कार्यपालन यंत्री**

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 794/ई-टेंडर/राजस्व/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 14.08.2025

//निविदा सूचना//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्रांतर्गत स्थित रानी तालाब के संरक्षण एवं प्रबंधन का कार्य 35 माह के लिए ठेके पर किए जाने बावत् ऑन लाईन निविदायें लम्प-सम दर पर आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी ईच्छुक व्यक्ति/निविदाकार/फर्म ऑन लाईन ई-टेण्डरिंग पोर्टल www.mptenders.gov.in में निर्धारित पोर्टल शुल्क, निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं अमानत राशि ऑनलाईन जमा कर निविदा में भाग ले सकता है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_422469_3 14.08.2025 [THIRD CALL] 611/ 09.05.2025	नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्रांतर्गत स्थित रानी तालाब के संरक्षण एवं प्रबंधन का कार्य 35 माह के लिये ठेके पर किए जाने बावत्।	35 माह ₹4523000/-	₹5000/- ₹452300/-	29.08.2025 18:00 बजे तक

नोट: निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

सहायक आयुक्त वित्त
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

महिलाओं का अदम्य साहस: ग्राम जगमल में अवैध शराब के खिलाफ हल्ला बोल

सुशमा साकेत के नेतृत्व में घेराबंदी, पुलिस ने जब्त की शराब, महिलाओं पर हमला, दो प्रकरण दर्ज

देवलौद। थाना देवलौद क्षेत्र के ग्राम जगमल में सोमवार की सुबह इतिहास बन गई। वर्षों से अवैध शराब और नशे के कारोबार से जूझ रही महिलाओं ने आखिरकार हिम्मत दिखाई और सीधे शराब माफियाओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सुशमा साकेत के नेतृत्व में दर्जनों महिलाएं घरों से बाहर निकलीं और सरपंच रामनारायण कोल की मौजूदगी में राजीव साकेत के घर की घेराबंदी कर दी। ग्राम जगमल आदिवासी और हरिजन बहुल गांव है। यहां के हालात लंबे समय से बिगड़े हुए थे। पुरुष वर्ग शराब और गांजे की लत में इस कदर डूब गया था कि घर का पैसा, अनाज और सामान तक बेच डालते थे। महिलाओं का कहना है कि रात-रात भर शराबी पुरुष हंगामा करते हैं, बच्चों को पढ़ाई-लिखाई का माहौल नहीं मिलता और घर का सुख-चैन पूरी तरह खत्म हो गया है। कई महिलाएं रोजाना पति की मारपीट और गाली-गलौज सहते-सहते थक चुकी थीं। इन्हीं हालातों से तंग आकर सुशमा साकेत ने गांव की महिलाओं को संगठित किया। पिछले दो वर्षों से वे महिलाओं की बैठकों में नशा मुक्ति का मुद्दा उठाती रहीं। धीरे-धीरे यह आवाज एक आंदोलन में बदल गई। और 18 अगस्त 2025 को इस आंदोलन ने निर्णायक रूप ले लिया। सुबह करीब 9 बजे खबर मिली कि राजीव साकेत के घर अवैध शराब की खेप पहुंची है। सुशमा साकेत ने तीन दर्जन महिलाओं को साथ लिया और सरपंच रामनारायण कोल के नेतृत्व में घर की घेराबंदी कर दी। तुरंत 100 डायल पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी की टीम मौके पर पहुंची। तलाशी में 42 सीसी देशी शराब (कीमत 3360 रुपये) और 08 सीसी अंग्रेजी शराब (कीमत 1600 रुपये), कुल 4960 रुपये की शराब जब्त हुई। पुलिस की कार्रवाई के दौरान अचानक हालात बिगड़ गए। आरोपी राजीव साकेत और उसकी पत्नी ने पीछे से आकर महिलाओं पर डंडों से हमला कर दिया। महिलाएं कुछ पल के लिए घबराईं लेकिन फिर और भी मजबूती से डटी रहीं। सुशमा साकेत ने कहा हम डरने वाले नहीं हैं, अपने बच्चों और परिवार की खातिर आखिरी दम तक लड़ेंगे।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

जमीन बेचना है

पद्मधर कॉलोनी के पीछे नदी से लगा व 11,500 वर्गफिट फार्म हाउस मात्र 1200 रूपये वर्गफिट बेचना है। सम्पर्क करें। पंकज सिंह मो. 9753664665 आरएन-जीएमसर(23/8)

आवश्यकता है

- कर्मचारी/हेल्पर,
- टाइपिस्ट सम्पर्क-

8770231515
आरएन-84222(19/8)

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

MP BIRLA GROUP
विंध्या टेलीलिंक्स लिमिटेड
सीआईएन: L31300MP1983PLC002134
पंजीकृत कार्यालय: उद्योग विहार, पी.ओ. चोरहटा, रीवा – 486 006 (मध्य प्रदेश)
कॉर्पोरेट कार्यालय: 5वां तल, सिग्नेचर टावर III, टावर 'सी', सेक्टर 15-II,
एन.एच-8, 32वें एवेन्यू के पास, गुरुग्राम-122001 (हरियाणा)
फोन: (07662) 400400; फैक्स: (07662) 400591
ईमेल: headoffice@vtlrewa.com; वेबसाइट: https://www.vtlrewa.com

100 दिवसीय अभियान – "सक्षम निवेशक": 28 जुलाई, 2025 से 6 नवंबर, 2025
अपने केवाईसी विवरण अपडेट करें और अपने अदत्त/अदावाकृत लाभांश का दावा करें

विंध्या टेलीलिंक्स लिमिटेड ('कम्पनी') 100 दिवसीय अभियान – "सक्षम" के शुभारंभ की घोषणा करते हुए हर्षित है। "सक्षम निवेशक" 28 जुलाई, 2025 से आरंभ होकर 6 नवंबर, 2025 तक चलेगा ताकि शेयरधारक अपने केवाईसी विवरण अपडेट कर सकें और कॉर्पोरेट मंत्रालय ("एमसीए") के निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण ("आईईपीएफए") द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार अपने अदत्त या अदावाकृत लाभांश का दावा कर सकें।

भौतिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे अपना केवाईसी अर्थात पैन, बैंक खाता विवरण, पिन कोड सहित पता, मोबाइल नंबर, नमूना हस्ताक्षर आदि के साथ-साथ नामांकन विवरण कम्पनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंटस (आरटीए) नामत: एमयूएफजी इंटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से विख्यात), सी-101, एम्बेसी 247, एलबीएस मार्ग, विक्रोली (पश्चिम), मुंबई – 400083, फोन: 022 – 4918 6000, ई-मेल: mumbai@in.mpms.mufg.com के पास अपडेर्ट कराएं। केवाईसी और नामांकन विवरण अद्यतन करने के लिए प्रासंगिक प्रारूप, जैसे फार्म ISR-1, ISR-2, ISR-3, SH-13, SH-14 आरटीए की वेबसाइट https://in.mpms.mufg.com → संसाधन → डाउनलोड → सामान्य → केवाईसी प्रारूप या कंपनी की वेबसाइट https://www.vtlrewa.com से डाउनलोड किए जा सकते हैं। डीमैट रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट(स) के साथ अपने केवाईसी और बैंक खाते का विवरण अपडेट करना होगा।

शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने अदत्त या अदावाकृत लाभांश का दावा करने के लिए कम्पनी/आरटीए से सम्पर्क करें ताकि उन्हें आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित होने से बचाया जा सके। कम्पनी ने पिछले सात (7) वर्षों के ऐसे अदत्त/दावा नहीं किए गए लाभांश का विवरण अपनी वेबसाइट https://www.vtlrewa.com पर 'निवेशक संबंध' अनुभाग में भी अपलोड किया है।

100 दिवसीय अभियान – "सक्षम निवेशक" के संबंध में किसी भी अन्य सहायता के लिए, कृपया investorgrievance@vtlrewa.com पर हमसे सम्पर्क करें।

वास्ते विंध्या टेलीलिंक्स लिमिटेड

दिनांक: 18 अगस्त, 2025
स्थान: रीवा (मध्य प्रदेश)

(दिनेश कपूर)
कम्पनी सचिव

त्योहार खत्म, पलायन शुरू, रोजगार के अभाव में डिंडौरी के युवा परदेश रवाना

जागरण, डिंडोरी । मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले रक्षाबंधन पर्व के समापन के बाद जिले के बड़ी संख्या में बेरोज़गार युवक-युवतियां रोजगार की तलाश में अपना घर-परिवार छोड़कर दूसरे राज्यों का रुख कर रहे हैं। हर साल की तरह इस बार भी त्यौहार के बाद युवाओं के प्रवासन की तस्वीर जिले के सामने आ खड़ी हुई है। सरकार की ओर से भले ही रोजगार उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।डिंडौरी जिले को बने कई दशक गुजर चुके हैं, लेकिन अब तक यहां औद्योगिक इकाइयों का अभाव है। जिले में न तो बड़े उद्योग स्थापित हुए और न ही व्यापारिक अवसर विकसित हो पाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जिले में उद्योग और व्यवसाय के अवसर पैदा किए जाते तो आज हजारों युवाओं को पलायन नहीं करना पड़ता।मनरेगा योजना, जो ग्रामीण रोजगार का सबसे बड़ा आधार मानी जाती है, वह भी युवाओं की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है। सीमित कार्य, अनियमित रोजगार और भुगतान में देरी जैसी समस्याओं ने इस योजना की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब स्थानीय स्तर पर मनरेगा का लाभ समय पर नहीं मिलता, तो मजबूरी में उन्हें दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता है।कहना गलत है होगा कि जनप्रतिनिधियों की उदासीनता भी इस समस्या को गहराई दे रही है। जिले में अब तक औद्योगिक विकास की ठोस योजना न बनना और बेरोजगारी को दूर करने की दिशा में ठोस पहल न करना, युवाओं के पलायन का बड़ा कारण बन चुका है।बता दें कि रोजगार की तलाश में घर छोड़कर जाने वाले युवाओं के सामने सबसे बड़ा खतरा जान का भी है। हाल ही में जिले के दो युवकों की दूसरे राज्यों में काम करने के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। यह घटनाएं साफ़ दिखाती हैं कि बेहतर आजीविका की तलाश में घर छोड़ने वाले कई युवक-युवतियां अपनी जान भी गंवा बैठते हैं। सवाल यह है कि आखिर इन मौतों और इनके परिवारों की जिम्मेदारी कौन उठाएगा? बरहाल युवाओं के पलायन से जिले के सामाजिक और आर्थिक ढांचे पर असर पड़ रहा है। परिवारों के बुजुर्ग और महिलाएं गांव में रह जाते हैं, जबकि युवा श्रमिक के रूप में शहरों और दूसरे राज्यों में काम करने निकल जाते हैं। यह स्थिति जिले के भविष्य पर भी सवाल खड़े करती है।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला अधिकारियों को सौंपा सतत निरीक्षण एवं निगरानी का दायित्व

जागरण, डिंडोरी । जिले में संचालित समस्त शासकीय छात्रावासों की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने कार्य के साथ-साथ निरीक्षण के दौरान छात्रावासों का भी सतत निरीक्षण करें तथा विद्यार्थियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं जैसे भोजन, पेयजल, सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, अध्ययन सामग्री एवं विद्युत आपूर्ति, पलंग चादर, खिडडियों में जाली इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने निर्देशित किया है कि निरीक्षण केवल औपचारिकता न होकर नियमित और गंभीरता से किया जाना चाहिए, जिससे छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि निरीक्षण प्रतिवेदन माह के अंत में नियमित समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने निर्देश दिए कि प्रत्येक अधिकारी छात्रावासों की वास्तविक स्थिति को समझें, विद्यार्थियों से संवाद करें और यदि किसी भी प्रकार की कमी या समस्या सामने आएं, तो उसका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि छात्रावासों की व्यवस्था सुधारना प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, क्योंकि यह बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माहौल से सीधे जुड़ा हुआ विषय है।कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने समस्त निरीक्षण नोडल अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जिन छात्रावासों में पानी, शौचालय, भवन मरम्मत, विद्युत, खिडकियों में जाली लगाना, सीसी कैमरा, आदि समस्याएं निरीक्षण के दौरान कमी पाई जाने वाले संबंधित छात्रावास अधीक्षक एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से समन्वय बनाकर छात्रावास को सुव्यवस्थित किया जाए। जिन छात्रावास अधीक्षकों को बार-बार निर्देश देने के बावजूद भी कार्य में लापरवाही बरती जाती है उन पर कार्यवाही करने के सहायक आयुक्त को निर्देश दिए। कलेक्टर ने समस्त छात्रावास अधीक्षक और जांचकर्ता अधिकारी को निर्देश दिए कि आप के क्षेत्र अधिकार के अंतर्गत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित नल-जल योजना का कनेक्शन जिन छात्रावासों में पानी की समस्या आती है उनमें कनेक्शन लगाया जाए, जिससे बच्चों को पानी की समस्या न हो सके। छात्रावास में निवासरत बालक-बालिकाओं को गुणवत्तायुक्त मीनू के अनुसार पौष्टिक आहार भोजन उपलब्ध कराया जाए। जिन छात्रावासों की पहुंच मार्ग कच्चा रास्ता को सुरक्षित पक्की सडक सहायक आयुक्त को बनाने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने समस्त विभाग प्रमुख को अपने विभागीय टूर प्रोग्राम में निरीक्षण दौरा में रास्तें में आने वाले शैक्षणिक संस्थाओं का भी निरीक्षण करें ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाया जा

कलेक्टर ने किया निर्माणाधीन सांदीपनि स्कूल भवन एवं अमाही का निरीक्षण

जागरण, मंडला । मंगलवार को राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मंडला प्रवास के मद्देनजर नैनपुर विकासखंड में की जा रही तैयारियों का जायजा लेने कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा एवं सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट संबंधित ग्रामों में पहुँचे। उन्होंने ग्राम चिरईडोंगरी रेलवे स्थित निर्माणाधीन महर्षि सांदीपनि विद्यालय भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण एजेंसी एवं विभागीय अधिकारियों को राज्यपाल के प्रस्तावित दौरे के विषय में आवश्यक तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। नैनपुर विकासखंड के ग्राम अमाही में पहुंचकर कलेक्टर ने कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों के लिए पीएम जनमन अंतर्गत निर्मित आवासों का निरीक्षण किया। यहाँ राज्यपाल पीएम जनमन आवास में निवासरत परिवारों से मुलाकात करेंगे। साथ ही एक नए पीएम जनमन आवास में गृहप्रवेश कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसके पश्चात ग्राम के माध्यमिक शाला ग्राउंड में आयोजित सभा में आमजन के साथ संवाद करेंगे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने पीएम जनमन आवास, आंगनवाड़ी, संवाद सभा स्थल, ग्रीनरूम सहित आदि की जानकारी लेते हुए संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रवास के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने ग्राम ग्वारा में स्थित हवाईपट्टी पहुंचकर हेलीपेड एवं संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बेरीकेटिंग, सुरक्षा व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग, राज्यपाल के स्वागत, हेलीपेड के ग्रीनरूम आदि के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम नैनपुर श्री आशुतोष ठाकुर, सीईओ नैनपुर श्री विनोद मरावी, ईईपीडब्ल्यूडी श्री जीएस भलावी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एकलव्य विद्यालय पिपरिया हॉस्टल मामले की जाँच के लिए समिति गठित

मंडला । विकासखंड निवास के अंतर्गत ग्राम पिपरिया के एकलव्य विद्यालय छात्रावास में बच्चों के स्वास्थ्य खराब होने की सूचना के साथ एक बच्चे की मृत्यु होने की जानकारी संज्ञान में आई है। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) निवास की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई है।कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार गठित जांच दल में अनुविभागीय अधिकारी (रा.) निवास श्री सी.एल. वर्मा अध्यक्ष होंगे। इसी प्रकार सीईओ जनपद पंचायत निवास श्रीमति श्रद्धा सोनी, बीएमओ निवास डॉ. विजय पैगवार, तहसीलदार निवास श्री संदीप नागोसे, सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग श्री विष्णु सिंगौर सदस्य बनाए गए हैं। जांच समिति शिकायत की जांच कर जांच प्रतिवेदन अपने अभिमत के साथ 3 दिवस में अनिवार्य रूप से कार्यालय कलेक्टर को प्रस्तुत करेगी।

विहिप स्थापना दिवस पर आयेंगे देवजी भाई रावत मंडला

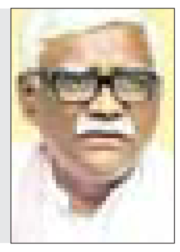

मंडला । विश्व हिन्दू परिषद मण्डला के द्वारा आज 61 वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। यहां पर सामाजिक समरसता पर गोष्ठी का आयोजन किया गया है। गोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप में केन्द्रीय मंत्री सामाजिक समरसता प्रमुख देव जी भाई रावत मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम झंकार भवन मण्डला में आज शाम 6 बजे से आयोजित किया गया है। विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज फागवानी ने नगर के सभी हिन्दू जन मानस को कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

कलेक्टर ने राज्यपाल श्री पटेल के आगमन की तैयारियों का किया निरीक्षण

जागरण, मंडला । राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मंडला जिले में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के मद्देनजर तैयारियों का जायजा लेने कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा सेमरखापा एकलव्य आदर्श विद्यालय पहुँचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 अगस्त को राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की विशेष मौजूदगी में एकलव्य ऑडीटोरियम में परंपरागत चिकित्सा का स्वास्थ्य संवर्धन में योगदान एवं सिकल सेल प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जाना है। साथ ही लखपति दीदियों से संवाद भी करेंगे। इसके उपरांत आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ भोज में शामिल होंगे। इन सभी की तैयारियों के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर दिए। कार्यक्रम स्थल पर आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर एवं विभागीय स्टॉल भी लगाए जा रहे हैं।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने विशिष्ट अतिथियों की मंच पर बैठक व्यवस्था, ग्रीनरूम, सुरक्षा व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, लखपति दीदी संवाद स्थल पर आवश्यक तैयारियों के दिशा-निर्देश दिए। साथ ही इन सभी तैयारियों को समय के पूर्व पूरा करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, मंडला एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम सहित अन्य संबंधित अधिकारी और विभागीय अमला मौजूद था।

देरी तिराहा पर जन सहयोग से नवनिर्मित पुलिस सहायता केंद्र का डीआईजी एवं एसपी ने किया लोकार्पण

छतरपुर। थाना सिविल लाइन क्षेत्र अंतर्गत सागर रोड स्थित देरी तिराहा पर आधुनिक पुलिस सहायता केंद्र का आज पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री ललित शाक्यवार एवं पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन द्वारा विधिवत लोकार्पण किया गया। यह पुलिस सहायता केंद्र पूर्णतः मोबाइल कंटेनर में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें वातानुकूलन, वेंटिलेशन, विश्राम हेतु पृथक केबिन, दो बेड, प्रकाश, फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। चौकी 24 घंटे जनसेवा हेतु खुली रहेगी। पूर्व में क्षेत्रवासियों द्वारा जनसंवाद के माध्यम से पुलिस सहायता केंद्र की आवश्यकता जताई गई थी, जिसे दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार इसका निर्माण कराया गया है। यह चौकी नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, क्षेत्र वासियों, आगुन्तकों, राहगीरों व यात्रियों की सहायता तथा शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु एक सक्रिय केंद्र के रूप में कार्य करेगी। उद्घाटन के उपरांत पुलिस अधिकारियों ने चौकी का निरीक्षण किया एवं सीसीटीवी, माइक, लाउडस्पीकर जैसी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। जन सहयोग से निर्मित यह पुलिस सहायता केंद्र जन सेवा हेतु समर्पित है, क्षेत्र वासियों एवं पुलिस अधिकारियों ने परस्पर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री विदिता, थाना प्रभारी निरीक्षक बाल्मीकि चौबे, नगर के गणमान्य नागरिक, पत्रकारबंधु, क्षेत्रवासी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे ।

सामान्य सभा की बैठक में हुई विकास कार्यों पर चर्चा

छतरपुर। जिला पंचायत के सभागार में सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत की अध्यक्षा विद्या हरिओम अग्निहोत्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याण योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में स्कूलों में सुविधाएं, जल जीवन मिशन, सड़क निर्माण, मत्स्य विभाग और विस्थापित परिवारों की समस्याओं जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में सीईओ तपस्या परिहार, शशिकांत अग्निहोत्री सहित विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में बमनौरा और रामटौरिया में बनी हायर सेकेंडरी स्कूल की बिल्डिंग का मामला सर्वाधिक चला, यहा बनी दोनों बिल्डिंग मात्र तीन साल में ही जर्जर अवस्था में पहुंच गई, करोड़ों रूपये से बने यह स्कूल जमींदोज होने की स्थिति में पहुंच गई हैं। बैठक में गत सभा की कार्यवाही विवरण के पालन पर चर्चा के बाद एजेंडा बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने सत्र 2025-26 के लिए स्कूलों में पुस्तक, गणवेश और साइकिल वितरण की जानकारी दी, तो वहीं जल जीवन मिशन के तहत उन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के उपाय सुझाए गए, जहां अभी पानी की कमी है।

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

छतरपुर । सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामनगर में एक युवा किसान की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया है कि खेत में मोटर पंप चलाने के दौरान यह हादसा हुआ, जिसने पूरे परिवार और में शोक की लहर दौड़ा दी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शनिवार की शाम करीब 6 बजे रामनगर निवासी राम सिंह पटेल उम्र 26 वर्ष अपने खेत पर मोटर पंप चलाने के लिए लाइट के तार लगा रहा था, तभी वह करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गया। राम सिंह के परिजन मोहन पटेल ने बताया कि जब राम सिंह ने उनकी कॉल का जवाब नहीं दिया, तब वह अन्य लोगों के साथ खेत पर पहुंचा, जहां राम सिंह का शव पड़ा मिला। शव को आनन-फानन में जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मौत की पुष्टी की। सोमवार को पोस्टमार्टम किए जाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

हॉस्टल में 7 वर्षीय बच्चे की हुई मौत, मामला संदिग्ध

छतरपुर। जिले के बमीठा थाना क्षेत्र में ग्राम गंज के ज्ञान गंगा हॉस्टल में सोमवार को एक 7 वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मामला संदिग्ध इसलिए है, क्योंकि मौत के बाद बच्चे का शव नीला पड़ गया था। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम घूरा निवासी बबलू पटेल का 7 वर्षीय पुत्र अनुराग पटेल गंज के ज्ञान गंगा हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था। सोमवार की सुबह जब अनुराग को जगाने की कोशिश की गई, तो वह मृत पाया गया, साथ ही उसका शरीर भी नीला पड़ चुका था। सूचना मिलने के बाद बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय ने पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चे का शरीर का नीला पडऩा जहर या दम घुटने का संकेत हो सकता है, लेकिन सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चलेंगे। पुलिस ने हॉस्टल प्रबंधन से भी पूछताछ की है।

राजनगर पुलिस ने पकड़े पांच शातिर चोर

छतरपुर। राजनगर पुलिस ने ग्राम बिला में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चोरों के पास से 75 हजार मूल्य के आभूषण और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया है। बताया गया है कि जुलाई 2025 में ग्राम बिला में हुई चोरी की घटना पर भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने इसी वारदात को अंजाम देने वाले पांच आरोपी इदरीश खान, चेनू उर्फ चेहनू कुशवाहा, केशु कुशवाहा तीनों निवासी मकरबई, महोबा उत्तरप्रदेश, सुभाष तिवारी निवासी महोई कला, सरवई और ओम चौहान इंदिरानगर, कबरई, महोबा को हिरासत में लिया है। आरोपियों के पास से मंगलसूत्र, चूड़ी, पायल, बाली, और टॉप्स जैसे 75 हजार रुपए के आभूषण और एक कार बरामद की है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि वे लूट, चोरी, हत्या करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह में शामिल हैं। बताया गया है कि आरोपी इदरीश खान पर 21, चेनू कुशवाहा पर 14, सुभाष तिवारी पर 7 और केशु कुशवाहा पर 11 मामले पहले से दर्ज हैं।

दो दिन में मंडला टीआई हटाओ नहीं तो होगा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

मंडला। जनपद सदस्य हरेंद्र कुमार मसराम ने सिटी कोतवाली क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार और अनैतिक गतिविधियों में पुलिस की कथित मिलीभगत के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने सोमवार को डीएसपी को ज्ञापन सौंपकर सिटी कोतवाली प्रभारी के तत्काल स्थानांतरण की मांग की है। मसराम का आरोप है कि कोतवाली क्षेत्र में थाना प्रभारियों द्वारा अवैध शराब और सट्टा कारोबार को खुला संरक्षण दिया जा रहा है।

बुंदेलखंड के कलाकारों ने बनाई फिल्म लकी बुंदेलखंडी

जागरण, छतरपुर । बुंदेलखंड की समृद्ध संस्कृति, भाषा और लोकेशन को प्रमोट करने के लिए क्षेत्र के युवा कलाकारों ने एक अनोखी पहल की है। उन्होंने लकी बुंदेलखंडी नामक फिल्म बनाई है, जिसका ट्रेलर सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। फिल्म में मुख्य अभिनेता वरुण देव बुंदेला ने बुंदेलखंड की मिट्टी की खुशबू को जीवंत किया है, जबकि निर्देशन पुष्पेंद्र सिंह चौहान का है। तेजस्व बुंदेला, चेतन, अनुराग, प्रतीक तिवारी जैसे कलाकारों की भूमिका भी अहम रही। कलाकारों ने मंगलवार को छतरपुर में प्रेसवार्ता कर फिल्म के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिसमें डॉ. राघव पाठक भी मौजूद रहे। प्रेस वार्ता में मुख्य अभिनेता वरुण देव बुंदेला ने बताया कि फिल्म बुंदेलखंड की बोली और संस्कृति पर केंद्रित है, जो क्षेत्र की नकारात्मक छवि को बदलने का प्रयास करती है। उन्होंने बताया कि कि हमारी फिल्म का नाम ही बताता है कि यह पूरी तरह बुंदेलखंडी है। हमने बुंदेली भाषा को मुख्य रूप से महत्व दिया है, शूटिंग का 60 प्रतिशत हिस्सा पन्ना जिले के झरकुआं गांव में हुआ, जबकि 40 प्रतिशत नोएडा, हरियाणा और चंडीगढ़ में। वरुण ने कहा कि बुंदेलखंड पिछड़ेपन और सूखे के लिए जाना जाता है, लेकिन यहां कलाकारों का टैलेंट और शूटिंग के लिए शानदार लोकेशन हैं। कई बड़े स्टार्स यहां शूट कर चुके हैं। अगर फिल्म सफल हुई, तो हम और फिल्में बनाएंगे, बुंदेलखंड की संस्कृति को बेहतर दिखाएंगे और बॉलीवुड तक ले जाएंगे। उन्होंने बताया कि फिल्म यूट्यूब चैनल व्लॉगर वरुण पर फ्री उपलब्ध है।

MP BIRLA GROUP
बिरला केबल लिमिटेड
सीआईएन: L31300MP1992PLC007190
पंजीकृत कार्यालय: उद्योग विहार, पी.ओ. चोरहटा, रीवा – 486 006 (म.प्र.)
टेलीफोन नंबर: +91–7662–400580; फैक्स नंबर: +91–7662–400680
ई–मेल: headoffice@birlacable.com; वेबसाइट: https://www.birlacable.com

100 दिवसीय अभियान – "सक्षम निवेशक": 28 जुलाई, 2025 से 6 नवंबर, 2025
अपने केवाईसी विवरण अपडेट करें और अपने अदत्त/अदावाकृत लाभांश का दावा करें

बिरला केबल लिमिटेड ('कम्पनी') 100 दिवसीय अभियान – "सक्षम" के शुभारंभ की घोषणा करते हुए हर्षित है। "सक्षम निवेशक" 28 जुलाई, 2025 से आरंभ होकर 6 नवंबर, 2025 तक चलेगा ताकि शेयरधारक अपने केवाईसी विवरण अपडेट कर सकें और कॉर्पोरेट मंत्रालय ("एमसीए") के निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण ("आईईपीएफए") द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार अपने अदत्त या अदावाकृत लाभांश का दावा कर सकें।

भौतिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे अपना केवाईसी अर्थात पैन, बैंक खाता विवरण, पिन कोड सहित पता, मोबाइल नंबर, नमूना हस्ताक्षर आदि के साथ–साथ नामांकन विवरण कम्पनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंटस (आरटीए) नामतः एमयूएफजी इंटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ज्ञात), सी–101, एम्बेसी 247, एलबीएस मार्ग, विक्रोली (पश्चिम), मुंबई – 400083, फोन: 022 – 4918 6000, ई–मेल: mumbai@in.mpms.mufg.com के पास अपडेट कराएं। केवाईसी और नामांकन विवरण अद्यतन करने के लिए प्रासंगिक प्रारूप, जैसे फार्म ISR-1, ISR-2, ISR-3, SH-13, SH-14 आरटीए की वेबसाइट https://in.mpms.mufg.com → संसाधन → डाउनलोड → सामान्य → केवाईसी प्रारूप या कंपनी की वेबसाइट https://www.birlacable.com से डाउनलोड किए जा सकते हैं। डीमैट रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट(स) के साथ अपने केवाईसी और बैंक खाते का विवरण अपडेट करना होगा।

शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने अदत्त या अदावाकृत लाभांश का दावा करने के लिए कम्पनी/आरटीए से सम्पर्क करें ताकि उन्हें आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित होने से बचाया जा सके। कम्पनी ने पिछले सात (7) वर्षों के ऐसे अदत्त/दावा नहीं किए गए लाभांश का विवरण अपनी वेबसाइट https://www.birlacable.com पर 'निवेशक संबंध' अनुभाग में भी अपलोड किया है।

100 दिवसीय अभियान – "सक्षम निवेशक" के संबंध में किसी भी अन्य सहायता के लिए, कृपया investorgrievance@birlacable.com पर हमसे सम्पर्क करें।

वास्ते बिरला केबल लिमिटेड

दिनांक: 18 अगस्त, 2025
स्थान: रीवा (मध्य प्रदेश)
(सुमन)
कम्पनी सचिव

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

रूस-चीन से रिश्ते, नई कूटनीतिक मोर्चाबंदी

अमेरिकी दबाव की नीति के बरक्स अपने हित और सम्मान को सुरक्षित रखने के लिए नई कूटनीतिक मोर्चाबंदी भारत के लिए वक्त की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार ऐसे समीकरण भी देखे जाते हैं, जिन्हें परिस्थितियों की उपज माना जाता है, लेकिन कई बार कुछ ताकतवर देशों की नाहक जिद की वजह से भी नए हालात बनते हैं। भारत और अमेरिका के बीच जरूरत की वस्तुओं का आयात-निर्यात न केवल आर्थिक मोर्चे पर परस्पर सहयोग का मजबूत आधार रहे हैं, बल्कि यह सामान्य संबंधों में भी सहजता के वाहक रहे। मगर इस बार राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने आंतरिक मोर्चे पर कई विवादित फैसले लेने के साथ-साथ अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाने की नीति अपना कर उन पर जैसी मनमानी नीतियां थोपने और उन्हें अपने मुताबिक संचालित करने की कोशिश की है, उससे नई समस्या पैदा हुई है। खासतौर पर भारत को निशाना बना कर अमेरिका ने जो एकतरफा तौर पर बेलगाम शुल्क थोपने की घोषणा की, उससे भारत के सामने नई परिस्थितियों से निपटने की चुनौती खड़ी हुई है। यह स्थिति तब है, जब हाल के वर्षों में भारत ने अमेरिका के साथ हर स्तर पर सहयोगात्मक रुख ही अपनाया।

सवाल है कि अगर अमेरिका बेलगाम शुल्क लगाने की नीति के जरिए भारत के सामने जटिल स्थितियां पैदा करने की कोशिश जानबूझ कर नहीं कर रहा है तो इसके क्या कारण हैं कि वह वस्तुस्थिति और औचित्य की अनदेखी करके भारत पर दबाव बनाना चाहता है। यही नहीं, उसने रूस से तेल खरीदने के सवाल पर भारत पर जुर्माना लगाने तक की घोषणा की।

मौजूदा दौर में बहुध्रुवीय होते विश्व में अगर भारत या कोई भी अन्य देश अपनी जरूरत के मुताबिक आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका की सुविधा से इतर कोई उपाय अपनाता है तो वह कैसे गलत हो सकता है। दिलचस्प है कि अमेरिका ने भारत पर शुक्ल थोपने को लेकर जिस तरह का रवैया अपनाया है, उसे सही ठहराने के लिए खुद उसके पास भी उचित तर्क नहीं हैं। यही वजह है कि उसके पास फिलहाल सिर्फ दबाव बनाने की भाषा है और उसी के तहत वह भारत को संचालित करने की मंशा रखता है। एक संप्रभु और लोकतांत्रिक देश होने के नाते स्वाभाविक ही भारत ने दबाव के आगे कमजोर पड़ने के बजाय इसका विकल्प निकालने की कोशिश शुरू कर दी है। दरअसल, नई चुनौतियों से निपटने की कोशिश के तहत ही भारत ने रूस और चीन के साथ उच्चस्तरीय वार्ता की राह अपनाई है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि इस वर्ष के अंत में रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप दिया जा सकता है। अब एक बार फिर उसके मुखर होने की उम्मीद जताई जा रही है। जाहिर है, भारत पर दबाव के बरक्स नए समीकरणों की संभावना अमेरिका के लिए शायद चिंता की बात होगी। मगर भारत को यह ध्यान रखने की जरूरत पड़ेगी कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान चीन का भारत के प्रति जो रवैया रहा है, उस पर वह आगे क्या रुख अपनाता है। फिलहाल अमेरिकी दबाव की नीति के बरक्स अपने हित और सम्मान को सुरक्षित रखने के लिए नई कूटनीतिक मोर्चाबंदी भारत के लिए वक्त की जरूरत है।

मुनीर की गीदड़ भभकियों के लिए फिर सबक सिखाना होगा

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

मेजर जनरल जीडी बख्शी

अमेरिकी जमीन से भारत पर परमाणु हमले की धमकी देने वाले आसिम मुनीर क्या यह समझ भी पा रहे हैं कि वह क्या कह रहे हैं? उनकी बात से तो लगता है कि वह सठिया गये हैं। उन्होंने खुद को फील्ड मार्शल तो बना लिया है, लेकिन हकीकत में वह 'फेल्ड' मार्शल हैं, जो भारत के ऑपरेशन सिंदूर के समय बुरी तरह फेल हुए। लगता है, वह फिर अपनी किरकिरी कराना चाहते हैं। दरअसल मुनीर किसी भी कीमत पर रिटायर नहीं होना चाहते, चाहे इसके लिए भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध ही क्यों न हो जाये। मुनीर ने पहलगाम हमला करवाया ही इसलिए, क्योंकि वह अपना एक्सटेंशन और प्रमोशन चाहते थे। तब पाकिस्तान में मुनीर के खिलाफ जबरदस्त माहौल बन गया था, क्योंकि बलूचों का विद्रोह चरम पर था, तहरीके तालिबान पाकिस्तान से लड़ाई चल रही थी और इमरान खान ने भी सेना की हालत खराब कर रखी थी। वैसे में, मुनीर भारत का खतरा दिखाकर उन सबसे लोगों का ध्यान हटाना चाहते थे। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने उन्हें उनकी औकात बता दी। अब फिर वह धमकी दे रहे हैं कि पाकिस्तान परमाणु शक्ति संपन्न देश है और आधी दुनिया बर्बाद कर सकता है।

1971 में भारत पर खतरा इतना बढ़ गया था कि यदि हम उसे लेकर सतर्क नहीं होते और सक्रियता नहीं दिखाते, तो समाप्त हो जाते। एक बार फिर भारत के लिए वैसा ही समय आया है। उस समय भी चीन और अमेरिका पाकिस्तान के साथ थे, जबकि रूस हमारे साथ था। आज भी रूस हमारे साथ है और चीन, अमेरिका मिलकर पाकिस्तान की मदद कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या किसी नेता को न बुलाकर आसिम मुनीर को बुलाना यह दिखाने की कोशिश है कि पाकिस्तान में अमेरिका का ही राज है।

मैं मुनीर को यह याद दिलाना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने एक हजार से अधिक ड्रोन हमारे ऊपर चलाये थे, उनमें से 90 फीसदी मार गिराये गये। आठ सौ-नौ सौ ड्रोन के तो परखच्चे उड़ा दिये थे हमारे सैनिकों ने। यही नहीं, पाकिस्तान की तरफ से जो तीन मिसाइलें भारत पर दागी गयी थीं- एक शाहीन और दो फतह- तीनों के तीनों को नेस्तनाबूद कर दिया गया था। इसके बाद भी मुनीर कह रहे हैं कि यदि भारत सिंधु नदी पर डैम बनायेगा, तो 10 मिसाइलें दाग कर वे डैम उड़ा देंगे। उनकी 10 मिसाइलों में से एक भी हमारी इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस शील्ड को पार नहीं कर पायेगी, क्योंकि हमारी डिफेंस शील्ड मल्टी लेयर्ड है, जो एस-400, बराक-8, एमआर सैम, आकाश सर्फेस टू एयर मिसाइल, स्पाइडर मिसाइल से लैस हैं। ऐसे में मुनीर की भारत पर परमाणु हमले की धमकी देना केवल गीदड़ भभकी है।

रही बात भारत की, तो मेरा कहना है कि 1971 में भारत पर खतरा इतना बढ़ गया था कि यदि हम उसे लेकर सतर्क नहीं होते और सक्रियता नहीं दिखाते, तो समाप्त हो जाते। एक बार फिर भारत के लिए वैसा ही समय आया है। उस समय भी चीन और अमेरिका पाकिस्तान के साथ थे, जबकि रूस हमारे साथ था। आज भी रूस हमारे साथ है और चीन, अमेरिका मिलकर पाकिस्तान की मदद कर रहे हैं। वर्ष 1971 के युद्ध में, जिसमें मैंने भी भाग लिया था, अमेरिका ने पाकिस्तान की मदद के लिए अपना सातवां बेड़ा भेजा था। लेकिन पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गये थे। आज समय आ गया है कि भारत पाकिस्तान के चार टुकड़े कर दे, नहीं तो पाकिस्तान हमें चैन से जीने नहीं देगा। जब देखो वह कुछ न कुछ षड्यंत्र करता ही रहता है। वह जम्मू-कश्मीर और पंजाब में दखलअंदाजी कर रहा है। उसने सीआइए के साथ मिलकर बांग्लादेश में तख्तापलट करवाया है और वहां से हमें घेरने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान को अब फिर से उसकी औकात दिखा देने का समय आ गया है।

हमें यह बात समझनी होगी कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या किसी नेता को न बुलाकर आसिम मुनीर को बुलाना यह दिखाने की कोशिश है कि पाकिस्तान में अमेरिका का ही राज है। डोनाल्ड ट्रंप चुटकी बजाते हैं और मुनीर वहां दुम हिलाते हुए पहुंच जाते हैं। वहां बुलाकर मुनीर को आदेश दिये जा रहे हैं कि तुम ईरान को सबक सिखाओ, तुम फिलिस्तीनियों के खिलाफ खड़े रहो, आदि-आदि। मुनीर ट्रंप की जी हजूरी में लगे हुए हैं कि अमेरिका किसी तरह पाकिस्तान को हथियार दे दे। वर्ष 1971 में भी पाकिस्तान ऐसा कर चुका है। अब समय आ गया है कि इसको फिर से सबक सिखाया जाये, क्योंकि इससे पहले जो इसको सबक सिखाया गया था, उसे यह भूल चुका है। यदि भारत पाकिस्तान को अभी सबक नहीं सिखाता है, हाथ पर हाथ धरे बैठा रहता है, अहिंसावादी बने रहता है, तो फिर हमें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि हमारे विरुद्ध यह जो समीकरण बन रहा है- चीन, अमेरिका और पाकिस्तान का- वह खतरनाक है। पाकिस्तान की सेना के पास 80 फीसदी हथियार चीन के हैं। चीन ने पाकिस्तान को 83 अरब डॉलर दिये हैं और अब वह अमेरिका का पिछलग्गू बन गया है। मुनीर अमेरिका के पिछलग्गू बने हुए हैं, तो उसमें पाकिस्तान का नहीं, उनका अपना हित छिपा है। पाकिस्तान यह जानता है कि चीन और अमेरिका के बीच दुश्मनी है, लेकिन वह चतुराई दिखा रहा है। उसे लग रहा है कि दोनों देशों को मूर्ख बनाकर वह अपना उल्लू सीधा कर लेगा। पर जरूरत से ज्यादा चतुर पाकिस्तान के बुरे दिन आ गये हैं। सच तो यह है कि चीन भी अब पाकिस्तान से परेशान हो गया है और अब वह भारत से मैत्री चाहता है।

इन सबको देखते हुए भारत को पुख्ता सैन्य तैयारी की जरूरत है। हमारा रक्षा बजट अभी जीडीपी का 1।9 प्रतिशत है, जो काफी कम है। यूरोप के देशों का रक्षा बजट जीडीपी का पांच प्रतिशत और रूस का रक्षा बजट आठ प्रतिशत है, क्योंकि उसके सामने युद्ध की स्थिति है। हमारे सामने भी युद्ध की स्थिति है। ऐसे में, यदि हम कंजूसी करेंगे, तो हमारा नुकसान होगा। मैनपावर और टेक्नोलॉजी हमारी सबसे बड़ी संपति है। हमने ऑपरेशन सिंदूर में दिखा दिया है कि भारत की स्वदेशी तकनीक कितने उच्च स्तर की हो गयी है। अब समय आ गया है कि हम पूरी प्रतिबद्धता से काम करें। हमारी डिफेंस में जो भी खामियां हैं, उन्हें दूर करें और पूरी तैयारी के साथ पाकिस्तान के चार टुकड़े करने का लक्ष्य सामने रखें।

बलूचिस्तान को अलग देश बनाकर छोड़ें, पीओके को आजाद करायें। इसके लिए हमें पूरी तरह तैयारी करनी पड़ेगी। हमें बांग्लादेश और चीन से लगी अपनी सीमा को भी सुरक्षित करने की जरूरत है। सबसे बड़ी जरूरत सिलिगुड़ी कॉरिडोर को सुरक्षित करने की है। पाकिस्तान की परमाणु धमकी से हमें डरने की जरूरत नहीं है। हमने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के जरिये पाकिस्तान को करारा जवाब दिये हैं। और ऑपरेशन सिंदूर अभी चालू है। इसलिए हमारे लिए यह सक्रियता दिखाने का समय है।

चुनौतियों का सामना करने के लिए बायोमेट्रिक वोटर कार्ड की जरूरत

चुनाव प्रणाली

पुष्परंजन

पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया, मेनलैंड अफ्रीकी का सबसे छोटा देश है। इसकी उत्तरी, पूर्वी, और दक्षिणी सीमा सेनेगल से मिलती है। लगभग 28 लाख की आबादी वाले इस देश की एक-तिहाई जनसंख्या अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा 1.25 डॉलर प्रतिदिन से नीचे रहती है। दिलो-दिमाग में बैठा हुआ था, कि यह अफ्रीकी देश काफी पिछड़ा हुआ होगा। लेकिन यह भ्रम वहां की पत्रकार फातो कमारा से मिलने के बाद टूट गया। उन्हीं से जानकारी मिली कि गाम्बिया दुनिया का पहला देश है, जहां मतदाताओं के लिए बायोमेट्रिक कार्ड 2009 में इश्यू किया गया था।

सितम्बर, 2010 में भारत ने आधार कार्ड जारी किया था, जिसे वोटर कार्ड से भी पहचान के वास्ते जोड़ा जाने लगा। लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। चुनाव आयोग ने नागरिकों के लिए अपने आधार नंबर को अपने मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनावी फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी भी कहा जाता है) से जोड़ना स्वैच्छिक बना दिया है। मतदाताओं को अपने कार्ड लिंक करते समय आधार प्रमाणीकरण के लिए अपनी सहमति फॉर्म 6-बी में देना आवश्यक है। एक बार सहमति दे देने के बाद उसे वापस लेने का कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है, कि आधार कार्ड होना नागरिकता का प्रमाणीकरण नहीं है। पूरा देश जिस तरह नागरिकता को लेकर बहस में उलझा है, वह भारत में वोटर पहचानपत्र की वैधता पर सवाल खड़ा करता है। क्या भारत में जारी वोटर आई कार्ड दोषपूर्ण है?

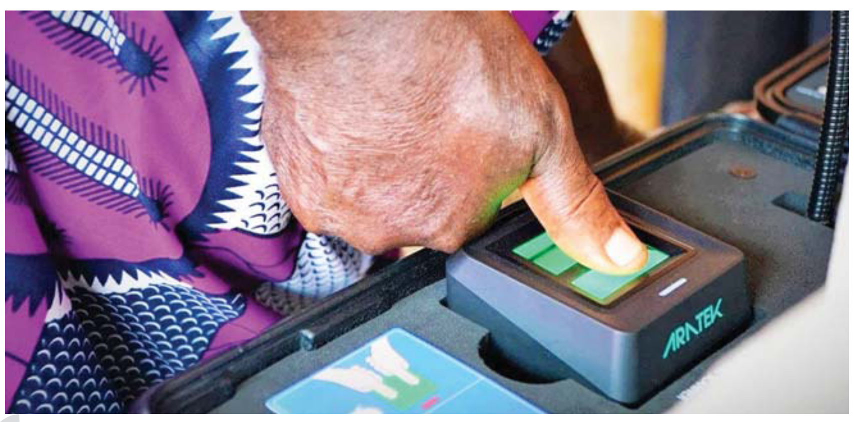

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाजी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके।

और यदि है, तो उसे कैसे दुरुस्त किया जा सकता है? कई देश नागरिकता, या उससे संबंधित पहचान के उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक कार्ड का उपयोग करते हैं। अल्बानिया, ब्राज़ील, नीदरलैंड और सऊदी अरब ऐसे मुल्क हैं, जिनके राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र यात्रा दस्तावेजों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानक का पूरी तरह से अनुपालन करते हैं।

कई देशों ने अनिवार्य राष्ट्रीय पहचान प्रणालियां लागू की हैं, जिनमें अक्सर विभिन्न पहचान उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक डेटा, जैसे उंगलियों के निशान या चेहरे की पहचान, शामिल होता है। भारत केवल आधार प्रमाणीकरण के लिए बायोमेट्रिक्स का उपयोग करता है, जो बैंकों, कोर्ट और विभिन्न उपक्रमों में केवाईसी या रजिस्ट्रेशन के काम आते हैं। राष्ट्रमंडल पर्यवेक्षक समूह ने सिफारिश की है कि राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) जैसी फ़ोटो पहचान प्रक्रिया का उपयोग मतदाता सूची की सटीकता में उल्लेखनीय सुधार कर सकता है और चुनाव में आम विश्वास बढ़ा सकता है।

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाजी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके। यह तकनीक किसी व्यक्ति की पहचान की चोरी, एक से अधिक मतदान, धोखाधड़ी, और हेरफेर के अन्य तरीकों को टारगेट करती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है आंखों की बायोमेट्रिक। आंखों की रेटिना में हेराफेरी अब तक किसी तकनीक के जरिये सम्भव नहीं हुआ है। बायोमेट्रिक तकनीक में व्यवहार संबंधी विशेषताओं का भी विश्लेषण, व्यक्ति की आवाज़, की-स्ट्रोक या हस्तलेखन शामिल हैं। अक्सर, स्कैन किए गए हस्ताक्षर मतदाता की बायोमेट्रिक प्रोफ़ाइल का हिस्सा होते हैं। सभी बायोमेट्रिक डेटा को पहले एक कैमरे या सेंसर द्वारा एक छवि के रूप में कैप्चर किया जाता है। फिर छवि को एक बायोमेट्रिक टेम्पलेट के जरिये डेटाबेस में संगृहीत किया जाता है। इसे प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदाता पहचान पत्र में जोड़ा जा सकता है।

कई मामलों में मैन्युअल सत्यापन शामिल होता है। जैसे कि एक मतदानकर्मी, मतदाता सूची में किसी मतदाता की तस्वीर के आधार पर उसकी उपस्थिति की जांच करता है। बीवीआर का उपयोग मुख्य रूप से अफ्रीका, पश्चिम एशिया, और लैटिन अमेरिका में होना शुरू हो गया है। ऐसा भी नहीं, कि दुनिया के सारे देश बायोमेट्रिक स्वीकार कर लें। कुछ देशों में बायोमेट्रिक डाटा, सांस्कृतिक मान्यताओं और प्रथाओं का उल्लंघन कर सकता है। बायोमेट्रिक के बारे में नकारात्मक अफवाहें भी फैलती हैं। नाइजीरिया में कुछ मतदाताओं का मानना है कि बायोमेट्रिक डेटा, उन्हें 'शैतानी हरकतों' का शिकार बना सकता है। भारत जैसा विविधताओं और बहुसांस्कृतिक देश में जादू-टोना बेमानी है। जिस तरह चुनावी पहचान के दुरुपयोग की बातें समय-समय पर उठती हैं, बायोमेट्रिक वोटर कार्ड एक बेहतर उपाय है!

प्रसंगवश

धराली से किश्तवाड़ तक तबाही के लिए प्रकृति क्यों जिम्मेदार?

प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है। अब मनुष्य को अगर संभलने का मौका नहीं मिल रहा है, तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। धराली में बादल फटने से हुई तबाही से लोग अभी उबरे भी नहीं थे कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में ठीक वैसा ही हादसा हुआ। बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। अचानक आए सैलाब में साठ से ज्यादा लोगों की जान चली गई, सैकड़ों लोग लापता हो गए। नियंत्रण रेखा के पास चोशिती गांव में हुआ यह हादसा एक बड़ा सबक है। यह गांव पड्डर घाटी में है और यहां अठारह सौ से लेकर करीब चार हजार मीटर ऊंचे पहाड़ हैं। जब भी यहां बारिश होती है तो पानी तीव्र गति से नीचे आता है। जिला प्रशासन ने यह तैयारी क्यों नहीं कि अगर कभी बादल फटने की नौबत आई, तो गांव से ऊपर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को कैसे बचाया जाएगा? गौरतलब है कि साढ़े नौ हजार फुट ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर जाने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग आते हैं। सवाल है कि स्थानीय प्रशासन ने यहां लंगर और दुकानें लगाने की भी अनुमति क्यों दी, यह जानते हुए भी कि जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं हर वर्ष बढ़ रही हैं।

पहाड़ी इलाकों में पहले भी बादल खूब बरसते थे, लेकिन इस तरह बादल नहीं फटते थे। अब बार-बार हो रही तबाही की वजह जलवायु परिवर्तन तो है ही, वहीं पहाड़ों पर अनियंत्रित और अवैज्ञानिक तरीके से हो रहा निर्माण कार्य भी है।

पहाड़ी इलाकों में पहले भी बादल खूब बरसते थे, लेकिन इस तरह बादल नहीं फटते थे। अब बार-बार हो रही तबाही की वजह जलवायु परिवर्तन तो है ही, वहीं पहाड़ों पर अनियंत्रित और अवैज्ञानिक तरीके से हो रहा निर्माण कार्य भी है। नदी के तटों के नजदीक और पहाड़ों की ढलान पर बन रहे घरों ने इस संकट को बढ़ाया ही है। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में इस तरह की घटनाओं से अब सजग होने और इससे निपटने की जरूरत है। पहाड़ों पर अधिक संख्या में पर्यटकों के आने, वाहनों की आवाजाही बढ़ने और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने यहां की प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। नतीजा क्षेत्रीय जलचक्र में बदलाव आया है और इससे हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदा बढ़ी है। कुदरत अगर अपना क्रोध प्रकट कर रही है, तो इसे समझने और चेतने का समय है।

॥गीता॥

श्लोक

सुखार्थिनः कुतोविद्या
नास्ति विद्यार्थिनः सुखम।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां
विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम॥

भावार्थ

जिसे सुख की अभिलाषा हो (कष्ट उठाना न हो) उसे विद्या कहाँ से, और विद्यार्थी को सुख कहाँ से, सुख की इच्छा रखनेवाले को विद्या की आशा छोड़नी चाहिए, और विद्यार्थी को सुख की।

जीवन दर्शन

ध्वनि की शक्ति बदल सकती है आध्यात्मिक ऊर्जा

वाणी और ध्वनि का हमारी चेतना और तंत्रिका तंत्र पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मंत्र, जप, प्रार्थना और स्तुति तभी प्रभावी होती है जब वाणी शुद्ध हो। लेकिन वाणी और ध्वनि की महत्ता जानते हुए भी हमलोग अक्सर इस बात की परवाह नहीं करते कि हमें क्या सुनना चाहिए और किस प्रकार बोलना चाहिए। शास्त्रों में वाक् शुद्धि के बाए में बताया गया है, जिसके जरिये हम अपनी सकारात्मक ऊर्जा भी ब?ा सकते हैं और खुद को शुद्ध भी रख सकते हैं। ध्वनि का प्रभाव हमारी ऊर्जा, तंत्रिका तंत्र और प्राण शक्ति पर नकारात्मक असर डाल सकता है। हिंदू धर्म में वाणी को सरस्वती का स्वरूप माना गया है, और वाक् देवी के रूप में इसकी शक्ति सृजन का माध्यम है। वाक् शुद्धि केवल सत्य बोलने का नहीं, बल्कि उचित ध्वनि और उद्देश्य से बोलने का विज्ञान है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि जो वाणी कष्ट न पहुंचाए, वह वाणी का तप है। अक्सर हम जो सुनते और बोलते हैं, हम उस ध्वनि के प्रभाव को समझते नहीं और इस कारण उसपर खास ध्यान नहीं देते। जब भी कोई चिल्लाकर बोलता है, गुस्से में बोलता है या कोई अशुद्ध उच्चारण के साथ बोलता है, तो उस विकृत ध्वनि का हमारी ऊर्जा, तंत्रिका तंत्र और प्राण शक्ति पर बहुत ही नकारात्मक असर पड़ता है। शब्दों में वो शक्ति होती है, जो हमें मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से घायल कर सकती है क्योंकि हमारे बोले गए शब्दों में कंपन होती है, जो हमारे मन, शरीर और आसपास के वातावरण को प्रभावित करता है। आप ध्वनि या वाणी की महत्ता शास्त्रों से समझ सकते हैं। हिन्दू धर्म में वाणी को सरस्वती का स्वरूप माना गया है और उसे वाक् देवी कहा गया है। सरस्वती की वाणी की शक्ति सृजन का माध्यम है। सभी मंत्र साधनाएं, जप, पाठ आदि वाणी से ही संभव हैं। यदि वाक् अशुद्ध हो, तो मंत्र भी सिद्ध नहीं होता। बोलने की शक्ति को ईश्वर की सबसे सूक्ष्म और शक्तिशाली अभिव्यक्ति माना गया है। बोलने अथवा सुनने वाली ध्वनियाँ आपके तंत्रिका तंत्र, शरीर और चेतना को प्रभावित करती हैं। इसलिए, वाक् शुद्धि केवल सत्य बोलना नहीं है, बल्कि यह उचित ध्वनि और उद्देश्य से बोलने का विज्ञान है। सद्गुरु बताते हैं कि जो शब्द आपके लिए लाभकारी होगा, वह स्वाभाविक रूप से सभी के लिए लाभकारी होगा। जिस वाणी से किसी को कष्ट न पहुंचे, जो सत्य, प्रिय और हितकारी हो तथा स्वाध्याय में प्रयुक्त हो, वह वाणी का तप है। झूठ, कटु वचन, गाली, निंदा व चुगली से वाणी अशुद्ध होती है। शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि जो जैसा बोलता है, वैसा सोचता है। इसलिए, जागरूकता और चेतना के साथ बोलना चाहिए। कम से कम इस बारे में सचेत रहना चाहिए कि किस तरह की ध्वनि आपको नुकसान पहुंचा रही है और किस तरह की ध्वनि से लाभ मिल रहा है। वाक् शुद्धि के अंतर्गत सही ध्वनियों का उच्चारण करना भी आता है। शास्त्रों के अनुसार, जप और ध्यान से वाणी में शक्ति आती है। मौन रहकर या बोलते समय अपने इरादे के प्रति जागरूक रहकर भी वाक् शुद्धि की जा सकती है।

-सद्गुरु जग्गी वासुदेव

संक्षिप्त खबरें

कमजोर वर्गों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहें

विसं, भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिविल सेवा में चयनित लोकसेवक केंद्र और राज्य सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों को सफल बनाएं। गरीब, वंचित और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहें और उनकी मदद आगे बढ़कर करें। विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं। राज्यपाल पटेल रविवार को नर्मदा क्लब के सभागार में संकल्प संस्थान से चयनित सिविल सेवकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी सफल प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। पटेल ने संकल्प संस्थान के गुरुजन, मार्गदर्शक और सफल प्रतिभागियों को मंच से सम्मानित किया। प्रतिभावान छात्रों को निखारने और सफल बनाने के प्रयासों के लिए संस्थान की सराहना की। पटेल ने कहा कि ऋृगवेद के अनुसार ज्ञानी लोग अज्ञानियों को भी ज्ञानवान बनाते हैं, अर्थात शिक्षा की उपयोगिता अशिक्षितों को भी शिक्षित बनाने में ही है। शिक्षा ही वह माध्यम है जो परिवार और समाज में बदलाव लाती है। राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित करती है।

उद्योगों के प्रतिनिधियों से राजेंद्रन आज करेंगे संवाद

विसं, भोपाल। श्रम स्टार रेटिंग की अवधारणा और व्यापार उद्योग जगत में इसकी उपयोगिता के संबंध में श्रम सचिव रघुराज राजेन्द्रन 19 अगस्त को प्रातः 11 बजे उद्योगों के प्रतिनिधियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विचार विमर्श करेंगे। रघुराज राजेन्द्रन ने उद्योग जगत के विभिन्न संगठनों से इस विचार विमर्श में भाग लेने की अपील की है। गौरतलब है कि श्रम स्टार रेटिंग एक ऐसी अवधारणा है जो कि किसी उद्योग विशेष की श्रम संबंधी योग्यताओं, मानकों के पालन का प्रमाणीकरण कर सकती है। इसमें उद्योग एवं प्रबंधन की नीतियों का आंकलन किया जाता है। यदि इस दिशा में कार्य करते हुए एक सूचकांक (इंडेक्स) बना सकें जो किसी उद्योग या व्यवसाय की श्रम और पर्यावरण मित्रता की गणना करता है तो यह सूचकांक उत्पाद के बेहतर विपणन (मार्केटिंग) में सहायक हो सकता है। यह सूचकांक उद्यम द्वारा सेवा/उत्पाद में स्टार रेटिंग की तरह प्रदर्शित किया जा सकता है।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की सूची घोषित होने के बाद बढ़ा विवाद, दावेदार का विरोध इस्तीफे तक पहुंचा, कई नेताओं ने छोड़ी पार्टी

तो क्या अब पूर्व मंत्री नहीं लड़ पाएंगे अगला चुनाव?

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बने पूर्व मंत्रियों और विधायकों को क्या अगला विधानसभा चुनाव लड़ने को मिलेगा, यह सवाल चर्चाओं में है। क्योंकि कांग्रेस ने संगठन सृजन की बात करते समय कहा था कि अब कांग्रेस एक व्यक्ति एक पद के फार्मूले पर चलेगी और जिलाध्यक्ष बनने वालों को चुनाव का टिकट नहीं दिया जाएगा। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस के संगठन सृजन को लेकर राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश के नेताओं ने पारदर्शिता का दावा किया था और जिला संगठन कैसे हाथों को सौंपा जाना है, इसके बारे में भी बताया गया था। इनमें से कुछ नेताओं ने तो यहां तक कहा था कि जो जिलाध्यक्ष बनेंगे, उन्हें अगला विधानसभा या लोकसभा चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेताओं की बातों में दम है, तो सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या पूर्व मंत्री और विधायक जयवर्धन सिंह और ओमकार सिंह मरकाम जैसे नेताओं को अगला

चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा।

इधर इस सवाल से इतर जिलाध्यक्षों की घोषणा के बाद कांग्रेस को अपनों की ही नाराजगी झेलनी पड़ रही है। इनके अलावा कई जिलों में इस पद के दावेदार नेताओं ने अपने मौजूदा पदों से इस्तीफा देते हुए संगठन पर बड़े नेताओं के इशारे पर जिलाध्यक्षों के नाम तय करने का आरोप लगाया दिया है। मोनू सक्सेना फैन क्लब नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा गया कि राहुल गांधी ने मांगा था संगठन सृजन, भोपाल में हुआ उसका विसर्जन। सक्सेना ने कहा कि राहुल गांधी संगठन सृजन के माध्यम से पार्टी को मजबूत करना चाहते थे, लेकिन प्रदेश के नेतृत्व ने उनको गुमराह करते हुए भाजपा से मिले-जुले लोगों को अध्यक्ष का पद दे दिया। भोपाल में प्रवीण सक्सेना को दोबारा अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि पूरा भोपाल जानता है कि उनके भाई और उनका काम धंधा भाजपा के लोगों के साथ सांठगांठ करके चलता है। सक्सेना ने कहा कि 2023 विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को ब्लैकमेल करके मुझे हटा कर अध्यक्ष पद सौंपा गया। इसके बावजूद मैं चुप रहा। जमीन पर पार्टी के लिए लड़ाई लड़ी। मुझ पर 78 केस हैं। भाजपा सरकार के पटवारी घोटाले के खिलाफ आंदोलन में मेरी एक आंख फूटी। अब अन्याय नहीं सहेंगे। मैं राहुल गांधी से प्रभावित हूं, प्रदेश के पदाधिकारियों ने उन्हें गुमराह करके यह नियुक्ति कराई है। ये जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की हत्या है। पर्यवेक्षकों के सामने सबकुछ रखा गया। हमारे पास पर्याप्त प्रमाण हैं।

सभी को करेंगे एडजस्ट : जीतू

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कुछ जिलों में विरोध को

समाप्त करने की कोशिश करनी शुरू कर दी है। पटवारी ने सोशल मीडिया एक्स पर ऐसे नेताओं को सांत्वना देते हुए लिखा कि सभी के सर्वश्रेष्ठ योगदान से ही सशक्त संगठन मप्र में कांग्रेस की पहचान है। संगठन निर्माण की इस प्रकिया में चयन से वंचित रहे साथियों को शीघ्र ही नई जिम्मेदारी दी जाएगी। कांग्रेस परिवार के जांबाज साथियों, अब हमें मिलकर संगठन सृजन अभियान के अगले पड़ाव की ओर कदम बढ़ाना है।

अध्यक्ष के करीबी सहित कई इस्तीफे

रायसेन, देवास समेत कई जिलों में कार्यकर्ताओं ने विरोध करते हुए पदों से इस्तीफा देना शुरू कर दिए हैं। देवास के नेता गौतम बंटू गुर्जर ने संगठन सृजन अभियान की पारदर्शिता पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी पर आरोप मढ़ दिया कि वो मध्यप्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने नहीं, अलबत्ता इसका विसर्जन करने आए हैं। गुर्जर को पीसीसी चीफ जीतू पटवारी का करीबी माना जाता है। इसी तरह सतना जिला कांग्रेस के सचिव पद का दायित्व निभा रहे अभिनव सिंह (लवी) ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वहां के विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा को जिलाध्यक्ष बनाए जाने से नाराज बताए जा रहे हैं।

जयवर्धन बोले-जिसे दिक्कत हो वह फोरम पर बात करे

इधर गुना का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर विरोधियों के निशाने पर आए पूर्व मंत्री एवं

विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि पार्टी ने कुछ सोच समझकर ही जिम्मेदारी दी है। राहुल गांधी ने कहा था कि जिले का सबसे मजबूत नेता ही अध्यक्ष बनें। उस सोच के अनुरुप ही मुझे यह जिम्मेदारी दी गई है।

बड़े नेताओं से सभी सीटें जिताने की अपेक्षा

कांग्रेस के जानकार मान रहे हैं कि संगठन सृजन के तहत कांग्रेस के जिन बड़े नेताओं और विधायकों को जिलों की कमान सौंपी गई है, उनसे पार्टी को उम्मीद रहेगी कि वो अपनी सीट के साथ-साथ अपने जिले की सभी सीटों को जिताकर दें।

700 वर्षों तक भोपाल में हिंदू शासकों का राज रहा: सांसद

विशेष संवाददाता, भोपाल। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल के एक हजार साल के इतिहास पर अगर गौर डालें, तो यहां पर 700 वर्षों तक हिंदू शासकों का शासन रहा है। ऐसे में भोपाल की पहचान केवल

अल्पसंख्यकों और मुसलमानों से नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि हमीदुल्लाह खान तो देशद्रोही थे, जो भोपाल को पाकिस्तान में विलय कराना चाहते थे। सांसद शर्मा ने 300 साल का शासन नबाब और बेगमों का रहा है, जबकि इससे पहले भोपाल में सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, राजा भोज, परमार वंश और रानी कमलापति का शासन रहा है। नवाब और बेगमों ने शहर में रशीदिया स्कूल, हमीदिया स्कूल और हमीदुल्लाह के नाम पर संस्थान बनवाए। अंतिम नवाब हमीदुल्लाह तो जिन्ना समर्थक थे, उनके देशद्रोह के पूरे रिकार्ड उनके पास है। हमीदुल्ला हैदराबाद, जूनागढ़ के नवाबों की तरह भोपाल को पाकिस्तान में विलय कराना चाहते थे। नई पीढ़ी को सही जानकारी देने के लिए नया इतिहास पढ़ाया जाए ।

विसर्जन की ओर बढ़ रही कांग्रेस

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की घोषणा के बाद मचे बवाल पर सांसद ने कहा कि कांग्रेस विसर्जन की ओर बढ़ रही है। कांग्रेस गुटों में बटी हुई है। इसमें कोई नई बात नहीं। उनके यहां जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं का आंकलन नहीं किया जाता। कांग्रेस को आत्मचिंतन करना चाहिए। सोचना चाहिए कि आखिर हम क्या कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने वरिष्ठ और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को किनारे करते हुए अपने समर्थकों को तरजीह दी है।

नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करें बहनें: हेमंत

रक्षाबंधन महोत्सव के चौथे दिन करोंद में आयोजित कार्यक्रम को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने किया संबोधित

विसं, भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा है कि बहनें लव जिहाद और नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करने घर-घर जाएं, तभी वो इस नेक कार्य के संकल्प को पूरा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि उनके ऐसे संकल्प से ही समाज में बैठे गलत लोगों को बेनकाब किया जा सकेगा। खंडेलवाल रविवार को निशातपुरा थाने के पीछे करोंद में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव के चतुर्थ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाई-बहन के अटूट प्यार और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन परिवार को बांधने के साथ ही समाज को एक करने का कार्य करता है। अगर एक बहन किसी भाई को राखी बांध दे, तो उस भाई का जीवन धन्य हो जाता है। विकास तो सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में करते हैं, लेकिन विश्वास सारंग ने हर घर से जो भाई-बहन का रिश्ता बनाया है, यह

समाज को सुदृढ़ करने के साथ हमारी परंपराओं को आगे बढ़ाने में बहुत सहायक सिद्ध होगा। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि आज का समय सोशल मीडिया का है। आज सभी बहनों ने जो संकल्प लिए हैं, उसे सोशल मीडिया के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करना है। लव जिहाद के खिलाफ संकल्प को बहनें केवल अपने तक ना रखें बल्कि इसे शोसल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाकर उन्हें बेकनाव करने की जरूरत है। हमें पहले जैसा एक अच्छा समाज का निर्माण करना है।

बहनों के अटूट रिश्ते से कार्यक्रम लगातार जारी

स्थानीय विधायक एवं सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि वर्ष 2009 से प्रारंभ हुआ रक्षाबंधन महोत्सव बहनों के अटूट रिश्ते से अनवरत जारी है। मैंने आप सभी से कहा था कि मैं नेता बनकर नहीं आपके घर का भाई व बेटा बनकर कार्य करूंगा। मैं आज अपने उस वादे को पूरी निष्ठा से निभाते हुए पूरे नरेला विधानसभा को अपने परिवार की तरह सेवा करने में जुटा हुआ हूं। महोत्सव में सारंग ने बहनों को लव जिहाद व नशे के खिलाफ संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि हिंदू बहन-बेटियों को छल व षड्यंत्र से शिकार बनाने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महोत्सव के चतुर्थ दिवस 29 हजार 225 बहनों ने मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग को राखी बांधी।

5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, सेंधवा में गिरा 8 इंच पानी

प्रदेश में बारिश का एक और सिस्टम हो रहा सक्रिय, 10 जिलों में येलो अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अगस्त के दूसरे पखवाड़े में बारिश का दौर शुरू हो चुका है। पिछले तीन दिन से मप्र के अलग-अलग जिलों में हर दिन बारिश हो रही है। बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश बड़वानी जिले के सेंधवा में दर्ज की गई है। यहां 192 मिली मीटर यानि करीब 8 इंच बारिश हुई है। अति भारी बारिश वर्षा से बड़वानी जिले में जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लोगों को अपने घरों में कैद होकर रहना पड़ रहा है, वहीं कुछ क्षेत्रों की आबादी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मौसम केंद्र भोपाल ने सोमवार के लिए जो बुलेटिन जारी किया है, उसके मुताबिक सोमवार को मप्र के पांच जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी है। इनमें हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन और बड़वानी जिले का नाम शामिल है। वहीं दस जिले ऐसे हैं, जहां बारिश का येलो अलर्ट घोषित किया गया है। रविवार को प्रदेश के 9 जिलों में बरसात रिकार्ड की गई। बड़वानी के अलावा रायसेन और खरगौन जिले में भारी बारिश हुई है।

भोपाल में उमस, पारा 31 डिग्री

बारिश का नया सिस्टम फिलहाल मालवा, निमाड़ और विदर्भ क्षेत्र में सक्रिय है। यही कारण है कि भोपाल में रविवार को तेज बारिश नहीं हुई। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी में भी भोपाल का नाम नहीं है। बारिश न होने के कारण रविवार को भोपाल में उमस का असर देखा गया। छुट्टी वाले दिन पिकनिक स्पॉट पर लोग सैर करने निकले तो उन्हें उमस ने बेहाल कर दिया। चिपचिपी गर्मी के कारण लोग परेशान नजर आए। रविवार को दिन में भोपाल का अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। जो कि सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 23 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को भी भोपाल में गर्मी पड़ने के आसार है। यानि यहां सोमवार को तेज बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि विभाग ने भोपाल सहित कई जिलों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है। इसमें विदिशा, सीहोर का नाम भी शामिल है।

नया सिस्टम कराएगा जोरदार बारिश

भोपाल मौसम केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि एक मानसून द्रोणिका जैसलमेर, जोधपुर, कोटा से गुना-बैतूल होते हुए दक्षिणी छत्तीसगढ़ से गुजर रही है। यहीं पर लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी भी है। एक अन्य ट्रफ दक्षिणी हिस्से में सक्रिय है। एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन यानी एक्टिव है। इन वजहों से प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। 18 अगस्त से बंगाल की खाड़ी पर एक नया लो प्रेशर एरिया सक्रिय होने की संभावना है। जो कि दो से तीन दिन में मप्र पहुंचेगा और इससे यहां जोरदार बारिश होने की उम्मीद है।

ऑनलाइन लगेंगी कक्षाएं, नहीं देना होगा शुल्क

विवि व कॉलेजों में सिखायी जाएगी श्रीमद्भागवत गीता

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के कालेज और विश्वविद्यालयों में रामचरितमानस में प्रवेश देने के बाद अब उच्च शिक्षा विभाग ने श्रीमद्भागवत गीता सिखाने का बीड़ा उठाया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में श्रीकृष्ण पाथेय योजना के क्रियान्वयन के लिए बैठक हुई थी। इसमें निर्णय लिया गया था कि प्रदेश के कालेजों और विश्वविद्यालयों में श्रीमद्भागवत गीता सिखायी जाएगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी करते हुए कहा कि कॉलेज और विवि में 13 भाषाओं में ऑनलाइन श्रीमद्भागवत गीता सिखाई जाएगी। इसके लिए गीता परिवार द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षा में विद्यार्थियों के पंजीयन कराए जाएंगे, जो 27 अगस्त तक होंगे। इसमें विद्यार्थी को नाम, आयु, मोबाइल नंबर सहित अन्य जानकारी देनी होगी। क्योंकि श्रीमद्भागवत गीता 13 भाषाओं में उपलब्ध है। इसलिए विद्यार्थियों को अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, तमिल, तेलूगू, गुजराती, मलयालम, बंगाली, उडिया, कन्नड, असमिया, नेपाली और सिंधी में से किसी एक का विकल्प भी देना होगा। उन्हें समय स्लॉट भी चुनना होगा।

18 अध्याय में चार भाग सिखाएंगे

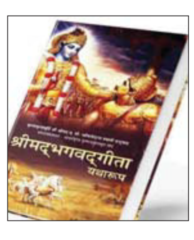

पंजीकृत विद्यार्थियों को भगवद्गीता के सभी 18 अध्यायों में चार भाग (स्तर) सिखाये जाएंगे। इसके लिए उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। यह पूर्णतः निशुल्क रहेगा। सप्ताह में पांच दिन लाइव कक्षाएं आयोजित होंगी। सप्ताहांत में भावार्थ विवेचन सत्र संचालित होंगे। विभाग नियमित कक्षाओं और अभ्यास से निरंतरता रखने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित भी करेगा।

नहीं मनाने दिया स्वतंत्रता दिवस, वन विभाग वाहन चालक करेंगे आंदोलन

समिति की बैठक में आगामी रूपरेखा हुई तैयार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। वन विभाग वाहन चालक समिति की बैठक रविवार दोपहर 12 बजे इंद्रा निकुंज नर्सरी 74 बंगला में हुई। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेकर आगामी रूपरेखा तैयार कर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने की। संचालन प्रदेश सचिव राजू सिंह ने किया। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि वन विभाग के वाहन चालक घनश्याम कटारे के साथ 14 अगस्त को वन विभाग के लिपिक सुधीर नेमा द्वारा मारपीट कर अभद्र व्यवहार किया गया है। जान से मारने की धमकी देकर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना का बैनर वन भवन की बाउंड्री में लगाने से रोक दिया। वाहन चालकों को आजादी का उत्सव नहीं मानने दिया। देशद्रोह का काम किया, जिसकी शिकायत वन बल प्रमुख एवं थाना टीटी नगर में की गई है, लेकिन अभी तक कर्रवाई नहीं की गई। इसके चलते वन विभाग के वाहन चालकों में रोष व्याप्त है। रविवार को वाहन चालक ने बैठक आयोजित कर आंदोलन का निर्णय लिया है। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि सोमवार को वन विभाग प्रशासन की प्रमुख दो सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा और मांग की जाएगी कि देशद्रोह का काम करने एवं वाहन चालक घनश्याम कटारे के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने वाले वन विभाग के लिपिक को निलंबित किया जाए। उनकी उच्च स्तरीय जांच की जाए। वन विभाग के वाहन चालकों का शोषण करना समाप्त किया जाए। यदि तीन दिवस के अंदर मांगों को मंजूर नहीं किया गया, तो 21 अगस्त से आंदोलन शुरू किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ के शेष

एक्सटेंशन या कमान किसी...

विशेषज्ञता और दिल्ली में बैठे वरिष्ठ अधिकारियों से बेहतर तालमेल उनकी सबसे बड़ी ताकत है। जैन ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और राज्य की कई बड़ी औद्योगिक योजनाओं को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें छह माह का एक्सटेंशन मिल सकता है। हालांकि, प्रशासनिक हलकों का मानना है कि राज्य में फिलहाल कोई बड़ा चुनाव या राजनीतिक मजबूरी नहीं है, इसलिए एक्सटेंशन की संभावना कमजोर भी हो सकती है।

गृह विभाग की कुर्सी भी खाली होगी: मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ ही उनके बैच के जेएन कंसोटिया भी 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कंसोटिया फिलहाल गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं। ऐसे में यह अहम पद भी खाली होगा। सरकार चाहती है कि पहले सीएस का फैसला हो, उसके बाद ही नए एसीएस होम की नियुक्ति की जाए। यह तय है कि गृह विभाग की कमान भी उसी अधिकारी को दी जाएगी जो सीएस के साथ बेहतर तालमेल बिठा सके।

मासूम ने रात में की मस्ती...

6 बजे स्कूल संचालक प्रमोद त्रिवेदी ने फोन कर उसकी तबीयत खराब होने की सूचना दी। स्कूल पहुंचने पर परिवारजनों को बच्चे की मौत की सूचना मिली। वहीं ज्ञान गंगा स्कूल संचालक प्रमोद त्रिवेदी का कहना है कि हमारा सिर्फ स्कूल है। हम हॉस्टल नहीं चलाते। दूरदराज से आने वाले बच्चों की सुविधा के लिए उन्हें ठहराने और खाने-पीने की व्यवस्था की गई है।

मसूद और अफसरों..

की थी। यह सेल डीड कूटरचित थी। दूसरी सेल डीड जमा करने का अवसर दिया गया था। राजस्व अभिलेख में नदारद दूसरी सेल डीड की दो दशक तक किसी ने जांच नहीं की और कॉलेज संचालित होता रहा।

यूक्रेन छोड़े नाटो में शामिल...

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली, फिनलैंड, यूरोपीय संघ और नाटो के शीर्ष नेता भी बाद में वॉशिंगटन में बैठक करेंगे। यूरोपीय नेताओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी युद्धविराम समझौते में यूक्रेन को ठोस सुरक्षा गारंटी दी जाए। ट्रंप ने यह भी याद दिलाया कि क्रीमिया को रूस ने 2014 में ओबामा प्रशासन के दौरान बिना गोली चलाए ही अपने कब्जे में ले लिया था।

निर्देश — अर्धवार्षिक परीक्षा में कमजोर मिले विद्यार्थियों के लिए लगेंगी विशेष कक्षाएं

स्कूलों में सितंबर में तिमाही और दिसंबर में होगी छमाही परीक्षा, बच्चों की पढ़ाई पर जोर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग ने सितम्बर में तिमाही परीक्षा प्रस्तावित की हैं। जबकि दिसंबर माह में अर्धवार्षिक परीक्षाएं होंगी। विभाग के समक्ष चुनौती अर्धवार्षिक परीक्षा को लेकर है। अगर परीक्षा में ज्यादा विद्यार्थी कमजोर निकलकर आए, तो उनकी तैयारी कराने में शिक्षकों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। इसलिए अभी से संकुल प्राचार्यों से बच्चों की तैयारियों पर जोर दिया जाएगा। विभगा का कहना है कि प्रदेश में अर्धवार्षिक परीक्षाएं होने के बाद अतिरिक्त विशेष कक्षाएं लगेंगी। उक्त कक्षाओं में उन विद्यार्थियों को अध्यापन कराया जाएगा, जो इस परीक्षा में कमजोर चिन्हित होकर निकलेंगे। संकुल प्राचार्यों को लक्ष्य दिया जाएगा कि जनवरी तक उन्हें हर विषय में दक्ष बनाना होगा। इसके बाद रिवीजन कराया जाएगा। विद्यार्थियों की जो कमजोरियां और समस्याएं हैं, उनका समाधान शिक्षक कक्षाओं में ही करेंगे।

जनवरी के प्रथम सप्ताह तक पूरा कराना होगा सिलेबस

एमपी बोर्ड सात फरवरी से दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं लेगा। शिक्षकों को दिसंबर अंत और जनवरी के प्रथम सप्ताह तक सिलेबस पूरा कराना है। इसी माह प्री-बोर्ड परीक्षाएं कराना होंगी। नई शिक्षा नीति के अनुसार बोर्ड की यह पहली परीक्षा होगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जेडी और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अध्यापन पर पूरा फोकस किया जाए। शैक्षणिक कैलेंडर में जो प्रावधान हैं उसी अनुसार पढ़ाई कराई जाए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इसके लिए सबसे पहले शिक्षकों की मौजूदगी पर ध्यान देना जरूरी है। शिक्षकों की समय पर शाला में उपस्थिति होगी तो अध्यापन के भी आशातीत परिणाम सामने आएंगे।

शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस पर फोकस

जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस पर पूरा फोकस किया जाए। ई-अटेंडेंस हर शाला में शत-प्रतिशत होना चाहिए। जो शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति नहीं भर रहा है, उस पर सख्त कार्यवाही का प्रस्ताव तैयार किया जाए। अब ई-अटेंडेंस से दूरियां बनाने वाले शिक्षकों पर कोई रहम न हो क्योंकि जुलाई माह में हमारे शिक्षक ऐप पर शिक्षकों की उपस्थिति का आंकड़ा 40 फीसदी भी नहीं रहा है। क्योंकि जब शिक्षक नियमित विद्यालयों में पहुंचेंगे तो निश्चित तौर पर अध्यापन व्यवस्था भी सुधरेगी।

छुट्टी घोषित होने पर भी नहीं बदलेगी 10वीं-12वीं की परीक्षा की तारीख

10वीं-12वीं की परीक्षा के दौरान कोई सार्वजनिक और स्थानीय अवकाश आता है तब भी परीक्षा की तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। इस संबंध में माध्यमकि शिक्षा मंडल ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अनुसार परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर सुबह आठ बजे तक उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 15 मिनिट पूर्व के बाद किसी भी विद्यार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं उन्हीं के स्कूल में जबकि स्वाध्यायी छात्रों की आवंटित केद्रं पर कराई जाएंगी। 19 फरवरी से 10 मार्च के बीच प्रायोगिक परीक्षाएं कराई जाएंगी। आवश्यकता पड़ने पर प्रायोगिक परीक्षाएं अवकाश के दिनों में भी आयोजित की जाएंगी।

वसूली में पिछड़ा नगर निगम, 43 फीसदी कम मिला राजस्व

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजस्व वसूली में नगर निगम इस साल पिछड़ते हुए नजर आ रहा है। पिछले वर्ष नगर निगम ने अप्रैल से अगस्त तक 181 करोड़ रुपए का राजस्व वसूला था, जबकि इस वित्तीय वर्ष में अब तक केवल 138 करोड़ रुपए की ही वसूली हो चुकी है। इस बार निगम तमाम प्रयासों के बावजूद भी 43 करोड़ रुपये की कम वसूली कर सका है। जबकि निगम द्वारा 31 अगस्त तक संपत्तिकर जमा करने पर छह फीसदी की छूट भी दी जा रही है। यदि निगम के आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले साल की बराबरी करने के लिए निगम को 31 अगस्त तक कुल 200 करोड़ रुपए की वसूली करनी है। यानी अगले 14 दिनों में 62 करोड़ रुपये का राजस्व वसूलना जरूरी हो गया है। इसमें से 41 करोड़ की वसूली तो केवल पिछले साल की राशि की बराबरी के लिए करनी होगी। इस साल संपत्तिकर में 15 प्रतिशत तक की वृद्धि होने से स्वाभाविक तौर पर वसूली अधिक होनी चाहिए थी। इस माह एक साथ हुए दो अवकाश यानि स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और जन्माष्टमी (16 अगस्त) के कारण निगम के जोन और वार्ड कार्यालय बंद थे इस कारण राजस्व प्रभावित हुआ।

कुत्तों के समर्थन में सड़क पर लोग...

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से आवारा कुत्तों को उठाकर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने के सर्वोच्च न्यायालय के हालिया आदेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। गत रविवार को पशु प्रेमियों ने हाथों में तख्तियां लेकर नई दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रदर्शन किया।

पांच साल में दोगुनी हुई नकली नोटों की जब्ती

नई दिल्ली, जेएनएन। २०१६ में नोटबंदी से 2021 तक पांच सालों में भारत में जब्त किए गए नकली नोट की संख्या में दोगुनी वृद्धि हुई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि बैंकों तक कम नोट पहुंच रहे हैं। इसको लेकर राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़ों कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं।

नकली नोट की जब्ती और मामले

1662 मामले 2015 में दर्ज हुए
28 करोड़ के 3,56,000 नोट पकड़े गए
688 मामले रह गए 2021 तक

382 करोड़ रुपए के 42 लाख नोट पकड़े गए 2022 में
2,17,000 नोट पकड़े गए 2024-25 में

बैंकों ने पकड़े नकली नोट

7,00,000 से ज्यादा नोट 2016 नोटबंदी से पकड़े गए
7 नकली नोट पकड़े गए औसतन प्रति 10 लाख में
2,30,000 *नोट पकड़े गए 2022 में*
2,30,000 *नकली नोट पकड़े गए प्रति 10 लाख में*
21,7000 *नोट पकड़े गए 2024-25 में*
100 *और 500 के 2 नकली नोट प्रति 10 लाख में*
200 *के 4 नकली नोट पकड़े गए प्रति 10 लाख में*
2000 *रुपए के 22000 नकली नोट 2018-19 में*
2000 *रुपए के 3508 नकली नोट पकड़े गए 2024-25 में*
30 *लाख नकली नोट 2022 में सर्वाधिक गुजरात में पकड़े गए*
450000 *नकली नोट 2022 में कर्नाटक से जब्त किए गए*
270000 *नकली नोट 2022 में बिहार से जब्त हुए*

- *2016 से 2019 सबसे अधिक नकली नोट दिल्ली से जब्त किए गए*
- *2020 में सबसे ज्यादा नकली नोट महाराष्ट्र से पकड़े गए*
- *60 प्रतिशत कम मामले दर्ज हुए 2015 से 2021 हालांकि, जब्त नोटों की संख्या दोगुनी हुई*
- *60 प्रतिशत कम मामले दर्ज हुए 2015 से 2021 हालांकि, जब्त नोटों की संख्या दोगुनी हुई*

200 *और 500 के सबसे अधिक नकली नोट पकड़े जा रहे हैं।*

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क सिटी क्लब में गोलीबारी, 3 की मौत

न्यूयार्क, जेएनएन। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के भीड़भाड़ वाले क्लब में रविवार तड़के गोलीबारी हुई। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और 8 अन्य घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की आयुक्त जेसिका टिश ने बताया कि हमलावर या हमलावरों ने स्थानीय समयानुसार तड़के करीब 3.30 बजे से पहले फायरिंग की। ब्रुकलिन के क्राउन हाइट्स स्थित टेस्ट ऑफ द सिटी लाउंज में कई हथियारों से गोलीबारी की, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। जेसिका टिश ने प्रेस वार्ता में कहा, 'न्यूयॉर्क शहर में हुई यह गोलीबारी की भयावह घटना है।' उन्होंने कहा कि अधिकारी लाउंज से मिले कम से कम 36 खोखों और पास की एक गली में बंदूक मिली। इसे लेकर हम जांच कर रहे हैं। टिश के मुताबिक, गोलीबारी में घायल हुए लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पूर्व सीएम पटनायक को बेचैनी की शिकायत, भर्ती

भुवनेश्वर, जेएनएन। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक को भुवनेश्वर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार को पटनायक की तबीयत बिगड़ गई। 78 साल के पटनायक काफी समय से उम्र संबंधी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। कुछ दिन पहले वह मुंबई से लौटे थे। वहां एक अस्पताल में रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने शनिवार रात बेचैनी की शिकायत की थी, जिसके बाद डॉक्टर उनके आवास, नवीन निवास गए। बीजद के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, अस्पताल जल्द ही पटनायक के स्वास्थ्य पर एक बुलेटिन जारी करेगा। उनकी 22 जून को मुंबई में सर्जरी हुई और 7 जुलाई को उन्हें छुट्टी दे दी गई। वह 12 जुलाई को ओडिशा लौट आए थे।

पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही, 200 की मौत

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कई हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचाई है। मूसलाधार बारिश से 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य घायल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा मौतें खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुईं, जहां अचानक बाढ़ ने कई जिलों को प्रभावित किया। बाढ़ से कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और पीओके के गिलगित-बाल्टिस्तान में काराकोरम और बाल्टिस्तान राजमार्ग सहित प्रमुख सड़कें अवरुद्ध हो गईं। अधिकारियों ने खैबर पख्तूनख्वा में 21 अगस्त तक रुक-रुककर भारी बारिश की चेतावनी दी है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के प्रवक्ता के अनुसार, पिछले 24 घंटों में अचानक आई बाढ़ से 14 महिलाओं और 12 बच्चों सहित 198 लोगों की मौत हुई और कई लोग लापता हैं।

पीएम ओली से मिले विदेश सचिव मिस्री

काठमांडू, जेएनएन। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रविवार को नेपाल पहुंचे। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत राजदूत गहेंद्र राजभंडारी ने किया। उन्होंने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी मुलाकात की। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक एक्स हैंडल से विदेश सचिव विक्रम मिस्री की पीएम ओली से मुलाकात की। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सिंह दरबार कार्यालय में प्रधानमंत्री शर्मा ओली से मुलाकात की। जहां नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की गई।

रूस-यूक्रेन युद्ध : जेलेंस्की से आज होने वाली मुलाकात के पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने बढ़ाया सस्पेंस

रूस को लेकर बड़ी प्रगति : ट्रंप

वॉशिंगटन, जेएनएन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने रविवार को कहा कि रूस को लेकर बड़ी प्रगति हुई है। ट्रंप ने कहा, 'रूस पर बड़ी प्रगति है। नजर बनाए रखिए।' राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके सस्पेंस बढ़ा दिया है। हालांकि, उन्होंने इसे लेकर कुछ विस्तार से नहीं बताया। अलास्का में पुतिन से मुलाकात से कुछ घंटे पहले ट्रंप ने कहा था कि वह यूक्रेन में युद्धविराम देखना चाहते हैं। अगर आज इस पर सहमति नहीं बनी तो वह खुश नहीं होंगे। ऐसा मालूम होता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अलास्का से बिना किसी समझौते के ही वापस लौट आए। उन्होंने कहा, 'हम वहां तक नहीं पहुंचे और बाद में अस्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने और पुतिन ने बहुत प्रगति की है।' ट्रंप की ओर से आगामी दिनों में पुतिन के साथ बातचीत करने के सुझाव पर फिर विचार किए जाने की संभावना है। रूसी नेता ने कहा कि उनकी अगली बैठक मॉस्को में हो सकती है।

जमीन की अदला-बदली होगी?

शिखर सम्मेलन के बाद इंटरव्यू में ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन में युद्ध कैसे समाप्त हो सकता है और क्या भूमि की अदला-बदली होगी? इस पर ट्रंप ने कहा, 'ये वे बिंदु हैं जिन पर हम काफी हद तक सहमत हैं।' यूक्रेन से क्षेत्रीय रियायतें हासिल करना लंबे समय से शांति समझौते पर किसी भी वार्ता के लिए मॉस्को की पूर्व शर्तों में से एक रहा है। पुतिन शायद यह दांव लगा रहे हैं कि यूक्रेन पर लगातार सैन्य दबाव बनाए रखते हुए इन रियायतों पर जोर देना उनके लिए फायदेमंद होगा।

यूक्रेन क्षेत्रीय रियायतों पर सहमत नहीं

रूस ने रातोंरात यूक्रेनी शहरों पर नए हमले शुरू कर दिए, जिनमें 300 से अधिक ड्रोन और 30 मिसाइल थीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि कीव क्षेत्रीय रियायतों पर सहमत नहीं होगा। ऐसा कदम यूक्रेन के संविधान के तहत अवैध होगा, जिसमें देश की क्षेत्रीय सीमाओं में परिवर्तन को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रव्यापी जनमत संग्रह की आवश्यकता होती है। युद्धविराम के बदले जमीन समझौते के पीछे यह धारणा है कि इससे यूक्रेनी और यूरोपीय सुरक्षा बढ़ेगी।

ट्रंप से अकेले नहीं मिलेंगे जेलेंस्की

कीव, जेएनएन। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए वॉशिंगटन जाएंगे। इस मीटिंग पर पूरी दुनिया की निगाहें हैं। पुतिन से अलास्का में मीटिंग के बाद ट्रंप अब जेलेंस्की के साथ बैठक कर रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, ट्रंप से मीटिंग के लिए जेलेंस्की अकेले नहीं जाएंगे। इस दौरान उनके साथ कुछ अन्य यूरोपीय नेता भी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि जब ट्रंप और जेलेंस्की की पिछली बार मुलाकात हुई थी तो सबकुछ अच्छा नहीं रहा था। इस बार भी ऐसे हालात न बचें, इसलिए यूरोपीय नेता पहले से ही सतर्क हैं।

किस बात का है डर ?: असल में ट्रंप और पुतिन की मुलाकात बेहद गर्मजोशी से हुई थी। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच किसी तरह की सहमति नहीं बनी। बताया जाता है कि पुतिन यूक्रेन से जमीन का बड़ा हिस्सा लेकर युद्ध विराम की शर्त रख रहे हैं। यह भी सामने आया है कि यही बात करने के लिए ट्रंप ने जेलेंस्की को वॉशिंगटन बुलाया है। अब यूरोपीय नेताओं को चिंता सता रही है कि कहीं ट्रंप अकेले में जेलेंस्की पर कोई दबाव न बनाएं। इसलिए कुछ प्रमुख नेता जेलेंस्की के साथ ट्रंप से मिलने जाएंगे।

यूएसः गाजावासियों के वीजा पर रोक, दूसरे 9/11 हमले का डर

वॉशिंगटन, जेएनएन। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा पर पूर्ण कब्जे के ऐलान के बाद इजरायली फौज गाजा में आखिरी जंग के लिए उतर चुकी है। इजरायल के बाद अमेरिका ने भी गाजा वासियों पर सख्ती दिखाई है। अमेरिका ने गाजा के लोगों के लिए विजिटर वीजा तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। यह कदम राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी इन्फ्लुएंसर लौरा लूमर की शिकायत के बाद उठाया गया है। लूमर ने अमेरिका में दूसरे 9/11 जैसे हमले की आशंका जताई है। लूमर ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताई थी कि घायल फिलिस्तीनी नागरिकों को इलाज के लिए अमेरिका लाया गया है। उन्होंने दावा किया कि यह अमेरिका की सुरक्षा के लिए 'खतरा' है और चेतावनी दी कि इससे 'दूसरे 9/11 जैसे हमले' का खतरा बढ़ सकता है। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, 'गाजा से आने वाले सभी विजिटर वीजा रोके जा रहे हैं।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु पहुंचे दिल्ली, मां बोलीं-बेटे का बेसब्री से इंतजार

नई दिल्ली, जेएनएन। लखनऊ के एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अमेरिका से भारत आ गए हैं। वे शनिवार देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शुभांशु का स्वागत किया। लखनऊ से शुभांशु से मिलने पिता शंभू दयाल शुक्ला और बहन शुचि मिश्रा पहुंचे। उन्होंने बताया कि भाभी (कामना) बच्चे को लेकर दिल्ली पहले पहुंचीं। वह रात करीब 10 बजे दिल्ली आ गई थीं। इसके करीब 4 घंटे बाद शुभांशु दिल्ली आए। हम लोग नोएडा वाले घर में साथ रुके हैं। शुभांशु प्रधानमंत्री मोदी से मिलेंगे। 21 अगस्त को प्रेसवार्ता में शुभांशु अपनी अंतरिक्ष यात्रा के बारे में बताएंगे। 25 अगस्त को शुभांशु के साथ परिवार के सदस्य लखनऊ आएंगे। शुभांशु के स्कूल (सीएमएस) ने एयरपोर्ट से स्कूल तक रोड शो निकालने का प्रोग्राम रखा है। शुभांशु की मां ने कहा, दुनिया के लिए वह भले ही सेलिब्रिटी हो, लेकिन मेरे लिए अब भी नन्हा बेटा है। उसके आने का बेसब्री से इंतजार है। शुभांशु ने 16 अगस्त को टेक्सास के जॉर्ज बुश इंटर कॉन्टिनेंटल एयरपोर्ट से भारत के लिए उड़ान भरी थी।

16 महीने बाद लखनऊ आएंगे शुभांशु शुक्ला

मां आशा शुक्ला ने बताया कि अगस्त 2024 में शुभांशु अमेरिका के लिए रवाना हुए थे। इससे 4 महीने पहले यानी अप्रैल में लखनऊ से बेंगलुरु गए थे। तब उनसे भेंट नहीं हुई थी। अब करीब 16 महीने बाद वो लखनऊ आएंगे तो मुलाकात होगी। अमेरिका जाने से पहले इसरो में उनकी कई महीनों की ट्रेनिंग हुई थी। इसके बाद फाइनली अमेरिका गए थे। 18 दिन के अंतरिक्ष मिशन के बाद वे 15 जुलाई को अमेरिका लौटे थे। एक्सियम मिशन-4 के तहत 25 जून को शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे।

ट्रंप ने राजधानी में नेशनल गार्ड की तैनाती बढ़ाई

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वॉशिंगटन डीसी में और ज्यादा गार्ड तैनात करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके आदेश पर वेस्ट वर्जीनिया, साउथ कैरोलिना और ओहियो के गवर्नरों ने शनिवार को अपने राज्यों के नेशनल गार्ड्स को वॉशिंगटन भेजने की घोषणा की है। वेस्ट वर्जीनिया से 300-400, साउथ कैरोलिना से 200 और ओहियो से करीब 150 नेशनल गार्ड आएंगे। अभी वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात हैं। इन्हें सीधा ट्रंप कंट्रोल करते हैं। इन तीन राज्यों से लगभग 700 एक्स्ट्रा सैनिकों के आने से वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड की संख्या लगभग दोगुनी हो जाएगी। हालांकि, नेशनल गार्ड्स की तैनाती को लेकर शनिवार को लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले 12 अगस्त को ट्रंप ने वॉशिंगटन को केंद्र सरकार के कंट्रोल में ले लिया था। उन्होंने कहा कि राजधानी में हालात काबू से बाहर हैं, राजधानी में बिगड़ी कानून व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना जरूरी है।

तीन राज्यों से 700 सैनिक बुलाए

फिल्मों में डेब्यू करेगी महेश बाबू की भतीजी

मुंबई, जेएनएन। तेलुगू फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू की भतीजी भारती फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। जी हां, खबर है कि रीमा सेन, काजल अग्रवाल, सदा, नितिन, उदय किरण और आधी पिनिसेट्टी जैसे सितारों को टॉलीवुड में डेब्यू करवाने वाले डायरेक्टर तेजा अब एक और नए चेहरे को लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। भारती घट्टामनेनी दिवंगत एक्टर-प्रोड्यूसर रमेश बाबू की बेटी हैं। इस खबर के आते ही जहां महेश बाबू और रमेश बाबू के फैंस की बांछे खिल उठी हैं, वहीं सोशल मीडिया पर भारती की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। लोग इस हसीना के अभी से दीवाने हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारती ने अपना लुक टेस्ट पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि डायरेक्टर तेजा एक रोमांटिक फिल्म बनाने जा रहे हैं। भारती घट्टामनेनी ने इससे जुड़े वर्कशॉप में भी हिस्सा लिया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि महेश बाबू और रमेश बाबू, दोनों ही परिवार भारती के डेब्यू को लेकर एक्साइटेड हैं। इसमें कहा गया है, 'तेजा अपनी फिल्म में किसी ऐसे को कास्ट करना चाहते थे जो पारंपरिक होने के साथ आकर्षक भी दिखे। बीते साल इंस्टाग्राम पर अपने चाचा महेश बाबू के चार्टबस्टर गाने 'कुरिची मदाथापेट्टी' पर भारती का डांस वायरल हुआ था। समझा जा रहा है कि इसी ने उनके डेब्यू की राह आसान की है।' दिलचस्प बात यह है कि घट्टामनेनी परिवार से यह एकमात्र डेब्यू नहीं है। महेश बाबू के भतीजे जयकृष्ण घट्टामनेनी भी डायरेक्टर अजय भूपति की फिल्म के साथ टॉलीवुड में एंट्री की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में तेलुगू सिनेमा के दर्शकों को जल्द ही दोनों भाई-बहन अलग-अलग फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

जबलपुर में हॉस्पिटल के जनरेटर कक्ष में लगी आग, मचा हड़कंप

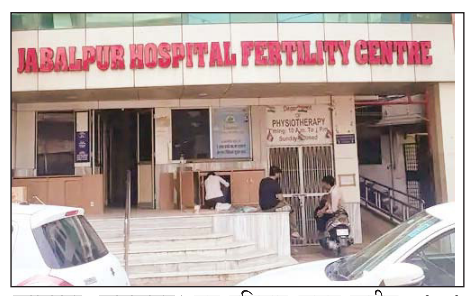

जागरण, जबलपुर। गत रविवार सुबह करीब 10.30 बजे जबलपुर हॉस्पिटल के जनरेटर कक्ष में आग लग गई। आग और धुएं की लपटें देखकर मरीज और उनके परिजन घबरा गए। इस दौरान पूरे अस्पताल में हड़कंप मच गया। अस्पताल प्रबंधन की सूझबूझ और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। घ्फायरमैन राजेश जैन ने बताया कि कंट्रोल रूम को सूचना मिलते ही तुरंत 3 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। जनरेटर ओवरहीट होने के कारण उसमें से अचानक धुआं और आग की लपटें निकलने लगी थीं। दमकल विभाग की टीम ने बिना देरी किए आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद, दमकल कर्मियों ने समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस घटना में किसी भी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई। कर्मचारियों और दमकल विभाग के जवानों की मुस्तैदी की वजह से आग ज्यादा नहीं फैली। इस दौरान मरीजों और उनके परिजनों के बीच थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

तकनीक | **चीन के स्वदेशी एआई के दावों की खुली पोल**

चीन का डीपसीक सात महीने में ही फेल

हांगकांग, जेएनएन। आज से सात महीने पहले चीन ने अपनी स्वदेशी तकनीक पर बना डीपसीक एआई पेश करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। तब दावा किया गया था कि चीन को अमेरिकी टेक्नोलॉजी पर निर्भर रहने की कोई जरूरत नहीं है। उस समय डीपसीक के आर-2 मॉडल को ट्रेन करने के लिए हुवई ने एसेंड चिप्स को चुना था और दावा किया था कि एआई जैसी टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ने के लिए चीन को अमेरिकी चिप्स की जरूरत नहीं है। हालांकि, उस दावे की अब हवा निकलती दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार चीन के इंजीनियर्स ने जून 2025 में इस बात को स्वीकार किया है कि हुवई के चिप्स इतने बड़े पैमाने पर मॉडल ट्रेनिंग के लिए भरोसेमंद नहीं हैं। बता दें कि चीनी इंजीनियर्स ने इस बात को स्वीकार किया है कि डीपसीक में आगे किसी बड़े

अपग्रेड के लिए हुवई के चिप्स से काम नहीं चलेगा। इनमें परफॉर्मेंस के स्थिर न होने, कम स्पीड वाले नेटवर्क कनेक्शन और सॉफ्टवेयर टूल्स की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इन तमाम वजहों से डीपसीक को एक बार फिर से एवीडिया के जीपीयूएस पर निर्भर होना पड़ रहा है। हुवई के चिप्स का इस्तेमाल मॉडल की ट्रेनिंग के लिए नहीं बल्कि सिर्फ मॉडल के इंटरफेस को चलाने के लिए हो रहा है। गौरतलब है कि अमेरिका ने चीन तक एडवांस स्तर के चिप्स न पहुंचे इसके लिए कई स्तर पर रोक लगा रखी हैं। हार्डवेयर तक पहुंच पर रोक के अलावा डीपसीक के अटकने के पीछे सीयूडीए सॉफ्टवेयर का पूरा इकोसिस्टम है, जिसे चीन कॉपी नहीं कर पा रहा है।

डीपसीक को एनवीडिया के चिप्स कैसे मिले?

मालूम हो कि नियमों के मुताबिक एनवीडिया चीन को ए100 या एच100 जैसे चिप्स नहीं बेच सकता, लेकिन अप्रैल 2025 में अमेरिकी जांच में सामने आया कि डीपसीक ने हजारों एनवीडिया जीपीयू चिप्स सिंगापुर और मिडल ईस्ट की शेल कंपनियों के जरिए जुटाए हैं। यानी रोक के बावजूद ये चिप्स चीन तक पहुंच गए हैं।

चीन अब भी अमेरिकी तकनीक पर निर्भर?

हुवई के चिप्स की मदद से एआई में अमेरिका से आगे निकल जाने के दावे फेल हो जाने के बाद साफ है क चीन अब भी अमेरिकी तकनीक पर निर्भर है। फिलहाल चीन अरबों डॉलर अपने घरेलू चिप्स पर खर्च कर रहा है लेकिन उसकी एआई से जुड़ी सबसे बड़ी सफलता अमेरिकी चिप्स पर टिकी हुई है। अमेरिका चिप्स की सप्लाई कंट्रोल को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। वहीं चीन की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि उसके पास एएसएमएल जैसी एडवांस्ड चिप बनाने की मशीन नहीं है। इसी वजह से चीन एनवीडिया जैसी क्वालिटी वाले चिप्स नहीं बना पा रहा।

बच्चों में जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस का खतरा, सैंपल लिए

जागरण, मंडला। जिले के ग्राम पिपरिया स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में शुक्रवार को एक कार्यक्रम के बाद एक छात्रा बेहोश हो गई। इसके दूसरे दिन शनिवार को स्कूल के 17 छात्रों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बेहोश होकर गिरी छात्रा को जबलपुर रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी है। जानकारी के अनुसार मंडला अस्पताल में भर्ती बच्चों की डेंगू और मलेरिया की रिपोर्ट निगेटिव आई है। अस्पताल में भर्ती पांच बच्चों के सैंपल जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस की जांच के लिए लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए जबलपुर स्थित आईसीएमआर भेजा जाएगा। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य विभाग जबलपुर डॉ. संजय मिश्रा के अनुसार, मंडला जिले के पिपरिया गांव स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली कक्षा 10वीं की छात्रा शिल्पा मरावी

शुक्रवार को स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अचानक बेहोश हो गई थी। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे जबलपुर रेफर किया गया है और स्थिति गंभीर है। इसके बाद शनिवार को उसी स्कूल में कई बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टरों की टीम ने स्कूल पहुंचकर छात्रों की मेडिकल जांच की। जांच में 10 छात्रों और 2 छात्राओं में सर्दी, खांसी और बुखार के लक्षण मिले। सभी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया।

पवई के किसानों ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन, समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग

जागरण, पवई

क्षेत्र के किसानों ने सोमवार को अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। नगर एवं ग्रामीण अंचल से सैकड़ों की संख्या में किसान महाराजा छत्रसाल स्टेडियम में एकत्रित हुए और रैली के रूप में अनुविभागीय कार्यालय पहुंचे। यहां किसानों ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम समीक्षा जैन को सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने यूरिया खाद की भारी किल्लत को सबसे बड़ी समस्या बताया। उनका कहना था कि खाद की कमी से खरीफ की फसल प्रभावित हो रही है और उन्हें लगातार दुकानों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही।

धान खरीदी पर भी किसानों ने नाराजगी जताई। किसानों ने कहा कि पंजीयन में प्रति हेक्टेयर औसतन 22ङ्क23 क्विंटल उपज दर्ज की जा रही है, जबकि वास्तविक उत्पादन इससे कहीं अधिक है। उन्होंने मांग की कि इसे बढ़ाकर 32 से 35 क्विंटल किया जाए। साथ ही किसानों ने आरोप लगाया कि चुनावी घोषणा के दौरान धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल तय करने का वादा किया गया था, जबकि वर्तमान में उन्हें केवल 2183 से बढ़ाकर 2369 रुपये प्रति क्विंटल ही मिल रहा है। इसके अलावा किसानों ने क्षेत्र में लगातार हो रही मवेशियों की चोरी, बिजली की अघोषित कटौती, जर्जर तार और खराब ट्रांसफार्मरों की समस्या भी उठाई। उनका कहना था कि चोरी की घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसानों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का निराकरण अगले 10 दिनों में नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करते हुए सड़क पर उतरकर चक्का जाम करेंगे।

कल्दा में 23 अगस्त को लगेगा जन समस्या निवारण शिविर

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देश पर आगामी 23 अगस्त को कल्दा के वन परिक्षेत्र कार्यालय के निकट सुबह 11 बजे से जन समस्या निवारण शिविर लगाया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय आम जनता की समस्याओं के निराकरण सहित पात्र लोगों को योजनाओं का तत्काल लाभ प्रदान करना भी सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही ग्रामीणजनों को सरकार की जनहितैषी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। शिविर आयोजन के दो दिवस पूर्व से कल्दा में आधार केन्द्र भी संचालित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी ने जन समस्या निवारण शिविर में उत्तर वनमंडल सहित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जनपद पंचायत सीईओ पवई, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, श्रम पदाधिकारी, अधीक्षक भू-अभिलेख, जिला समन्वयक जनअभियान परिषद, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं विद्युत मंडल के कार्यपालन यंत्री, महाप्रबंधक जल निगम, जिला संयोजक सहित उप संचालक कृषि, उद्यानिकी और पशु चिकित्सा सेवायें को निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित रहने के निर्देश जारी किए हैं।

नवोदय स्कूल में छात्रा की मौत पर बवाल परिजनों ने जताया हत्या का संदेह

कांग्रेस महासचिव किरण ने सौंपा ज्ञापन

टीकमगढ़। जिले के कुण्डेश्वर स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 11वीं की छात्रा आस्था अहिरवार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले ने पूरे जिले को हिला कर रख दिया है। ग्राम टोरिया (जतारा विधानसभा) निवासी आस्था अहिरवार का शव विद्यालय परिसर स्थित हॉस्टल की सीढ़ियों की रेलिंग से लटका हुआ मिला। यह घटना दोपहर लगभग 3 से 4ः30 बजे के बीच की बताई जा रही है। परिवारजन सदमे में हैं और उन्होंने साफ कहा है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है। छात्रा के पिता कृष्ण कुमार अहिरवार ने आरोप लगाया कि, मेरी बेटी पढ़ने-लिखने और खेलकूद में बहुत होशियार थी। वह आत्महत्या जैसा कदम कभी नहीं उठा सकती। उसे मारकर फाँसी पर लटका दिया गया और स्कूल प्रबंधन इस मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव किरण अहिरवार ने कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय को ज्ञापन सौंपकर छात्रा की मौत की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि, यह घटना न केवल परिवार, बल्कि पूरे समाज को झकझोर देने वाली है। बच्चियों की सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रशासन की घोर लापरवाही सामने आई है। यदि विद्यालय समिति की गाइडलाइंस का पालन किया गया होता तो यह दुखद घटना नहीं होती। दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि नवोदय विद्यालय एक आवासीय केंद्रीय विद्यालय है, जहाँ छात्र-छात्राएँ 24 घंटे प्रशासन और प्रबंधन की देखरेख में रहते हैं। ऐसे में परिसर के भीतर किसी छात्र या छात्रा की मौत होना सीधे तौर पर प्रबंधन की जिम्मेदारी को दर्शाता है। विद्यालय के प्राचार्य, वार्डन और केयरटेकर छात्रों की सुरक्षा के लिए जवाबदेह हैं। सामाजिक संगठनों का भी कहना है कि इस घटना ने पूरे शिक्षा तंत्र और विद्यालय प्रबंधन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का मानना है कि मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कराना बेहद जरूरी है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल परिवार और आमजन की मांग है कि मामले की जांच उच्च स्तर पर कर दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। प्रशासन पर अब यह जिम्मेदारी है कि वह इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई कर छात्रा को न्याय दिलाए।

कलेक्टर ने कहा- सीएम हेल्प लाइन के लंबित प्रकरण दो दिवस में निराकरण करें

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संक्षिप्त टीएल बैठक के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों को आगामी 25 अगस्त को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में प्रस्तावित समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दृष्टिगत विभागवार चयनित विषयों के लंबित प्रकरणों सहित 100 दिवस से अधिक समयावधि की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के दो दिवस में अनिवार्यतः शत-प्रतिशत निराकरण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस कार्य में लापरवाही पर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की चेतावनी भी दी। साथ ही 6 अगस्त के पूर्व तक राजस्व अधिकारियों के स्तर पर लंबित फौती नामांतरण सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के प्रभावी निराकरण के लिए भी निर्देशित किया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि 20 अगस्त को जारी होने वाली जिला एवं विभागवार सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग रिपार्ट के मद्देनजर उत्कृष्ट श्रेणी के लिए गंभीरतापूर्वक प्रयास किया जाए। इसके लिए अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को भी पाबंद करें। टीएल बैठक में केन्द्र एवं राज्य शासन के निर्देशों के अनुक्रम में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत मास्टर टेऊनर्स के विभागवार चयन तथा शिक्षा एवं सामाजिक कार्य क्षेत्र के वालेंटियर्स तैयार करने के उद्देश्य से अविलंब जिला पंचायत सीईओ से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। बताया गया कि आदि कर्मयोगी अभियान सम्पूर्ण जिले सहित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हांकित जिले के 108 ग्रामों में भी विशेष तौर पर क्रियान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने पन्ना, अजयगढ़, पवई एवं शाहनगर के नवीन जनपद पंचायत भवन के निर्माण के संबंध में भूमि चिन्हांकन सहित अन्य वांछित कार्रवाई समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा आगामी 26 अगस्त को प्रस्तावित जिला स्तरीय मॉनिटरिंग सेल की बैठक के दो दिवस पूर्व तक अनिवार्य रूप से स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया गया। अन्य अंर्तविभागीय समन्वय वाले विषयों पर भी बैठक में चर्चा की गई। जिला कलेक्टर द्वारा साप्ताहिक समयावधि एवं जनसुनवाई पत्रों का निराकरण भी समयावधि में करने के निर्देश दिए गए।

देशी कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

पन्ना। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस. थोटा के निर्देशन में जिले के सभी थाना प्रभारियों को अवैध शस्त्र रखने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसी क्रम में दिनांक 16/08/2025 को थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सिली गुनौर में एक व्यक्ति अवैध रूप से देसी कट्टा लेकर घूम रहा है और किसी घटना को अंजाम दे सकता है। उक्त सूचना पर थाना गुनौर पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर संदेही को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक नग 315 बोर का देसी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। शस्त्र संबंधी कोई वैध लाइसेंस अथवा दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर आरोपी का कृत्य धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत दंडनीय पाया गया। आरोपी सत्येंद्र द्विवेदी पिता राम भुवन द्विवेदी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम सिली थाना गुनौर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेश पर जिला जेल पन्ना दाखिल किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में सउनि नाथूराम, आरक्षक शिवेंद्र, अमन कुशवाहा, एवं पुरुषोत्तम लखेरा की सराहनीय भूमिका रही।

संविदा नियुक्ति के लिए 4 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित

पन्ना। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंतर्गत संचालित लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम पन्ना के लिए चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के एक, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के दो तथा असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के तीन पद पर एक वर्ष हेतु संविदा आधार पर नियुक्ति के लिए आगामी 4 सितम्बर तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि सभी पदों के लिए एलएलबी की उपाधि आवश्यक है। साथ ही चीफ के लिए 10 वर्ष, डिप्टी चीफ के लिए 7 वर्ष और असिस्टेंट के लिए शून्य से तीन वर्ष का वकालत का अनुभव होना भी अनिवार्य है। साक्षात्कार के माध्यम से आवेदकों का चयन होगा। इसकी सूचना पृथक से दी जाएगी। इच्छुकजन निर्धारित तिथि तक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय पन्ना में स्वयं उपस्थित होकर अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से आवेदन पत्र जमा करा सकते हैं। जिला न्यायालय पन्ना की वेबसाइट पर संविदा नियुक्ति के संबंध में विस्तृत विज्ञापन, एसओपी और आवेदन का प्रारूप उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है।

पन्ना ग्रामीण एवं अजयगढ़ परियोजना की अनंतिम चयन सूची प्रकाशित

पन्ना। महिला एवं बाल विकास विभाग पन्ना अंतर्गत बाल विकास परियोजना पन्ना ग्रामीण में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त 3 पद तथा आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त 73 पद तथा अजयगढ़ परियोजना में कार्यकर्ता के 3 और सहायिका के 85 पद पर भर्ती के लिए एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे। इसके उपरांत खण्ड स्तरीय चयन समिति द्वारा आवेदनों में संलग्न दस्तावेजों के आधार पर पात्रता एवं अपात्रता के परीक्षण उपरांत पोर्टल पर अनंतिम चयन सूची का प्रकाशन किया गया है। इस संबंध में प्रकाशन तिथि से 7 दिवस तक चयन पोर्टल पर आवेदनकर्ता द्वारा दावा-आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पन्ना में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

पन्ना। गत 15 अगस्त को पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पन्ना में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय प्राचार्य और शिक्षकगण के स्वागत से हुई। इसके बाद प्राचार्य अमित दाहिया द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक एवं रंगारंग प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12वीं की साक्षी सिंह, आस्था सिंह, अनुष्का मिश्रा तथा कक्षा 11वीं की पावनी रावत ने किया। शिक्षिका शैफाली गुप्ता ने प्रेरणादायी भाषण दिया, जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों, स्वतंत्रता के महत्व और एक जिम्मेदार नागरिक के कर्त्तव्यों पर प्रकाश डाला। इसके बाद कक्षा 8 की छात्रा आस्था ने देशभक्तिपूर्ण कविता प्रस्तुत की। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में नागालैंड का पारंपरिक लोकगीत प्रस्तुत किया गया, जिसने भारत की सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक पेश की।

शादी की आड़ में तीन साल तक शोषण, युवती ने थाने पहुंचकर दर्ज कराई एफआईआर

टीकमगढ़। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती ने शादी का झांसा देकर लंबे समय तक यौन शोषण किए जाने का सनसनीखेज मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी उवैस खान से उसकी पहचान करीब तीन साल पहले उसकी बहन सोफिया के माध्यम से हुई थी। पहले आरोपी ने दोस्ती कर भरोसा जीता और फिर शादी का वादा कर युवती को अपने जाल में फंसा लिया।

आरोपी युवक धमकी देकर करता रहा शोषण : वही शिकायत में युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाने पर मजबूर किया। इतना ही नहीं, आरोपी ने उसके निजी फोटो और वीडियो बना लिए और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर लगातार शोषण करता रहा। विरोध करने पर युवती को ब्लैकमेल किया जाता रहा।

परिजनों संग कोतवाली पहुंची पीड़िता : लंबे समय तक यातना सहने के बाद रविवार रात पीड़िता अपने परिजनों के साथ कोतवाली थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसडीओपी कटरे की सक्रियता से हुआ मामला दर्ज : वही मामले की जांच कर रहे एसडीओपी राहुल कटरे ने बताया कि आरोपी उवैस खान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ड्ढहृस्) की धारा 69 और 351(3) सहित एससी-एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। फिलहाल आरोपी फरार है। पुलिस टीम उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

लोगों में आक्रोश, बजरंग दल की मांग : गौरतलब है कि महज़ एक दिन पहले ही कोतवाली पुलिस ने सब्जी विक्रेता असलम खान पर दुष्कर्म का केस दर्ज किया था। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से आमजन में आक्रोश है। घटना की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर कार्रवाई में ढिलाई बरती गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर उसकी मेडिकल जांच कराई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कठोर सजा दिलाई जाएगी।

संयुक्त संघर्ष मंच बी एम एस के आव्हान पर कलेक्टर पन्ना को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

पन्ना। पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा महापंचायत में की गई घोषणा के बाद सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल द्वारा 22 जुलाई 2023 को संविदा नीति जारी की गई थी जिसका क्रियान्वयन मध्य प्रदेश के समस्त विभागों योजनाओं में आज दिनांक तक पालन नहीं किया गया जिसके कारण से आज दिनांक को कलेक्टर पन्ना को तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम बीडीएस संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा ज्ञापन सौपा गया।

इसका नेतृत्व जिला संयोजक ओम प्रकाश सोनी संविदा संयुक्त संघर्ष मंच,भगवत पटेल अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी,मनरेगा ए पी ओ संघ,पीयूष मिश्रा परियोजना अधिकारी जिला पंचायत,प्रमोद शुक्ला जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका संघ, नारायण सिंह परमार सर्व शिक्षा अभियान संघ,अरविन्द सिंह गौर उपाध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ,उमेश पी एच ई ससंघ मृदुल श्रीवास्तव डेटा मैनेजर मनरेगा संघ,श्री मति जयंती अहिरवार जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन संघ,श्री मति कविता खरे समन्वयक एम डी एम संघ, आलोक ई गवर्ननेंस संघ,अमित शुक्ला डी आर डी ए संघ,अरुण चनपुरिया शहरी आजीविका संघ, सुधीर शर्मा सामाजिक अंकेक्षण संघ, राकेश अग्निहोत्री सामाजिक न्याय संघ,एवं समस्त विभागों के प्रतिनिधि शामिल हुए प्रमुख मांगों में 4/6/23 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी चौहान के द्वारा महापंचायत में की गई घोषणा का अक्षरशः पालन हो जिनमें नियमित कर्मचारी के समान सुविधाएं ग्रेच्युटी,एन पी एस, अनुकंपा नियुक्ति एवं नियमित कर्मचारी के समान महंगाई भत्ता दिया जाये। एवं अन्य ज्ञापन अनुसार मांगो को पूर्ण किए जाने हेतु ज्ञापन सौंपा गया।

पन्ना विधायक ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की भेंट

पन्ना। पन्ना विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की और उत्तर प्रदेश सीमा कालिंजर से अजयगढ़-पन्ना-दमोह मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में उन्नयन तथा बमीठा-सतना राष्ट्रीय राजमार्ग के तहत मडला से पन्ना के मध्य एलिवेटेड मार्ग के शीघ्र निर्माण का आग्रह किया। केन्द्रीय मंत्री द्वारा उक्त दोनों मार्गों को शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सहायता के लिए कर सकते हैं संपर्क

पन्ना। बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड एवं पॉक्सो न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत होने वाले विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं की सहायता के लिए दुभाषिया, अनुवादक, विशेष शिक्षक, विशेषज्ञ और सहायक व्यक्ति की समय-समय पर आवश्यकता होती है, जो ऐसे विशेष बालक एवं बालिका से संवाद स्थापित कर उनकी जानकारी से बोर्ड, समिति, न्यायालय को अवगत कराते हैं। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा विहित फीस का भुगतान भी किया जाता है। उक्त क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता व अनुभव रखने वाले इच्छुक व्यक्ति अपने शैक्षणिक योग्यता व अनुभव संबंधी दस्तावेज सहित जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग पन्ना कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

पुलिस ने रैपुरा थाना क्षेत्र से अपहृत 2 नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब कर किया परिजनों के सुपुर्द

पन्ना। पुलिस मख्यालय भोपाल द्वारा चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन मुस्कान के तहत पन्ना जिले में नाबालिग बालक/बालिकाओं की गुमशुदगी/अपहरण की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री साईं कृष्ण एस. थोटा द्वारा सभी थाना/चौकी प्रभारियों को शीघ्र दस्तयाबी हेतु सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना रैपुरा पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान एवं एस.डी.ओ.पी. पवई श्रीमती भावना दांगी के मार्गदर्शन में अपहरण के मामलो मे त्वरित पड़ताल करते हुए हाल ही में दो अलग-अलग प्रकरणों की अपहृत नाबालिक बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को शुपुर्द किया है।

प्रकरण-1- दिनांक 12/08/2025 को फरियादी निवासी पटना (थाना रैपुरा) ने अपनी 15 वर्षीय नाबालिक नातिन को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। इस पर थाना रैपुरा मे अपराध क्रमांक 195/25 धारा 137(2) ड्ढहृस् पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। उक्त प्रकरण मे पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मुखबिर से प्राप्त सूचना, संभावित रूट पर की गई निगरानी, सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर सूचना प्राप्ति के मात्र 24 घंटे के भीतर बालिका को रैपुरा थाना क्षेत्र से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के शुपुर्द किया।

प्रकरण-2- दिनांक 09/07/2025 को फरियादी निवासी ग्राम बागरोड ने अपनी नाबालिक पुत्री के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। इस पर अपराध क्रमांक 158/25 धारा 137(2) ड्ढहृस् पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ हुई। उक्त प्रकरण मे पुलिस टीम द्वारा तकनीकी इनपुट, मुखबिर सूचना एवं संभावित यात्रा मार्ग की गहन तलाश-पड़ताल की गई। लगातार प्रयासों के बाद दिनांक 18/08/2025 को अपहृता बालिका को सलैया रेलवे स्टेशन, थाना रीठी, जिला कटनी से सकुशल दस्तयाब किया गया। सराहनीय योगदान थाना प्रभारी रैपुरा उनि. संतोष सिंह यादव एवं थाना रैपुरा स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

संविदा नीति लागू न होने पर भड़के कर्मचारी सरकार से की त्वरित कार्रवाई की मांग

टीकमगढ़। सोमवार को जिले के विभिन्न विभागों के संविदाकर्मियों ने अपनी लंबित समस्याओं और नियमितीकरण की मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन किया। इस दौरान नारेबाजी करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम 10 सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को सौंपा। संविदाकर्मियों ने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा 4 जुलाई 2023 को महापंचायत में संविदाकर्मियों के हित में घोषणाएं की गई थीं। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल द्वारा 22 जुलाई 2023 को संविदा नीति जारी की गई थी, लेकिन आज तक उसका क्रियान्वयन नहीं किया गया है।

यह रखी प्रमुख मांगें

नियमित कर्मचारियों की तरह महंगाई भत्ता देने, अर्जित एवं मेडिकल अवकाश का प्रावधान करने, कंडिका 9.8, 6.2 एवं 11.5 विलोपित करने, सीधी भर्ती में 50त्न आरक्षण के साथ अनुभव के अंक जोड़कर वरीयता देने, किसी योजना के समाप्त होने पर संबंधित कर्मचारियों को अन्य योजनाओं में समायोजित करने, लंबित अभ्यावेदनों का एक सप्ताह में निराकरण करने, आत्मा योजना, जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी और विकलांग पुनर्वास केंद्रों के कर्मचारियों पर संविदा नीति लागू करने, डाटा एंट्री ऑपरेटर की समकक्षता मैट्रिक्स लेवल 6 में रखने, संविदाकर्मियों के लिए कम से कम 20 लाख रुपए का सामूहिक बीमा करने और शासकीय आवास या आवास भत्ता देने जैसी मांगें शामिल थीं। संविदाकर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया तो वे प्रदेश स्तर पर व्यापक आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन देने के दौरान अनुपम दीक्षित, रचना मिश्रा, कपिल जैन, रफीक खान सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिवगढ़ मे कजलियाँ कृष्ण जन्माष्टमी मटकी फोड़ व थाना प्रभारी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

जागरण, सरई

सरई में शिवगढ़ सेवा संस्थान के द्वारा शिवबाबा में कजलियाँ का कार्यक्रम एवं माध्यमिक विद्यालय परिसर में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कई टीमों ने भाग लिया अंततः शिवबाबा टीम विजेता व गढ़वतियॉ टीम उप विजेता बना। शिवगढ़ सेवा संस्थान द्वारा विजेता शिवबाबा टीम को 5100रूपये व उप विजेता गढ़बतियॉ टीम को 3100 रूपये पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान सरई थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह भदौरिया का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरई तहसीलदार चन्द्रशेखर मिश्रा सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। वहीं आयोजक अध्यक्ष शिवगढ़ सेवा संस्थान ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विजेता टीम के कप्तान नर्मदा सिंह मरावी व राघवेंद्र पनाडिया समेत सभी का सराहना करते हुए कहा ऐसे आयोजन न केवल संस्कृति और खेल को बढ़ावा देते हैं बल्कि युवाओं को अपनी क्षमता को पहचानने और निखारने का अवसर भी प्रदान करते हैं आप सभी इसी तरह से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करते हुए हमेशा आगे बढ़ें प्रतिभा हमेशा गांव के दूरांचल क्षेत्र में बसती है।

राधा कृष्णा नृत्य, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और मटकी सजावट प्रतियोगिता ने दर्शकों का मोहा मन

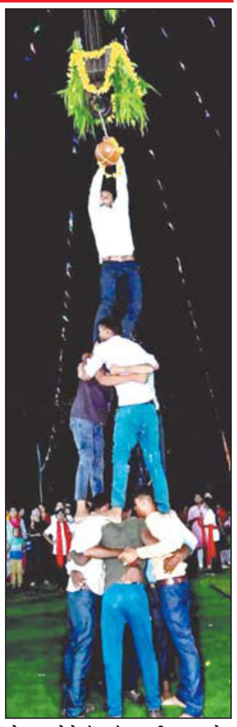

बैढ़न। सासन पावर लिमिटेड की टाउनशिप में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर टाउनशिप के सभी परिवार बड़ी संख्या में एकत्र हुए और पूरा परिसर भक्ति व उत्साह से सराबोर रहा। जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन जितेन्द्र प्रसाद एचओडी ईएचएस के कुशल मार्गदर्शन एवं निगरानी में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कम्पनी के सीईओ सचिन मोहापात्र और स्टेशन डायरेक्टर सुब्रताघोष द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पूजा अर्चना से हुआ। इस अवसर पर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष और पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। शाम को रंगारंग सांस्कृत प्रस्तुतियॉ हुई। राधा कृष्णा नृत्य, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और मटकी सजावट प्रतियोगिता ने दर्शकों का मन मोह लिया। विशेष आकर्षण का केन्द्र फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छोटे-छोटे बच्चों का राधा कृष्ण की वेशभूषाधारण करना रहा। प्रतियोगिता में अनेक प्रतिभागियों द्वारा ऑखों पर पट्टी बांध कर मटकी फोड़ना अत्यंत रोमांचकारी रहा। पिरामिड शैली की मटकी फोड़ प्रतियोगिता में हॉर्टिकल्चर टीम, फायर टीम, सिक्योरिटी टीम और एसोसिएट टीम की 10-10 सदस्यों की टीमों ने भाग लिया। बच्चों बालिकाओं, महिलाओं और विशेष समूह जीईटी की प्रतियोगिताओं ने भी दर्शकों को खूब रोमांचित किया। कम्पनी के सीईओ सचिन मोहापात्रा ने अपने संबोधन में भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों का स्मरण कराते हुए कहा जीवन का सार यही है ``कर्म करो, फल की चिन्ता मत करो``। उन्होंने कहा कि यही उपदेश आज भी हमें अपने कार्य और जीवन में प्रेरणा देते हैं और इसी भाव से हमें आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम का मंच संचालन विनोद शाहू ने किया।

बुद्धा मंदिर मैत्री हिल परिसर में मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

बैढ़न। बुद्ध मूर्ति मंदर, रिलायंस टाउनशिप, मंत्री हिल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम और श्रद्धा -भक्ति के साथ मनाया गया। टाउनशिप के आस-पास गांव के परिवारों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इसे यादगार बना दिया। महोत्सव का अयोजन सीईओ सचिन मोहापात्रा और स्टेशन डायरेक्टर सुब्रता घोष के मार्गदर्शन से, और जितेन्द्र प्रसाद एचओडी-ईएचएव की देख-रेख में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। स्टेशन डायरेक्टर सुब्रता घोष ने पूजा-अर्चना एवं दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता आकर्षण का केन्द्र रही। इस अवसर पर आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में पॉच टीमों- रजमिलान, पहला, फायर, हार्टिकल्चर और जीईटीएस टीम ने उत्साहपूर्वक भाग लिया प्रथम पुरस्कार फायर टीम ने जीता द्वितीय पुरस्कार हॉर्टिकल्चर तृतीय पुरस्कार जीईटीएस टीम ने प्राप्त किया एवं चतुर्थ पुरस्कार पहलवा टीम को मिला। कम्पनी के सीईओ सचिन मोहेपात्रा ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के इस अवसर पर आप सभी ने उत्साह और भक्ति के साथ महोत्सव में भाग लेकर इसे सफल और यादगार बनाया। ऐसे आयोजन हमारी टीम भावना और सहयोग की भावना को और मजबूत बनाते हैं। मैं आप सभी को इस योगदान और उत्साह के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। कम्पनी के स्टेशन डायरेक्टर सुब्रता घोष ने कहा कि इस जन्माष्टमी महोत्सव में आप सभी का उत्साह, सहयोग और भागीदारी अत्यंत सराहनीय रहा। भगवान श्री कृष्ण के जीवन और उपदेशों से हमें यह सीख मिलती है कि धैर्य, अनुशासन और सहयोग से हर कठिनाई को पार किया जा सकता है। मै आप सभी को इस सफलता और योगदान के लिए बधाई देता हूँ। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती बबिता राव ने किया। जबकि पूरे आयोजन का सफल कॉर्डिनशन मधुर जैन, जसपाल भट्टी और योगेन्द्र सिंह ने किया। महोत्सव की सफलता में सभी कर्मचारियों, प्रतिभागियों और बाहर से आए मेहमानों का योगदान रहा, जिससे यह आयोजन अत्यंत यादगार बन सका।

आजादी पर आधारित विभिन्न वर्गों हेतु फैंसी ड्रेस और नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

एनटीपीसी विंध्याचल विंध्य क्लब द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

जागरण, विंध्यनगर। एनटीपीसी विंध्याचल विंध्य क्लब द्वारां स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य मे आज परियोजना के उमंग भवन सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का थीम आजादी था। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक विंध्याचल संजीब कुमार साहा महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण ए जे राजकुमार महाप्रबंधक परियोजना अतिन कुंडु महाप्रबंधक प्रचालन सत्येंद्र कुमार सिन्हा महाप्रबंधक मेंटीनेंस एवं एडीएम मनिकयन सुरेश मानव संसाधन प्रमुख विंध्याचल राकेश अरोड़ा उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर थीम आजादी पर आधारित विभिन्न वर्गों हेतु फैंसी ड्रेस और नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों हेतु आयोजित की गई जिसमें लगभग 110 प्रतिभागियों नें बढ़.चढ़ कर भाग लिया एवं अपनी.अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत की जिसे देखकर सभी देशभक्ति कार्यक्रम में ओत.प्रोत हो गए। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता कक्षा 2 तक में आश्वी आहना प्रथम युवांश जायसवाल द्वितीय और हिमानी शेखावत तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा 3 से 6 तक की श्रेणी में अक्षिता आहना ने प्रथम मानवी सोनी ने द्वितीय और सान्विका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सोलो डांस महिला वर्ग में सुरभि प्रिया प्रथम सरोज प्रसाद द्वितीय तथा अनुपमा कुमारी तृतीय रहीं। वही सोलो डांस कक्षा 5 से 9 तक में मानवी सोनी प्रथम और कार्तिक बंटू द्वितीय स्थान पर रहे। ग्रुप डांस कक्षा 4 तक में प्रिशा गुप्ता व पार्थिव पांडे समूह ने प्रथम बेदांगशी दास व लावण्या गौड़ांग ने द्वितीय और निकित खंडेलवाल ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसी प्रकार ग्रुप डांस कक्षा 5 से 9 तक में गरिमा मालपानी समूह ने प्रथम अश्विता तिवारी समूह ने द्वितीय और देवांशी खंडेलवाल समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा छोटे.छोटे नन्हें बच्चों की प्रस्तुति को सराहा गया। सभी नें इस कार्यक्रम का भरपूर लुत्फ उठाया। इस अवसर पर पूरा उमंग भवन सभागार देशभक्ति कार्यक्रमों से गुंजयमान हो उठा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधकगण सुहासिनी संघ की अन्य पदाधिकारीगण कर्मचारी व उनके परिवारजनों के साथ.साथ यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं भारी संख्या में प्रतिभागीगण उपस्थित रहें।

हिंडालको महान टाउनशिप बरगंवा और बिड़ला कर्मचारी आवास सिंगरौली में श्रद्धा एवं उत्साह से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

जागरण, बैढ़न। हिंडालको महान टाउनशिप बरगंवा एवं बिड़ला कर्मचारी आवास में भक्ति और उल्लास के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर चारों ओर जय कन्हैयालाल की के उद्घोष गूंजते रहे और पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। हिंडालको महान टाउनशिप बरगंवा में जन्मोत्सव का आयोजन मानसी महिला मंडल द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठए भजन.संगीत और सामूहिक आरती का आयोजन हुआ। देर रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की मंगल बेला पर श्रद्धालुओं ने व्रत खोला और प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम की शोभा तब और बढ़ गई जब बच्चों को राधा.कृष्ण के स्वरूप में सजाकर प्रस्तुत किया गया जिसे देखकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। वहीं बिड़ला कर्मचारी आवास में स्थानीय आवासरत लोगों ने सामूहिक रूप से जन्माष्टमी मनाई। यहाँ आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही जिसमें युवाओं और बच्चों ने बढ़.चढ़कर भाग लिया और उपस्थित दर्शकों ने देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लिया। पूरे आयोजन के सफल संचालन में कार्मिक विभाग से विनय तिवारी हरिशंकर मिश्रा और विष्णु का विशेष योगदान रहा।

शक्तिनगर प्रखंड में खण्ड झरना बस्ती मे अखंड भारत संकल्प दिवस का कार्यक्रम संपन्न

शक्तिनगर। आज शक्तिनगर प्रखंड में खण्ड झरना बस्ती मे अखंड भारत संकल्प दिवस का कार्यक्रम संपन्न हुआ मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत सहसंयोजक संदीप गुप्ता का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ मुख्य प्रवक्ता के रूप में जिला संगठन मंत्री आनंद जी जिला मंत्री उपेंद्र सिंह जिला संयोजक शशि कांता दुबे का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ मुख्य संचालक के रूप में जिला सहसंयोजक विश्वजीत पाठक इस कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे हैं कार्यक्रम में सामाजिक बाते ओर देश हित के बारे में जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष राजेश गुप्ता कार्यक्रम में सहयोग पंकज चौबे प्रखंड उपाध्यक्ष रंजीत सिंह प्रखण्ड उपाध्यक्ष बिमलेश सिंह प्रखण्ड सह मंत्री बरमेश्वर तिवारी आकाश केशरी अतुल कुमार दीपक मनीष यादव साजन प्रिंस कुमार व गणमान्य लोग व कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे

तीसरे चरण से 2028 में होगा व्यवसायिक उत्पादन-नायक

एनटीपीसी सिंगरौली के तृतीय चरण का निर्माण कार्य प्रारंभ, 800 मेगावॉट की दो ईकाइयों की हो रही स्थापना

कार्यकारी निदेशक संदीप नायक रूबरू हुये मीडिया प्रतिनिधियों से

जागरण, शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली सुपर थर्मल पावर के तृतीय चरण का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। सयंत्र का निर्माण कार्य 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है एवं वर्ष 2028 में इन ईकाइयों से व्यवसायिक उत्पादन प्रारंभ हो जाएगा। परियोजना के तृतीय चरण में 800 मेगावॉट के दो ईकाइयों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। वर्तमान एवं परियोजना के दो चरणों में 500 मेगावॉट की चार ईकाइयों से 2000 मेगावॉट का विद्युत उत्पदान किया जा रहा है। यह बातें एनटीपीसी सिंगरौली के कार्यकारी निदेशक संदीप नायक ने आज कही। श्री नायक आज क्षेत्रीय मीडिया प्रतिनिधियों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने बताया कि सिंगरौली विद्युत गृह एनटीपीसी की प्रथम ईकाई है। जो 50 वर्ष के बाद भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में परियोजना द्वारा 500 मेगावॉट की चार ईकाइयों से 2000 मेगावॉट का विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तृतीय चरण में 800 मेगावॉट की दो ईकाइयों के लिए निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। जो 2027 तक पूर्ण किये जाने की संभावना है। कार्यकारी निदेशक ने परियोजना द्वारा पर्यावरण संरक्षण राख प्रबंधन नैगम सामाजिक दायित्व सहित विस्थापितों के कल्याण के लिए किये जा रहे विभिन्न कार्यो का विस्तार से उल्लेख करते हुये बताया कि सिंगरौली विद्युत उत्पादन के साथ.साथ क्षेत्र के विकास एवं विस्थापितों के कल्याण के लिए भी सर्मपित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण एवं क्षेत्र हित के लिए दिये गये सूझावों पर प्राथमिकता से अमल किया जाएगा। इसके पूर्व विद्युत गृह के जय प्रकाश कुशवाहा द्वारा पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विद्युत गृह के नैगम सामाजिक दायित्व के तहत किये गये कार्यो एवं परियोजना की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित जानकारी पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की। इसके पूर्व विद्युत गृह के मानव संसाधन प्रमुख सिद्धार्थ मण्डल ने आये हुये मीडिया प्रतिनिधियों को रोज बड प्रदान कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधन मानव संसाधन राजभाषा डा. ओमप्रकाश ने किया तथा कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन जनसंपर्क अधिकारी श्रीमती रामा साहा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य महाप्रबंधक ऑपरेशन एवं मेंटिनेंश जोसेफ सबातियन महाप्रबंधक मेटिनेंश एवं एडीएम सीएच किशोर कुमार मुख्य चिकित्सा अधिकारी एसके सिंह सहित विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

मेधा केवल प्रतियोगिता ही नहीं, जिज्ञासा एवं सतत् सीखने की यात्रा : साहा

एनटीपीसी विंध्याचल में उत्तरी क्षेत्र मेधा प्रतियोगिता एवं पावर क्विज़ 25 का आयोजन, जिज्ञासा और प्रतिभा को मिला प्रोत्साहन

जागरण, विंध्यनगर। एनटीपीसी विंध्याचल ने उमंग भवन सभागार में उत्तरी क्षेत्र मेधा प्रतियोगिता एवं पावर क्विज़ 25 का भव्य आयोजन किया। इस क्षेत्रीय चरण में विंध्याचल सिंगरौली रिंहद टांडा झज्जर मेजा ऊँचाहार और फरीदाबाद सहित 8 परियोजनाओं से कुल 30 टीमें क्विज़ तथा मेधा प्रतियोगिता की चार श्रेणियों जूनियर मिडिल सीनियर एवं कर्मचारी वर्ग के लिए चयनित हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि संजीब कुमार साहा मुख्य महाप्रबंधक विंध्याचल तथा प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों डीपीएस विंध्यनगर के प्राचार्य डा. जनार्दन पांडेय एवं क्विज़ मास्टर गौतम बोस की उपस्थिति में हुई। दीप प्रज्वलन एवं एनटीपीसी गीत ने समारोह का शुभारंभ किया। अपने स्वागत भाषण में राकेश अरोड़ा प्रमुख मानव संसाधन विंध्याचल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं तथा एनआर मुख्यालय को इस महत्वपूर्ण क्षेत्रीय चरण की मेज़बानी का अवसर देने हेतु आभार व्यक्त किया। श्री साहा ने अपने उद्बोधन में मेधा को केवल प्रतियोगिता ही नहीं बल्कि जिज्ञासा एवं सतत् सीखने की यात्रा बताया। वहीं समीरन सिन्हा रे मुख्य महाप्रबंधकमानव संसाधनद्धए एनआर मुख्यालय ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों को शुभाशीष प्रदान किया। क्विज़ मास्टर गौतम बोस ने अपनी रोचक शैली से प्रश्नोत्तर सत्र को बेहद आकर्षक और संवादात्मक बनाया जिससे प्रतिभागी ही नहीं दर्शक भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे। ऊँचाहार एवं झज्जर से आए प्रतिभागियों ने आयोजन की सराहना करते हुए स्टेशन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और आतिथ्य की प्रशंसा की।

एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान आज, 9 सितंबर से यूएई में टी-20 टूर्नामेंट

शीर्ष क्रम से गेंदबाजी विभाग तक, हर स्थान के लिए कई दावेदार, गिल की पहेली को सुलझाना सबसे बड़ी चुनौती

जेएनएन, नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रीय चयन समिति संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए मंगलवार को जब 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगी, तो उसके सामने एक मजबूत टी-20 ढांचे में शुभमन गिल जैसे शानदार बल्लेबाज को फिट करना सबसे बड़ी चुनौती होगी। अगले साल फरवरी में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए भारत की तैयारी एशिया कप के साथ शुरू हो जाएगी। इंग्लैंड दौरे ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले गिल के लिए नौ से 28 सितंबर तक होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम में जगह बनाना मुश्किल नजर आ रहा है। अजीत अगरकर और उनके सहयोगियों के लिए यह सबसे बड़ी पहेली होगी, लेकिन भारतीय क्रिकेट इस समय टी-20 प्रतिभाओं का कारखाना है, जिसमें कम से कम 30 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में आने के लिए तैयार हैं और एक स्थान के लिए तीन से चार विकल्प उपलब्ध हैं। बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष तीन स्थानों के लिए समान योग्यता रखने वाले छह क्रिकेटर उपलब्ध हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने पिछले सत्र में राष्ट्रीय टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन (आईपीएल सर्वाधिक रन बनाने के लिए ऑरेंज कैप विजेता) को भी उनसे कम करके नहीं आंका जा सकता। गेंदबाजी में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई के बीच एक स्थान के लिए संघर्ष है। इन सबमें सबसे चतुर खिलाड़ी युजवेंद्र चहल को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है, लेकिन चयनकर्ता केवल 15 खिलाड़ियों का ही चयन कर सकते हैं और टी-20 टीम के निर्णय लेने वाले पदों पर बैठे लोगों का दृष्टिकोण दिलचस्प है।

शुभमन गिल या जायसवाल की वापसी हुई तो सैमसन होंगे बाहर

अभिषेक और सैमसन की सलामी जोड़ी भारत के लिए पिछले 12 टी-20 से पारी का आगाज करती आ रही है। साल की शुरुआत में जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने आखिरी टी-20 सीरीज खेली थी, जिसमें अभिषेक का प्रदर्शन लाजवाब रहा था। उस सीरीज के दौरान उन्होंने 219.68 के स्ट्राइक रेट से 279 रन बनाए थे, जिसमें वानखेड़े पर 54 गेंदों में 135 रन की पारी शामिल है। अभिषेक एक उपयोगी बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज भी हैं। दूसरी ओर सैमसन की बात करें तो चोट और निरंतरता की कमी उनकी सबसे बड़ी समस्या रही है। आईपीएल में वह चोट की वजह से नौ ही मैच खेल पाए थे और उससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में उन्हें जोफ्रा आर्चर की हार्ड लेंथ गेंदों ने काफी तंग किया था। लेकिन उससे पहले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर और घर में बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने कमाल का फॉर्म दिखाया था, सैमसन ने उस दौरान पांच पारियों में तीन शतक लगाए थे। हालांकि इसके बावजूद अगर चयनकर्ताओं ने शुभमन या जायसवाल को बतौर ओपनर खिलाने की तरफ सोचा तो फिर सैमसन का पत्ता कट सकता है। जायसवाल पिछले साल टी-20 विश्व कप में भी भारतीय दल में बैकअप ओपनर के तौर पर शामिल थे। जबकि गिल ट्रैवेलिंग रिजर्व थे, लेकिन उसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर सूर्यकुमार की गैरमौजूदगी में वह कप्तान थे और श्रीलंका दौरे पर टीम के उप-कप्तान भी रहे थे।

सूर्यकुमार यादव ने जिताए पिछले 20 टी-20 में से 17 मैच

टीम प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण सदस्य का मानना है कि पिछले सत्र में नियमित रूप से अंतिम एकादश में शामिल रहे किसी भी खिलाड़ी को किसी बड़े स्टार को जगह देने के लिए टीम से बाहर करना सही नहीं होगा। दूसरी विचारधारा यह है कि भारतीय क्रिकेट सभी प्रारूपों में खेलने वाले एक कप्तान के साथ सही दिशा में आगे बढ़ता है, जो उसका सबसे बड़ा मार्केटिंग ब्रांड भी बन जाता है। इस मामले में गिल सभी हितधारकों के लिए एक स्पष्ट विकल्प हैं। सूर्यकुमार यादव के कुशल नेतृत्व में भारतीय टी-20 टीम का रिकॉर्ड 85 प्रतिशत का है और उसने अपने पिछले 20 मैचों में से 17 में जीत हासिल की है। इनमें से किसी भी मैच में गिल और जायसवाल शामिल नहीं थे। पिछले एक साल में टेस्ट प्रतिबद्धताओं में व्यस्त होने से पहले गिल और यशस्वी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे और उन्होंने आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया। गिल दरअसल सूर्यकुमार के साथ उप कप्तान थे, लेकिन उन्हें टेस्ट मैचों के कारण टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से हटना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को उप कप्तान बनाया गया था। चयनकर्ता अगर गिल को 15 खिलाड़ियों में चुनते हैं, तो उन्हें फिर अंतिम एकादश में भी रखना होगा, जिसका मतलब है कि संजू, अभिषेक या तिलक में से किसी एक को अपने बल्लेबाजी स्थान से समझौता करना होगा।

श्रेयस और तिलक में टक्कर

सूर्या, हार्दिक और अक्षर का खेलना तो तय है, लेकिन इसके बावजूद मध्यक्रम में दो जगह खाली है या अगर बल्लेबाजी गहराई को और मजबूत किया जाए तो तीन जगह भी हो सकती है। नंबर-3 स्थान के लिए तिलक वर्मा और श्रेयस अय्यर के बीच जोरदार प्रतिस्पर्धा हो सकती है। जिस तरह अभिषेक और सैमसन ने हालिया समय में प्रभावित किया है, वैसे ही तिलक ने भी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर दो शतक के साथ 198.48 के स्ट्राइक रेट से 280 रन बनाए थे। दूसरी ओर श्रेयस ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए 175.07 के स्ट्राइक रेट से 600+ रन बनाए थे, और वह इस लीग के इतिहास के सिर्फ तीसरे ऐसे बल्लेबाज थे, जिन्होंने एक सीजन में 175+ के स्ट्राइक रेट से 600 या उससे ज्यादा रन बनाए हों। स्पिनर्स के खिलाफ उनकी ताकत उन्हें यूएई की परिस्थितियों में भारतीय दल में जगह दिला सकती है। तिलक और श्रेयस दोनों ही नंबर-3 के दावेदार हैं, ऐसे में भारत एक ऐसे विकेटकीपर की ओर भी देख सकता है जो फिनिशर का काम अंजाम दे सके। ऐसी स्थिति में जितेश शर्मा का नाम ध्रुव जुरेल से ऊपर हो सकता है, आरसीबी के लिए उन्होंने आईपीएल 2025 में यही भूमिका बेहतरीन अंदाज में निभाई थी।

वरुण या कुलदीप या फिर दोनों

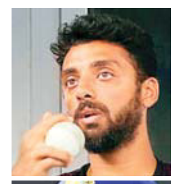

कुलदीप भारत की पिछली टी-20 सीरीज चोट से उबरने की वजह से नहीं खेल पाए थे। उनकी गैरमौजूदगी में वरुण चक्रवर्ती ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए सीरीज में 7.66 की इकॉनमी से 14 विकेट झटके थे। इस प्रदर्शन के दम पर चक्रवर्ती ने भारतीय वनडे टीम में भी जगह बना ली थी और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता दल का हिस्सा रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी में चक्रवर्ती और कुलदीप दोनों ही टीम इंडिया का हिस्सा थे। चक्रवर्ती और कुलदीप दोनों ही अगर एक बार फिर प्लेइंग-11 का हिस्सा होते हैं, तो फिर भारत या तो एक बल्लेबाज कम खिलाएगा।

बुमराह व अर्शदीप के साथ कौन

अगर जसप्रीत बुमराह फिट हैं, तो वह और अर्शदीप सिंह दोनों ही तेज गेंदबाजी आक्रमण में सीधे शामिल होंगे। अर्शदीप भारत के लिए सर्वाधिक टी-20 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। ऐसे में तीसरे सीमर की दौड़ में आईपीएल 2025 के पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा सबसे आगे हैं। हर्षित का इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 डेब्यू कनकशन सब्सटीट्यूट के तौर पर हुआ था, जब शिवम दुबे को चोट लगी थी, उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए तीन विकेट निकाले थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज दो अक्टूबर से शुरू होगी, इसलिए समझा जा रहा है कि अपेक्षाकृत कमजोर मेहमान टीम के खिलाफ बुमराह की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि प्रसिद्ध और सिराज तरोताजा और खेलने के लिए तैयार होंगे।

खेल एक नजर

एशिया कप में पाकिस्तान की जगह ले सकता है बांग्लादेश

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान अगर 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होने वाले पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेता है, तो उसकी जगह बांग्लादेश को शामिल किया जा सकता है। हॉकी इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह एशिया कप के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा उपलब्ध कराएगी, लेकिन पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए यात्रा करने से इनकार कर दिया है। आयोजकों ने आठ टीमों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह भरने के लिए बांग्लादेश से संपर्क किया है, लेकिन हॉकी इंडिया ने कहा कि अगले 48 घंटों में वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। एशिया कप 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है मेजबान भारत के अलावा, एशिया कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें चीन, जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ओमान और चीनी ताइपे हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट में सिराज को आउट करना हमेशा याद रहेगा : बशीर

लंदन, जेएनएन। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर का मानना है कि भारत के मोहम्मद सिराज को आउट करके लॉर्ड्स टेस्ट मैच में इंग्लैंड को जीत दिलाने का पल उन्हें हमेशा याद रहेगा। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने ऐसे समय में सिराज को आउट करके इंग्लैंड को जीत दिलाई जब भारत रविंद्र जडेजा की शानदार पारी से जीत की तरफ बढ़ रहा था। बशीर ने इसका श्रेय अपने पूर्व साथी मोइन अली को दिया। बशीर ने कहा कि मैं पहली बार मोइन से एजबेस्टन में मिला था और हमने खूब बातें कीं। मोइन ने मुझे कैरम बॉल फेंकने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं और उनका यह कहना कि 'खुद पर भरोसा रखो,' मेरे लिए बहुत मायने रखता था। बशीर ने कहा, मैं पिछले कुछ समय से कैरम बॉल पर काम किया। मैं इस गेंद का लगातार अभ्यास कर रहा था। मैंने सिराज को इसी गेंद पर आउट किया (पहली पारी में स्टंप आउट), एक बहुत ही धीमी गेंद पर जिसकी गति लगभग 43 से 44 मील प्रति घंटा थी। उन्होंने कहा, सिराज को दूसरी पारी में आउट करने का पल मुझे हमेशा याद रहेगा।

16 साल में पहली बार स्पेनिश लीग में एटलेटिको मैड्रिड ने पहला मैच गंवाया

ला लिगा: अल्वारेज और मिगुएल के गोल से एस्पेनयोल जीता

जेएनएन, मैड्रिड

कई नए खिलाड़ियों के साथ खेल रही एटलेटिको मैड्रिड की स्पेनिश फुटबॉल लीग में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे 16 साल में पहली बार ला लिगा के अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। एटलेटिको ने शुरुआत में बढ़त हासिल की, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया और उसे एस्पेनयोल ने 2-1 से हरा दिया। यह 2009 के बाद पहला अवसर है, जबकि एटलेटिको को स्पेनिश लीग के शुरुआती मैच में पराजय झेलनी पड़ी। एटलेटिको ने 37वें मिनट में जूलियन अल्वारेज के फ्री किक से बढ़त बना ली, लेकिन 73वें मिनट में मिगुएल रुबियो और 84वें मिनट में पेरे मिल्ला के गोल के कारण उसे हार का मुंह देखना पड़ा। गेटाफे ने सेल्टा विगो पर 2-0 से जीत दर्ज की। विजेता टीम की तरफ से एड्रियन लिसो और क्रिस्टेनस उचे ने दूसरे हाफ में गोल किए।

लीग-1 : पीएसजी ने जीत के साथ अभियान शुरू किया

पेरिस। चैंपियंस लीग की चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लीग 1 के अपने शुरुआती मैच में नैनटेस पर 1-0 की जीत दर्ज करके फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में खिताब बचाने का अपना अभियान शुरू किया। मैच का एकमात्र गोल पुर्तगाल के मिडफील्डर विटिना ने 67वें मिनट में किया। उन्होंने लगभग 20 मीटर दूर से गेंद ली और डिफेंडर चिदोजी अवाजिएम को छकाकर गोल किया। कोच लुइस एनरिक की टीम के लिए यह गोल काफी साबित हुआ, जो एक बार फिर गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा के बिना खेल रही थी। एक अन्य मैच अनुभवी स्ट्राइकर ओलिवियर गिरौड को लीग 1 में वापसी करने पर गोल करने में केवल 11 मिनट लगे, लेकिन उनकी नई टीम लिली ने ब्रेस्ट के साथ 3-3 से ड्रॉ खेला।

वास्को डा गामा ने सैंटोस की 6-0 से हराया, नेमार के करियर की सबसे बुरी हार

साओ पाउलो, जेएनएन। दिग्गज खिलाड़ी नेमार जूनियर को अपने करियर के सबसे कठिन दौर से गुजरना पड़ा, जब ब्राजील की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में वास्को डा गामा ने सैंटोस को 6-0 से करारी शिकस्त दी। इस हार के बाद नेमार अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके और मैदान से बाहर निकलते समय उनकी आंखे नम दिखी। सैंटोस ने इस हार के बाद अपने कोच क्लेबर जेवियर के साथ भी करार खत्म कर दिया। जेवियर इस साल अप्रैल में टीम के कोच नियुक्त हुए थे। सैंटोस की टीम इस करारी शिकस्त के बाद 20 टीमों की लीग में 15वें स्थान पर है। टीम पर रेलीगेशन (निचली लीग में खिसकना) का खतरा है। सैंटोस के रेलीगेशन स्थान पर काबिज टीम से सिर्फ दो अंक अधिक है। इस मैच में वास्को के फिलिप कोटिन्हो ने दो गोल किए। मैच के बाद सैंटोस के टीम के सदस्य ने मैदान पर नेमार को सांत्वना दी। 33 साल के नेमार बार्सिलोना और पीएसजी जैसी शीर्ष यूरोपीय क्लब के प्रतिनिधित्व के बाद सऊदी अरब में खेला था। सऊदी अरब में सफलता नहीं मिलने के बाद नेमार अपने बचपन के क्लब में लौट आए थे। उन्होंने जून में इस क्लब के साथ अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए, जिससे वह साल के अंत तक सैंटोस के साथ ही रहेंगे।

दलीप ट्रॉफी: इशान बाहर, आकाश दीप को आराम

कोलकाता, जेएनएन। भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन चोट से उबरने के कारण उत्तर क्षेत्र के खिलाफ होने वाले दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच में पूर्व क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे। किशन टीम के कप्तान भी थे। भारतीय घरेलू सत्र का पहला टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से बेंगलुरु में बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के मैदानों में खेला जाएगा। इंग्लैंड के हालिया दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने वाले आकाश दीप कमर की चोट से अभी तक पूरी तरह ठीक नहीं हो पाए हैं। 28 साल के इस गेंदबाज की जगह बिहार के मुख्तार हुसैन को पूर्व क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है। किशन भी हाथ की चोट से पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं। किशन के एक करीबी सूत्र ने कहा कि किशन के ई-बाइक से गिरने के बाद उनके हाथ में कुछ टांके लगे हैं।

यूएस ओपन: अल्काराज-राडुकानू का सामना नंबर एक जोड़ी से होगा

न्यूयॉर्क, जेएनएन। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल में खेलने के लिए नया जोड़ीदार मिल गया है, जबकि एम्मा राडुकानू और कार्लोस अल्काराज की जोड़ी पहले दौर में नंबर एक वरीयता प्राप्त टीम का सामना करेगी। अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होगा, जिसमें 16 टीम भाग लेंगी। इसके लिए ड्रॉ रविवार को डाले गए। टूर्नामेंट की विजेता टीम को 10 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर अब 10 बार की महिला युगल प्रमुख चैंपियन कैटरीना सिनियाकोवा के साथ जोड़ी बनाएंगे। उन्हें एम्मा नवारो के साथ जोड़ी बनानी थी, लेकिन अगले हफ्ते मैक्सिको के मॉन्टेरी में होने वाले महिला टूर्नामेंट में खेलने के लिए उन्होंने नाम वापस ले लिया। इस प्रतियोगिता में रविवार को जिन अन्य नई टीमों को जोड़ा गया उनमें दो बार की अमेरिकी ओपन महिला चैंपियन नाओमी ओसाका और गेल मोनफिल्स, कैरोलिना मुचोवा और आंद्रे रुबलेव तथा कैटी मैकनली और लोरेंजो मुसेट्टी शामिल हैं। अल्काराज और राडुकानू दोनों पूर्व अमेरिकी ओपन एकल चैंपियन हैं। उनका सामना जेसिका पेगुला और जैक ड्रेपर की टीम से होगा, जिन्हें संयुक्त एकल रैंकिंग के आधार पर नंबर एक वरीयता दी गई है।

सिटी स्पोर्ट्स

अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल में ओपन जिम शुरू, पहलवान विराज का सम्मान

भोपाल, खेप्र। शहर के अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल में ओपन जिम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आगामी अंडर-15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवा पहलवान विराज बाथम का सम्मान किया गया। यह प्रतियोगिता नागपुर (महाराष्ट्र) में होगी। खेल विभाग द्वारा स्कूल को प्रदान किए गए ओपन जिम का शुभारंभ खेल विभाग के संयुक्त संचालक बालू सिंह यादव, भोपाल जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष कमर साकिब, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव सक्सेना और भेल स्पोर्ट्स क्लब के सचिव आरएस कठेत, अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल के अध्यक्ष हाजी इलियास पहलवान, सचिव नफीस कुरैशी और संचालक व विश्वामित्र अवार्डी शाकिर नूर और कोच विक्रम अवार्डी फातिमा बानो ने किया। संयुक्त संचालक यादव ने कहा कि अखाड़ा ट्रेनिंग स्कूल का माहौल और प्रशिक्षण देखकर इसे कुश्ती की नर्सरी कहना गलत नहीं होगा। उन्होंने परंपरागत दंगल संस्कृति को भोपाल की पहचान बताते हुए कहा कि नई पीढ़ी के पहलवान इसे मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं।

भोपाल को मिलेगा नया खेल मैदान

बीडीसीए की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन, सदस्यों व खिलाड़ियों का सम्मान

भोपाल, खेप्र। भोपाल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (बीडीसीए) की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन मोटल शिराज में किया गया। बैठक में आगामी क्रिकेट सीजन की तैयारियों पर चर्चा की गई। सभा में एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लेकर मैदानों की स्थिति, खिलाड़ियों की तैयारी और संचालन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की। सभा की अध्यक्षता कर रहे बीडीसीए के अध्यक्ष ध्रुवनारायण सिंह ने बताया कि मप्र ग्रह निर्माण मंडल द्वारा अयोध्या बायपास पर एक खेल मैदान का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि मैदानों और पिचों को पूरी तरह तैयार किया जाए, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। विभिन्न आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी कराया जाए।

बीडीसीए के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डॉ. सुशील सिंह ठाकुर ने बताया कि समारोह में भोपाल संभाग के वरिष्ठ सदस्य अजय मिश्रा, माजिद रजा खान, अमीन मोहम्मद खान, पलविंदर सिंह संधू, रवि सेठी एवं शिखा बाबा और खिलाड़ियों विकास शर्मा, ग्रंथ प्रजापति, रुद्र तोमर, अनमोल मुंडा और कुमारी निशिता विश्वकर्मा को सम्मानित किया गया।

इंदौर में भोपाल क्रिकेट संघ पुरस्कृत

मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) द्वारा वर्ष 2023-24 और 2024 -25 की विजेता टीम के इंटर डिविजनल टूर्नामेंट जीतने पर भोपाल संभाग क्रिकेट संघ को इंदौर में पुरस्कृत किया गया।

सेपक टकरा में मॉडल स्कूल बना ओवरऑल चैंपियन, 6 खिलाड़ी संभाग स्तर पर खेलेंगे

भोपाल, खेप्र। मॉडल स्कूल दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर जिला स्तरीय शालेय सेपक टकरा खेल प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियन बना। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता का आयोजन मॉडल स्कूल में किया गया, जिसमें भोपाल के 22 विद्यालयों ने भाग लिया गया। बालक अंडर-19 आयु वर्ग के फाइनल में मॉडल स्कूल ने जवाहरलाल स्कूल को 25-10 से हराया। अंडर-17 में मॉडल स्कूल ने लीलावती स्कूल को 25-15 से शिकस्त दी। अंडर-14 में मॉडल स्कूल ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसके साथ ही स्कूल के 6 छात्रों का चयन संभाग स्तर के लिए हुआ। अंडर-14 में लक्ष्य चतुर्वेदी, अंडर-17 में प्रथम खडककर व निखिल तथा बालिका वर्ग में निकिता यादव और अंडर-19 में दक्ष चतुर्वेदी एवं रोनित खडककर का चयन हुआ है। ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी विद्यालय की प्राचार्य रेखा शर्मा एवं उपप्राचार्य आरके श्रीवास्तव और खेल अधिकारी दीवान चंद मौली द्वारा छात्रों को प्रदान की गई।

दैनिक जागरण
रीवा, 19 अगस्त, 2025
सतना जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

युवा संगम मेला 20 अगस्त को टाउनहाल सतना में

सतना। जिला प्रशासन, शासकीय आईटीआई सतना एवं जिला रोजगार कार्यालय सतना के सहयोग से सतना जिले में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि टाउनहाल हाल सेमरिया चौक सतना में 20 अगस्त को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम मेले का आयोजन किया जा रहा है।

डबल लॉक वितरण केन्द्रों में प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक बटेंगे टोकन

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशानुसार सतना जिले के किसानों को सुगमता पूर्वक डबल लॉक वितरण केन्द्रों से खाद का वितरण किया जा सके। इसके लिए 19 अगस्त से सतना स्थित जिला विपणन संघ के संचालित डबल लॉक वितरण केन्द्रों में नई व्यवस्था प्रारंभ की जा रही है। इसके अनुसार जिला विपणन संघ के डबल लॉक वितरण केन्द्र शेरगंज और डबल लॉक वितरण केन्द्र सिविल लाइन के वितरण स्थल कृषि अभियांत्रिकी कार्यालय में प्रातः 7 बजे से प्रातः 11 बजे तक किसानों को टोकन वितरित किये जायेंगे।

Dr. Juneja's पेट सफा® Natural Laxative Granules & Tablets
No More ज़ोर
पेट सफा लो हर रोज...
अगर आप भी कब्ज़, गैस, एसिडिटी जैसी समस्याओं से परेशान हैं तो आज ही लीजिए, पेट सफा ग्रेन्यूल्स/टैबलेट्स। यह मुंह में चिपकता नहीं। सोने से पहले खाएं और आराम पाएं।
कब्ज़ • गैस एसिडिटी
24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores
20% EXTRA
UIN-A09-AY-PB-2025

बदला लेने की नियत से कर दी हत्या

रामनगर के भितरी जंगल में हुई चौकीदार की अंधी हत्या का पुलिस ने 72 घण्टे में किया खुलासा

जागरण सतना

पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देशन एवम मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी रामनगर निरी विजय त्रिपाठी द्वारा अंधी हत्या का खुलासा करते हुये आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरणः फरियादिया सुन्दरिया कोल पति संतोष कुमार कोल उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम कन्दवारी ड़गनिहा टोला द्वारा 13 अगस्त को थाना रामनगर में अपने पति संतोष कुमार कोल की गुमशुदगी की रिपोर्ट लेख कराई गई थी । उसी रात संतोष कोल की मोटर सायकल भितरी के जंगल मे देर रात मिलने की सूचना पर सघनता से गुमशुदा की पता तलास प्रारंभ की गई। 14 अगस्त को गुमशुदा संतोष कोल का शव भितरी के जंगल मे मिला। जिस पर रामनगर पुलिस द्वारा मर्ग पंजीबद्ध कर जांच की गई। घटना स्थल सुरक्षित कर एफएसएल यूनिट द्वारा घटना स्थल एवं शव का निरीक्षण किया गया। घटना स्थल से भौतिक साक्ष्य संकलित किये गये । घटना स्थल से करीब 800 मीटर दूर एवम रोड से करीब 20 मीटर की दूरी पर अंदर जंगल मे खड़ी गुमशुदा की मोटर सायकल जिसकी डिग्गी मे मृतक का मोबाईल ,स्कूल की चाबी का गुच्छा व खाने से भरा हुआ टिफिन जप्त किया गया । मृतक की मृत्यु संदेहास्पद होने से हर बिन्दु व पहलुओ का अध्ययन कर घटना के संबंध मे साक्ष्य संकलित किए गए। पीएम रिपोर्ट मे मृतक की मृत्यु किसी भारी हथियार से सिर मे प्रहार कर चोट पहुंचाने से होना लेख किया गया। संदेह के आधार पर पुलिस के द्वारा गांव के एक युवक रजनीकान्त उर्फ रोहित कोल पिता रामस्वरुप कोल नि कंदवारी को अभिरक्षा मे लेकर हिकमत अमली से पूछताछ की गई । जिसके द्वारा अपना जुर्म कबूल करते हुए मृतक संतोष कोल की लड़की से बात करने को लेकर मना करने एकई बार विवाद करने व खजलइया के दिन दिनांक 10 अगस्त को रात करीब 09 बजे मृतक संतोष कोल द्वारा आरोपी रजनीकान्त को सार्वजनिक रुप से बेइज्जत करने के चलते बदला लेने की नियत से 13 अगस्त को बांस का डंडा लेकर भितरी के जंगल मे इंतजार करना व मृतक संतोष कोल का अपनी मोटर सायकल से सरिया स्कूल मे रात्रि ड्युटी करने जाने के दौरान भितरी के जंगल मे पहुंचने पर आरोपी द्वारा मृतक को आवाज देकर रोकने व मृतक से गाली गलौज कर बांस के डंडे से हत्या करने की नियत से सिर मे पीछे तरफ वार करना बताया ।

भीषण अग्नि में किराना दुकान खाक

जागरण सतना। समीपस्थ ग्राम लोहरौरा में एक किराना दुकान में रविवार सोमवार की मध्य रात्रि में भीषण अग्नि कांड के चलते पूरी दुकान खाक हो गयीं । जानकारी के मुताबिक ऊँचेहरा तहसील अन्तरगत ग्राम लोहरौरा ए थाना सिटी कोतवाली सतना में विनीत कुमार गुप्ता की किराना दुकान में अज्ञात कारणों से मध्य रात्रि को भीषण आग लग गयी जिसे आस पड़ोस वालों ने देखा तब दुकान मालिक को जगाया तब परिवार के लोग एवं आस पड़ोस ने आग बुझाने का प्रयास किया किन्तु आगपर काबू नही पाया जा सका इस बीच किसी ने डायल 100 पर एवं अग्निशमन को सूचित किया जिससे वो तत्काल मौके पर पहुँच कर आग में काबू पाया किन्तु तब तक पूरी दुकान खाक हो गयी थी । दुकान से लगा पीछे की तरफ दुकान मालिक अपने परिवार के साथ रहते थे जो किसी तरह छत के ऊपर से पड़ोसी के मकान से चढ़ कर अपनी एवं परिवार की जान बचाई पीड़ित दुकानदार ने बतलाया कि उसका लगभग 20 लाख रुपये का नुकसान होगया एवं हमारी सारी पूँजी खतम हो गयी अब हम अपने परिवार का भरण पोषण कैसे कर सकेंगे । पीड़ित ने थाना सिटी कोतवाली में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है तथा अनुविभागीय अधिकारी को भी सूचना दिया है । जिससे पटवारी शुभम पांडे ने त्वरित कार्यवाही कर मौका मुआयना कर पंचनामा बनाया है एवं पुलिस भी मौके पर पहुँच कार्यवाही कर रही है।

नगर निगम की आईईसी टीम ने आयोजित की स्वच्छता जागरुकता गतिविधियाँ

सतना। स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत आज दिनांक 18 अगस्त 2025 को नगर पालिक निगम सतना की आईईसी टीम द्वारा विभिन्न वार्डों में स्वच्छता जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। वार्ड क्रमांक 29 में नागरिकों को प्लास्टिक प्रतिबंध एवं चार बिन के माध्यम से कचरा पृथक्करण की जानकारी दी गई साथ ही सरस्वती नवोदय पब्लिक स्कूल एवं सरस्वती स्कूल में स्वच्छता की पाठशाला आयोजित की गई। वार्ड क्रमांक 04 में लोगों को स्वच्छ शौचालय के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। वहीं वार्ड क्रमांक 30 में नागरिकों को चार बिन प्रणाली घर पर कंपोस्ट बनाने की विधिए स्रोत पर ही कचरे का पृथक्करण प्लास्टिक प्रतिबंधकी जानकारी दी गई। इन गतिविधियों का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छ सतना लक्ष्य अपना को साकार करना है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विपिन गुप्ता युवा समाज सेवी अबेर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
हेमराज सिंह पूर्व उपसरपंच अबेर

दो सीएमओ व एसडीएम को नोटिस जारी

कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान की कार्यवाही

जागरण सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग जारी होने में 2-3 दिन का समय शेष है। सभी विभाग जुलाह माह की सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में फोकस कर अधिकाधिक रूप से संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग ए श्रेणी में आने का प्रयास करें। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। इस मौके पर सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम सोमेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा, अधीक्षण यंत्री प्रमिल मिश्रा सहित जनपद के सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायतकर्ता से बातचीत करें तो संतुष्टिपूर्ण निराकरण का प्रतिशत बढेगा। नागरिक आपूर्ति निगम, ऊर्जा, नगरीय विकास, राजस्व, लोक स्वास्थ्य, जल संसाधन, सामान्य प्रशासन विभाग और अधिक मेहनत कर बी अथवा ए श्रेणी में आये। प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना की समीक्षा में कलेक्टर ने नगरीय निकायवार समीक्षा करते हुए कहा कि कच्चे घरों की अधिकता वाली बस्ती को चिन्हित कर आबादी अथवा धारणाधिकार प्राप्त हितग्राहियों की भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का प्रोजेक्ट बनायें। उन्होंने चित्रकूट नगर पंचायत के थर पहाड, बटोही और पोखरवार के रहवासियों के लिए भी प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत बडे प्रोजेक्ट बनाने के निर्देश दिये। नगर पंचायत चित्रकूट के सीएमओ अंकित सोनी के बिना पूरी तैयारी किये बैठक में शामिल होने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसी तरह रामपुर बघेलान नगर पंचायत में बन चुके प्रधानमंत्री आवास एएचपी घटक में अब तक हितग्राहियों को शिफ्ट नहीं करने पर सीएमओ को एक सप्ताह की वेतन काटने कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गयें

कलेक्टर ने कहा कि गुरूवार को अपरान्ह 3 बजे से एसडीएम, तहसीलदार, सीएमओ की बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा की जायेगी। इसी प्रकार गुरूवार की शाम 4 बजे से एसडीएम, तहसीलदार, जिला संयोजक जनजातीय कार्य, संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव, पटवारी और वन विभाग के बीट गार्ड की बैठक लेकर वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों के निराकरण और समीक्षा की जायेगी। बताया गया कि ऐसे 10 गांव है। जिनमें वन अधिकार अधिनियम के तहत समस्या आ रही हैं

अंतर्रविभागीय मामलों में कलेक्टर ने रीवा-सतना रेल्वे लाइन दोहरीकरण के भू-अर्जन की समीक्षा की। उन्होंने बगहाई कोठार में रेल्वे का कार्य रोकने वाले व्यक्तियों की सूचना नहीं देने पर रेल्वे के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने पूर्व में निर्देशित किया था कि जिले में विकास परियोजनाओं के कार्य रूकने नहीं चाहिए। कही रूकावट की स्थिति हो तो संबंधित एसडीएम और कलेक्टर को विभाग सूचित करेंगे। रेल्वे लाइन दोहरीकरण के भू-अर्जन कार्य में लेट-लतीफी पर कलेक्टर ने एसडीएम रामपुर बघेलान आरएन खरे को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

बड़ी बहन ने गला दबाकर की थी 7 वर्षीय बच्ची की हत्या

कोलगवा पुलिस ने अंधे हत्याकांड का किया सनसनी खेज खुलासा

जागरण सतना। 7 वर्षीय मासूम बच्ची की हत्या का खुलासा कोलगवां पुलिस ने कर दिया है। यह कार्यवाही एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश , एएसपी डॉ शिवेश सिंह एवं सीएसपी देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के मार्गदर्शन में कोलगवां टीआई सुदीप सोनी द्वारा की गई है।

ये है घटना : सूचना मिली कि कृपालपुर पेट्रोल पंप के आगे रीवा सतना रोड के 15.20 फिट दूर 07 वर्ष बच्ची बेहोशी हालत में मिली जिसके परजिनो द्वारा बच्ची को जिला अस्पताल सतना ले गए जहाँ डाक्टर द्वारा बच्ची को मृत घोषित किया गया। सूचना पर थाना कोलगवाँ में मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया जाकर पीएम रिपोर्ट एवं मर्ग जाँच से पाया गया कि बच्ची की हत्या उसकी 15 वर्षीय सगी बडी बहन द्वारा गला एवं मुँह दबाकर की गई जिस पर थाना कोलगवाँ में बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विधि विरुद्ध बालिका को बाल किशोर न्याय बोर्ड सतना में पेश किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका : उनि ए0पी0 तिवारी, सउनि दिनेश नाहर, प्रआर श्यामलाल, पआर संजय मरकाम, मप्रआर सुनीला पटेल, म आर पूनम मिश्रा, म आर शुभांशी, म आर शीलू आर शिवेन्द्र सिंह, प्रशांत परौहा, राहुल साहू की सराहनीय भूमिका रही।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें
अजय खरे उपसंरी

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें
माधुरी अवधेश सिंह सरपंच ग्रा.पं. इटौर
स्वामीदीन सिंह पटेल सचिव ग्रा.पं. इटौर
नागेन्द्र सिंह जीआरएस ग्रा.पं. इटौर

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें
डॉ विकास सिंह बिरसिंहपुर जिला सतना

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें
बाबूलाल मिश्रा हेडमास्टर देवगांव माध्यामिक स्कूल

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें
तुलसी मिष्ठान भंडार बिरसिंहपुर जिला सतना

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें
मोहन लाल कॉलेज बिरसिंहपुर जिला सतना

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजू शुक्ला
जिलाध्यक्ष भवन निर्माण मजदूर संघ जिला - सतना (म.प्र.)

डॉ. निशा डायलिसिस सेंटर
पता- अग्रवाल नर्सिंग होम, खुटेही, रीवा
24/7 Our Services Dialysis (डायलिसिस)
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें 9174566996 7771009417
नवीनतम मशीन द्वारा हीमो डायलेसिस
Hepatitis C (HCV) मरीजों के लिए अलग से समर्पित मशीन
अन्य सुविधाएं: • 24x7 मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. ईशान गोयल • 24x7 स्त्री रोग विशेषज्ञ • वेंटिलेटर एवं Bipap • 24x7 मेडिकल स्टोर

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

प्रवेश प्रारंभ 2025-26 SARDAR PATEL EDUCATION GROUP REWA • MP • INDIA
सी.एस.यू. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रीवा (म.प्र.)
AICTE नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV भोपाल से संबद्ध
POLYTECHNIC ME | CE | CSE | EEE | MINING
सी.एस.यू. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी रीवा (म.प्र.)
D. PHARMACY B. PHARMACY
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 05.08.2025 से 04.09.2025
कैम्पस : सिरमौर रोड, ग्राम-पल्हान (उमरी चौक), बैकुण्ठपुर, रीवा (म.प्र.)
+91 70493 99901, 70493 99902 7049399904

रक्त विकार OPD
डॉ. निशाद धकाते MBBS, MD, DM | Consultant- Hematology & BMT
23 अगस्त 2025, शनिवार समयः सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) मो.: 9399312433, 9981287311

श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा संबद्ध
डी. फार्मा DTE Counselling Code: 608
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
पता- ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641,6262084843,7470944611

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
विशेषः- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/- सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

मिनर्वा आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपतियों के लिए)
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा स्त्री एवं प्रसूति रोग MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
• IUI, IVF, ICSI • एग फ्रीजिंग • एंब्रियो फ्रीजिंग • स्पर्म फ्रीजिंग
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com